Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती आज
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi
Ranchi ● Friday, 31 October 2025 ● Year : 03 ● Issue : 282 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

आदिवासी जनाक्रोश रैली में शामिल होने जा रहे थे लोग वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 4 मरे

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को रांची-टाटा नेशनल हाईवे-33 पर यात्रियों से भरा सवारी वाहन पलट गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 23 लोग घायल हो गए। घटना बुंडू थाना क्षेत्र के गोसाईंडीह के पास हुई। सभी लोग अड़की के बिरड़ीह गांव से बुंडू के ताऊ मैदान में आयोजित आदिवासी जनाक्रोश रैली में शामिल होने जा रहे थे। एसडीएम किस्टो कुमार बेसरा ने बताया कि हादसे में 23 यात्री जख्मी हुए हैं। इनमें से 15 को रिम्स रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सवारी वाहन टाटा से रांची की ओर आ रही एक बस को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान अचानक सवारी वाहन का अगला टायर ब्लास्ट हो गया। तेज गति में होने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर बस को हल्की टक्कर मारते हुए सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया।

बुंडू में दर्दनाक हादसा

23	15
लोग हो गए घायल	जख्मी रिम्स रेफर

रैली को किया गया स्थगित

घटना की गंभीरता को देखते हुए बुंडू ताऊ मैदान में आयोजित आदिवासी जनाक्रोश रैली को स्थगित कर दिया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सवारी वाहन में महिलाएं, पुरुष और युवा सभी शामिल थे, जो रैली में हिस्सा लेने जा रहे थे। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

बिहार विधानसभा चुनाव : प्रचार के अंतिम दौर में पूरी ताकत झोंक रहे नेता

बिहार का अपमान बर्दाश्त नहीं : पीएम

VS

नीतीश को कंट्रोल कर रहे मोदी : राहुल

जंगलराज वाले मतदाताओं को कर रहे गुमराह, असली मकसद है जबरन वसूली, फिरौती, लूट व भ्रष्टाचार

AGENCY CHAPRA :

गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस-राजद पर जमकर हमला बोला। छपरा में उन्होंने कहा, नरेंद्र-नीतीश आपके सपने को पूरा करने में जुटे हैं। वहीं कांग्रेस-राजद वाले बिहार और बिहारियों का अपमान करते हैं। यह हमारे लिए बर्दाश्त करने लायक नहीं। तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस के नेता बिहारियों को गालियां देते हैं। तमिलनाडु में डीएमके नेता बिहारियों को प्रताड़ित करते हैं और इस बार के चुनाव में तो कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी है। जिन लोगों ने बिहार को गालियां दी, उन्हें कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के लिए बुलाया। ये सोची-समझी साजिश के तहत हो रहा है।

मोदी की मुजफ्फरपुर और छपरा में चुनावी जनसभा

छठी मइया का किया गया अपमान

इससे पहले मोदी ने मुजफ्फरपुर में भी कांग्रेस-राजद पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने जंगलराज से लेकर कांग्रेस-राजद के चुनावी प्रचार को लेकर हमला बोला। पीएम ने कहा, हमारी सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल कराने की कोशिश में है। एक ओर आपका बेटा छठी मइया की जयकार दुनिया में कराने में लगा है। दूसरी तरफ कांग्रेस-राजद छठी मइया का अपमान कर रहे हैं। क्या कोई कभी भी वोट पाने के लिए छठी मइया का अपमान कर सकता है क्या।

दलित विरोधी हैं राजद और कांग्रेस

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजद और कांग्रेस वाले कभी दलितों को सम्मान नहीं दिलवा सकते हैं। ये बाबा साहेब की तस्वीर को अपने पैरों में रखते हैं। हमने डिजिटल पेमेंट के नाम पर एप का नाम भीम एप रखा है। सभी को सामाजिक न्याय मिले, सबको सम्मान मिले यही बीजेपी और एनडीए का मूल मंत्र है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जंगलराज के नेता आपको लगातार गुमराह कर रहे हैं, आपको लालच दे रहे हैं। आरजेडी का घोषणापत्र, कांग्रेस का घोषणापत्र, घोषणापत्र नहीं है। उन्होंने अपनी रेट लिस्ट बता दी है।

पीएम ने बटन दबाया और सीएम बोलने लगते हैं, बिहार को बदलने का दावा झूठा

AGENCY CHAPRA :

गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नालंदा के नूरसराय में चुनावी जनसभा को संबोधित। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार कहते हैं कि 20 साल में बिहार को बदल दिया, लेकिन मैं पूछता हूं कि क्या बिहार में अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य मिल सकता है। यहां के युवाओं को अच्छी शिक्षा और लोगों को अच्छी चिकित्सा सेवा नहीं मिल रही है। बिहार के अस्पतालों में लोग जीने नहीं, मरने जाते हैं। दूसरी तरफ पीएम मोदी खड़े हैं। पीएम के हाथ में नीतीश का रिमोट है। मोदी नीतीश को कंट्रोल कर रहे हैं। नीतीश से जो करवाना है, पीएम करवा देंगे। बिहार को नीतीश नहीं चलाते हैं। सरकार अमित शाह-मोदी और नागपुर वाले (आरएसएस) चलाते हैं।

नालंदा के नूरसराय में चुनावी जनसभा

यहां होता है पेपर लीक देखते रह जाते हैं युवा

राहुल गांधी ने कहा, मैं बिहार के युवाओं से सवाल पूछना चाहता हूं। जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो। एक समय होता था, जब नालंदा की यूनिवर्सिटी पूरी दुनिया में मशहूर थी। जापान, कोरिया, इंग्लैंड से लोग पढ़ाई करने आते थे। दुनिया की शिक्षा का सेंटर नालंदा था। आज बिहार की यूनिवर्सिटी के बारे में दूसरे लोगों से पूछिए। कहते हैं यहां सिर्फ पेपर लीक होता है। जिनकी सेटिंग है, उन्हें पेपर मिल जाता है। बिहार के बाकी युवा देखते रह जाते हैं।

ट्रंप के डर से बंद किया ऑपरेशन सिंदूर

राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी ट्रंप से डरते हैं। 50 बार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोला है। मैंने नरेंद्र मोदी को डराकर ऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है। ट्रंप अलग-अलग देशों में जाकर उनका अपमान कर रहा है। कहता है मैंने मोदी को झुका दिया। उनके मुंह से एक आवाज नहीं निकली। राहुल गांधी ने कहा कि 1971 में अमेरिका ने अपनी नौसेना का सातवां बेड़ा भेजा, लेकिन इंदिरा गांधी ने साफ कह दिया था कि हम आपकी नौसेना से नहीं डरते, हमें जो करना होगा, हम करेंगे। वह महिला थीं। मोदी से ज्यादा दम इंदिरा गांधी में था।

SHARE

सेंसेक्स	:	84,404.46
निफ्टी	:	25,877.85

SARAFA

सोना	:	11,195
चांदी	:	165.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सीबीएसई ने जारी की 10-12वीं परीक्षा की डेटशीट

RANCHI : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 110 दिन पहले ली गई 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की डेटशीट जारी कर दी। सीबीएसई की सिटी को-आर्डिनेटर डॉ. सरिता सिन्हा ने बताया कि 110 दिन पहले डेटशीट जारी होने से छात्र परीक्षा को लेकर बेहतर तरीके से प्लानिंग कर सकेंगे। दोनों परीक्षाएं 17 फरवरी से प्रारंभ होंगी। दसवीं की परीक्षा 18 मार्च और 12वीं की नौ अप्रैल को संपन्न होगी।

चाबहार बंदरगाह पर भारत को प्रतिबंधों से मिली छूट

NEW DELHI : अमेरिका ने ईरान में चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी प्रतिबंधों से भारत को छह महीने की छूट दी है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ये प्रतिबंध 29 सितंबर से लागू होने थे, लेकिन दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद एक छह महीने की छूट दी गई। छह महीने की नई छूट 29 अक्टूबर से प्रभावी होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेसवार्ता में बताया कि ईरान में चाबहार बंदरगाह के लिए हमें अमेरिकी प्रतिबंधों से छह महीने की छूट दी गई है।

जनसुराज कैंडिडेट के प्रचार में थे शामिल

मोकामा में राजद नेता दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या

AGENCY PATNA :

गुरुवार को मोकामा में जनसुराज के कैंडिडेट पीयूष प्रियदर्शी के काफिले पर हमला हुआ। इसमें उनके काफिले में शामिल एक राजद नेता दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दुलारचंद यादव जनसुराज कैंडिडेट पीयूष प्रियदर्शी के साथ चुनाव प्रचार में शामिल थे। जनसुराज के नेताओं ने बताया कि हमारे कैंडिडेट का काफिला अनंत सिंह की गाड़ी के पीछे था। अचानक से अनंत सिंह के समर्थक गाड़ियों से निकले और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना घोसवारी की है। इस घटना के बाद बाहुबली अनंत सिंह ने कहा, हमारी गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। ये सारा खेल सूरजभान का है। दुलारचंद को उसने अपने यहां रखा था। वो उसी के साथ रहता था। इस मामले पर अनंत सिंह ने कहा, हम चुनाव प्रचार के लिए निकले थे। रास्ते में कई गाड़ियां खड़ी थी।

आज और कल भी होगी वर्षा, वज्रपात को लेकर जारी किया गया येलो अलर्ट

चक्रवात 'मोंथा' के कारण लगातार हो रही बारिश से किसानों की बढ़ीं मुश्किलें

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड में चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर अभी भी जारी है। बेमौसम बारिश के कारण किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कोडरमा जिले में मंगलवार शाम से बूंदाबांदी शुरू हुई। बुधवार को मूसलाधार बारिश हुई और गुरुवार को भी तेज बारिश हुई। खरीफ फसलों पर इस बारिश का सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ा है। विशेष रूप से धान की फसलों को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। इस समय धान की फसल खेतों में पककर तैयार है। कई क्षेत्रों में इसकी कटाई का काम भी शुरू हो चुका है। ऐसे में लगातार बारिश से किसानों की चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात के प्रभाव से झारखंड के लगभग सभी जिलों में झमाझम बारिश हो रही है। 31 अक्टूबर और एक नवंबर को बारिश के साथ कहीं-कहीं गर्जन, वज्रपात के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

गिरा तापमान, दो नवंबर के बाद और बढ़ेगी ठंड

धान की फसलों को अधिक नुकसान पहुंचने की जताई जा रही आशंका

स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से चाईबासा में बच्चों के जीवन के साथ हुआ खिलवाड़

VIVEK SHARMA @ RANCHI :

चाईबासा में थैलेसीमिया से ग्रसित बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने का मामला सामने आने के बाद मंत्री से लेकर विभाग के अधिकारी रेस हैं। ब्लड बैंकों के लाइसेंस की जांच करने का निर्देश दिया गया है। लेकिन, सबसे बड़ा सवाल है कि इतने दिन से विभाग के अधिकारी कहां थे। जब एक सोशल एक्टिविस्ट द्वारा आरटीआई के तहत राज्य भर में क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत चल रहे संस्थानों की जानकारी मांगी गई थी। अगर विभाग के अधिकारियों ने मामले को उस वक्त गंभीरता से लिया होता तो शायद आज ये स्थिति नहीं होती। वहीं बिना लाइसेंस के कोई भी हॉस्पिटल, ब्लड बैंक या क्लिनिक नहीं चल रहे होते। बता दें कि सोशल एक्टिविस्ट ज्योति शर्मा पिछले सात सालों से स्वास्थ्य विभाग से सभी जिलों की रिपोर्ट मांग रहे हैं। अपील भी कर चुके हैं। इसके बावजूद कुछ जिलों को छोड़ बाकी जिलों से जानकारी ही उपलब्ध नहीं कराई गई है। सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि राजधानी रांची में जहां सैकड़ों हॉस्पिटल, क्लिनिक, लैब और ब्लड बैंक चल रहे हैं, वहां की भी जानकारी विभाग के पास नहीं है। राज्य के विभिन्न जिलों में कितने प्राइवेट क्लीनिक व हॉस्पिटल बिना क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत संचालित हैं। इसका खुलासा आरटीआई से मांगी गई जानकारी में हुआ है। मार्च में आरटीआई से मांगे गए सवालों के जवाब 7 महीने बाद 24 में केवल 6-7 जिलों ने ही उपलब्ध कराए हैं। 7 महीने बीतने के बाद भी अन्य जिलों से जानकारी प्राप्त नही हुई है।

- आरटीआई से मांगी गई जानकारी विभाग ने नहीं कराई उपलब्ध
- अपील के बाद भी विभाग कर रहा केवल पत्राचार
- रांची में कितने हॉस्पिटल और क्लिनिक चल रहे सीईए के तहत, विभाग को पता नहीं

किस जिले ने क्या दी जानकारी

- गोड्डा सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में सीईए के तहत 19 प्राइवेट और 9 सरकारी हॉस्पिटल संचालित हैं। इनमें से क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट में बिना रजिस्ट्रेशन किसी भी हॉस्पिटल के संचालन की सूचना नहीं है।
- लातेहार के सिविल सर्जन की ओर से जानकारी दी गई है कि जिले में सीईए के तहत 13 प्राइवेट और 8 सरकारी हॉस्पिटल संचालित हैं। इनमें से एक्ट में बिना रजिस्ट्रेशन के किसी भी हॉस्पिटल के संचालन की सूचना नही है।
- गढ़वा जिला के सिविल सर्जन की ओर से बताया कि जिले में 141 हॉस्पिटल व क्लीनिक बिना क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट के तहत संचालित हैं। इनमें पिछले दो सालों में 13 पर कार्रवाई करते हुए उन्हें बंद कर दिया गया है।
- सरायकेला-खरसावां सिविल सर्जन ने बताया है कि उनके जिले में 20 प्राइवेट हॉस्पिटल व क्लीनिक बिना सीईए रजिस्ट्रेशन के संचालित है। इन सभी हॉस्पिटलों को नोटिस जारी करते हुए बंद कराया गया है।
- पलामू सिविल सर्जन ने जवाब दिया कि उनके जिले में एक भी हॉस्पिटल व क्लीनिक बगैर सीईए रजिस्ट्रेशन के संचालित नहीं है। उन्होंने जानकारी दी है कि पिछले दो सालों में बगैर लाइसेंस के 3 हॉस्पिटलों को बंद किया जा चुका है।

चाईबासा में बच्चों को संक्रमित खून चढ़ाने पर सख्त नाराजगी, अधिकारियों को फटकार

बिना लाइसेंस कैसे चल रहे ब्लड बैंक : झारखंड हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट ने चाईबासा में बच्चों को संक्रमित रक्त चढ़ाने के बाद एचआईवी पॉजिटिव होने के मामले में सुनवाई करते हुए सत्य नाराजगी जताई। कोर्ट ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। सुनवाई के दौरान स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, झारखंड एड्स कंट्रोल सोसाइटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर, ड्रग कंट्रोलर कोर्ट में सशरीर उपस्थित थे। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने ऐसी घटनाओं को बेहद गंभीर बताया। सरकार को अविलंब इसे रोकने को लेकर एक्शन लेने को कहा है। कोर्ट ने सरकार को शपथपत्र दाखिल कर सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालों में ब्लड डोनेशन कैंप का ब्योरा मांगा है। राज्य के अस्पतालों में कितने रक्त की आवश्यकता है और कितना उपलब्ध हो पा रहा है, इसका भी आंकड़ा कोर्ट ने सरकार से मांगा है। साथ ही झारखंड में नेशनल ब्लड पॉलिसी को और प्रभावी बनाने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

शपथपत्र दाखिल कर सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में ब्लड डोनेशन कैंप का मांगा ब्योरा

चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में हुई सुनवाई

घटनाओं को रोकने के लिए नहीं लिया गया बड़ा एक्शन

मामले में खंडपीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि इससे पूर्व भी ऐसे मामले को कोर्ट देख रहा है और सरकार को दिशा-निर्देश दे रहा है, लेकिन इसके बावजूद इन घटनाओं को रोकने के लिए कोई बड़ा एक्शन नहीं लिया गया। कोर्ट ने कहा कि एचआईवी संक्रमित संक्रमण की एडवांस मशीन न्यूक्लिक एसिड टेस्ट अब तक अस्पतालों में क्यों उपलब्ध नहीं कराई गई। झारखंड में बिना लाइसेंस के ब्लड बैंक क्यों चल रहे हैं। ब्लड बैंकों के लाइसेंस का रिन्यूअल दो सालों से क्यों लंबित रह रहा है। कोर्ट ने कहा कि ब्लड बैंकों के माध्यम से ही ब्लड एकत्रित होना चाहिए और न्यूक्लिक एसिड टेस्ट मशीन का सहारा लेकर संक्रमित रक्त की रोकथाम संभव है।

मुंबई में 17 बच्चों को बंधक बनाने वाले का एनकाउंटर

MUMBAI : गुरुवार को मुंबई के पवई इलाके के रा स्टूडियो में 17 बच्चों समेत 19 लोगों को बंधक बनाने वाला एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान फायरिंग में आरोपी रोहित आर्या को गोली लगी, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। रोहित ने 1:45 बजे 17 बच्चे, एक सीनियर सिटिजन और एक नागरिक को बंधक बनाया था। पुलिस और स्पेशल कमांडो ने एक घंटे की कार्रवाई में सभी बंधकों को सुरक्षित बचा लिया। पुलिस को घटनास्थल से एक एयरगन और केमिकल भी मिला था। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 100 से ज्यादा बच्चों को ऑडिशन के लिए बुलाया था। रोहित ने बंधक बनाने के बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें वह कह रहा था मैं रोहित आर्या हूं। सुसाइड करने के बजाय मैंने एक योजना बनाई है और कुछ बच्चों को यहां बंधक बनाकर रखा है। मेरी ज्यादा मांगें नहीं हैं।

बड़ा संकट लंबे समय तक किए गए व्यापक अध्ययन में हुआ खुलासा

देश के महानगरों में जमीन धंसने का बढ़ता जा रहा खतरा

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

पृथ्वी की भीतरी हलचलों और जलवायु परिवर्तन की वजह से धरती के धंसने का खतरा बढ़ता जा रहा है। हाल में हुए रिसर्च से यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि भारत में भविष्य में नई दिल्ली और चेन्नई समेत पांच महानगरों में 900 वर्ग किलोमीटर जमीन के धंसने की आशंका है। अमेरिका स्थित वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट एंड स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकताओं ने 2015-23 के दौरान एकत्रित किए गए सैटेलाइट डाटा का विश्लेषण कर पाया कि 2400 से अधिक इमारतें पहले से संरचनात्मक क्षति के उच्च जोखिम में हैं। 1.3 करोड़ से अधिक इमारतों को केंद्रित कर किए गए अध्ययन और 8 करोड़ लोगों से की गई बातचीत में पता चला है कि जमीन धंस रही। इससे 19 लाख लोग प्रति वर्ष चार मिलीमीटर से ज्यादा की दर से धंसने के जोखिम में हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, भूमि धंसाव बाढ़ और भूकंप के खतरों को बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा, जब किसी शहर की जमीन असमान रूप से धंसती है तो इससे नींव कमजोर हो सकती है। बिजली लाइनों को नुकसान पहुंच सकता है और ढांचागत कमजोरी बढ़ सकती है। नई दिल्ली में भू-धंसाव की दर 51 मिलीमीटर प्रति वर्ष दर्ज हुई, जो सभी शहरों में सबसे ज्यादा है।

साल 2015 से 2023 के बीच एकत्रित सैटेलाइट डाटा का किया गया है विश्लेषण

3 करोड़ से अधिक इमारतों को केंद्रित कर कई स्तरों पर की गई है विस्तृत स्टडी

- पहले से संरचनात्मक क्षति के उच्च जोखिम में बताई गई हैं 2400 से अधिक इमारतें
- वैज्ञानिकों ने भविष्य में 900 वर्ग किलोमीटर धरती के धंसने की जताई है आशंका

वर्जीनिया पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट एंड स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दी जानकारी

- सालाना चार मिलीमीटर से ज्यादा की दर से जमीन धंसने के जोखिम में हैं 19 लाख लोग
- नेचर सस्टेनेबिलिटी पत्रिका में अध्ययन के निष्कर्षों को किया गया है प्रकाशित

शहरी क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर उभार

दिल्ली-एनसीआर के कुछ हॉटस्पॉट जैसे- बिजवासन (28.5 मिमी/वर्ष), फरीदाबाद (38.2 मिमी/वर्ष) और गाजियाबाद (20.7 मिमी/वर्ष) में तेज धंसाव देखा गया। शहरी क्षेत्रों में भी स्थानीय स्तर पर उभार पाया। जैसे- दिल्ली-एनसीआर में द्वारका के पास वाले इलाके, जहां भू-धंसाव प्रति वर्ष 15 मिलीमीटर से अधिक की दर से बढ़ रहा। अंतरराष्ट्रीय नेचर सस्टेनेबिलिटी पत्रिका में अध्ययन के निष्कर्ष प्रकाशित किए गए हैं।

BRIEF NEWS

अज्ञात शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

HAZARIBAG : पेलावल ओपी पुलिस ने गुरुवार को गदोखर रोड स्थित जबरा पुल के पास से एक अज्ञात शव बरामद किया है। बताया गया है कि हत्या कर शव को फेंक दिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। शव की शिनाख्त नहीं हुई है। थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडेय ने बताया कि शव की शिनाख्त के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। और मामले की जांच की जा रही है।

को-ऑपरेटिव कॉलेज में 16 तक ऑनलाइन चलेंगी कक्षाएं

JAMSHEDPUR : घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव को लेकर जिला प्रशासन द्वारा जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज को अधिग्रहित किया गया है। इसे देखते हुए को-ऑपरेटिव कॉलेज ने बीकॉम और एमकॉम समेत यूजी व पीजी की कक्षाएं ऑनलाइन संचालित करने का फैसला लिया है। कॉलेज की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने कॉलेज परिसर को 16 नवंबर तक अधिग्रहित कर लिया है। इसकी वजह से स्नातक व स्नातकोत्तर की सभी कक्षाएं 16 नवंबर तक ऑनलाइन मोड में संचालित होंगी।

शिक्षक को ग्रामीणों ने बनाया बंधक, पीटा

JAMTARA : जामताड़ा जिले के नारायणपुर प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय आमजोरा में शिक्षक द्वारा एक छात्रा से बदसलूकी व छेड़खानी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने आरोपी प्रभारी शिक्षक को पकड़ कर बंधक बना लिया। उसके बाद शिक्षक की जमकर पिटाई कर दी। जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने शिक्षक को करीब पांच घंटे तक बंधक बनाए रखा। ग्रामीणों की सूचना पर स्कूल में पुलिस पहुंची। ग्रामीणों ने शिक्षक को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस शिक्षक को थाने ले गई। उसके बाद मामले की जांच-पड़ताल और पूछताछ कर रही है।

गुमला में दो बाइकों की भिड़ंत, दो की मौत

GUMLA : गुमला के सदर थाना क्षेत्र में फोरी और पसंगा के बीच गुरुवार को शाम करीब 7.30 बजे बजे दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों मोटरसाइकिलों के परखच्चे उड़ गए। मृतकों की पहचान बसुआ निवासी रमेश उरांव और पसंगा निवासी संतोष गोप के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रमेश उरांव अपनी बाइक से कार्तिक उरांव और खेतो उरांव के साथ गांव लौट रहा था। इसी बीच सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक, जिस पर संतोष गोप, जोरू उरांव और कुम्भाटोली निवासी रोपना पन्ना सवार थे, अनियंत्रित होकर भिड़ गई। जोरदार टक्कर में रमेश उरांव और संतोष गोप की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार्तिक उरांव, खेतो उरांव, जोरू उरांव और रोपना पन्ना गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत घायलों को गुमला सदर अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। घटना के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए जाम लग गया।

तालाब में डूबकर सगे भाई-बहन की मौत

LATEHAR : जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के महुआमिलान गांव में गुरुवार को तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। दोनों बच्चे आपस में सगे भाई बहन थे। वहीं बच्चों के साथ तालाब में नहाने गई उनकी दादी तेतरी देवी भी तालाब में डूब रही थी, लेकिन लोगों की मदद से उन्हें बचा लिया गया। हालांकि महिला की स्थिति भी गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार धर्मपाल प्रजापति का छह वर्षीय पुत्र और आठ वर्षीय पुत्री अपनी दादी के साथ गांव के बगल में स्थित तालाब में नहाने गए थे। अचानक महिला तेतरी देवी पानी में डूबने लगी। अपनी दादी को पानी में डूबता हुआ देखकर दोनों बच्चों ने बचाने का प्रयास किया। लेकिन दोनों बच्चे भी डूबने लगे।

44 रक्तदाताओं की हुई जांच 3 निकले एचआईवी पॉजिटिव

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पहुंचे चाईबासा, कहा- दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

PHOTON NEWS CHAIBASA : राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी गुरुवार को चाईबासा पहुंचे। यहां उन्होंने ब्लड बैंक सहित पूरे अस्पताल परिसर की गहन जांच की। थैलेसीमिया पीड़ित पांच बच्चों के एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने के मामले में स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि जांच में सामने आया है कि वर्ष 2023-24 से अब तक 253 रक्तदाताओं ने थैलेसीमिया बच्चों को रक्तदान किया है। इनमें से अब तक 44 नमूनों की जांच हुई है, जिसमें 3 रक्तदाता ही एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। इन्हीं का रक्त बच्चों को चढ़ाया गया था। मंत्री ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है, इसलिए पूरे राज्य के ब्लड बैंकों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। किसी भी स्तर पर लापरवाही करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि चाईबासा के सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो कुमार माझी और नोडल डॉ. दिनेश संवैया को निलंबित कर दिया गया है, जबकि ब्लड बैंक के अनुबंधकर्मी मनोज कुमार को सेवा से हटा दिया गया है।

पत्रकारों से बात करते स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ● फोटोन न्यूज

संक्रमित बच्चों के परिवारों को दिया गया चेक, होगा मुफ्त इलाज

डॉ. अंसारी ने घोषणा की कि एचआईवी पॉजिटिव पाए गए पांचों बच्चों के परिवारों को सरकार की ओर से दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर दोबारा जांच के बाद भी रिपोर्ट पॉजिटिव रहती है, तो मैं व्यक्तिगत तौर पर भी दो-दो लाख रुपये दूंगा। उन्होंने बताया कि बच्चों के इलाज का पूरा खर्च सरकार उठाएगी और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही ब्लड बैंक में एलीजा जांच मशीन की कमी को जल्द दूर करने का निर्देश दिया गया है।

मंत्री ने दो बच्चों को गोद में लिया, दिए 5-5 हजार रुपये

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने ओपीडी में इलाज कराने आए दो छोटे बच्चों को गोद में लेकर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने बच्चों से नाम और गांव पूछते हुए 5-5 हजार रुपये नकद सहायता दी। बाद में मंत्री ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों और उनके परिजनों से मुलाकात की, उन्हें आर्थिक सहयोग और मुफ्त इलाज का भरोसा दिलाया। इस दौरान डीसी चंदन कुमार, एसपी अमित रेणु, प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. भारती मिंज, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. शिवचरण हांसदा समेत अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

अस्पतालों में मिलेंगी आधुनिक जांच सुविधाएं

डॉ. इरफान अंसारी ने घोषणा की कि राज्य के सभी सदर अस्पतालों में अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एक्स-रे समेत आधुनिक जांच मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही राज्य में एंबुलेंस की कमी को देखते हुए नई एंबुलेंस खरीदी जा रही हैं, ताकि मरीजों को बेहतर सुविधा मिल सके।

ज्वेलर्स दुकान से 50 लाख की चोरी

PALAMU : पलामू के पांडू प्रखंड मुख्यालय स्थित महालक्ष्मी ज्वेलर्स की दुकान में बुधवार की रात 50 लाख की चोरी हो गयी। चोर दुकान से 400 ग्राम सोना एवं 10 किलो चांदी ले गए। चोरों ने दुकान के शटर को जैक लगाकर उठाया और घटना को अंजाम दिया। दुकान के अंदर बने लॉकर को गैस कटर से काटकर गहनों पर हाथ साफ कर दिया। यह दुकान महूगांवा निवासी ओमप्रकाश सोनी और बाबूलाल सोनी की बताई गयी है। इस संबंध में गुरुवार शाम 5 बजे प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विगेश कुमार राय एवं पुलिस अंचल निरीक्षक रामआशिष पासवान दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है और अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। घटना से आक्रोशित स्थानीय व्यापारियों ने बाजार में रात्रि प्रहरी (चौकीदार) नियुक्त करने और पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पांडू थाना बाजार से काफी दूरी पर स्थित होने के कारण बाजार क्षेत्र असुरक्षित होता जा रहा है।

अपहरण व हत्या मामले का पुलिस ने किया खुलासा, दो हुए गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र में हुए अपहरण और हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला प्रेम प्रसंग और जमीन विवाद से जुड़ा है।

एसपी रीष्मा रमेशन ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि 28 अक्टूबर को बली यादव, पिता हीरामन यादव ने सतबरवा थाना में आवेदन देकर बताया था कि उनके पुत्र पंकज कुमार यादव का अपहरण रमेश कुमार यादव और उसके साथियों ने हत्या की नीयत से कर लिया है। इस मामले में सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया था। टीम ने मुख्य आरोपी रमेश कुमार यादव को गिरफ्तार कर पूछताछ की, तो पता चला कि उसका पोची गांव की एक महिला से प्रेम संबंध था। मृतक पंकज कुमार यादव, जो उसका चचेरा साला था, ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। आरोपी को भय था कि पंकज यह बात सार्वजनिक कर देगा। इसी डर और पुराने जमीन विवाद के कारण रमेश कुमार यादव ने अपने साथी मंदीप कुमार यादव के साथ मिलकर छठ के पहले अर्घ्य की शाम पंकज को बाइक से पोची स्थित नहर के पास ले गया और गला दबाकर हत्या कर दी। शव को नहर में फेंक दिया। पुलिस ने सहआरोपी मंदीप कुमार यादव को भी गिरफ्तार कर लिया है।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देतीं एसपी रीष्मा रमेशन ● फोटोन न्यूज

घाटशिला चुनाव के लिए कांग्रेस ने बनाई कमेटी

JAMSHEDPUR : घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इलेक्शन कैंपेन कमेटी और प्रखंडवार चुनाव संचालन समिति गठित कर दी है। यह कमेटी गठबंधन के प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय होगी।

संजय सिंह आजाद ने बताया कि कमेटी के कार्य को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश 1 नवंबर को घाटशिला के मारवाड़ी धर्मशाला में सुबह 11 बजे से बैठक करेंगे। इसमें जिलाध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, प्रखंड पर्यवेक्षक, प्रदेश प्रतिनिधि, प्रखंड क्षेत्र के सभी वरिष्ठ कांग्रेस नेता, चुनाव कैंपेन कमेटी व प्रखंडवार चुनाव संचालन समिति के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा कर दिशा-निर्देश देंगे।

भुइयांडीह में जुए के विवाद में हुई हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के भुइयांडीह स्थित कान्हू भट्ठा इलाके में जुए के दौरान हुए विवाद में दीपक विभार नामक युवक की हत्या कर दी गई थी। सिदगोड़ा थाना की पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए वारदात के मुख्य आरोपी अशोक दुबे को बल्ले कांप्लेक्स के पास से गिरफ्तार कर लिया। अशोक दुबे को गुरुवार को जेल भेज दिया गया है। दीपक विभार का कत्ल 20 अक्टूबर की रात को हुआ था। घटना रात करीब एक बजे की है। कान्हू भट्ठा में इमली के पेड़ के नीचे जुआ हो रहा था। इसी दौरान यह घटना घटी थी। दीपक विभार को गोली मार दी गई थी। घायल दीपक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। इस मामले में 21 अक्टूबर को मृतक की मां मधु विभार के आवेदन पर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। घटनास्थल के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों के जरिए यह पता लगाया कि इस घटना को अंजाम देने में अशोक दुबे का हाथ है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि फरार आरोपी अशोक दूबे बल्ले कॉम्प्लेक्स के पास देखा गया है। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया।

पत्रकारों को जानकारी देते थाना प्रभारी

पलामू में ट्रैक्टर ने बाइक सवार दंपती को रौंदा, बच्ची की मौत, पति-पत्नी हुए घायल

छतरपुर थाना क्षेत्र के सड़मा स्थित बुलेट शोरूम के सामने हुई दर्दनाक दुर्घटना

AGENCY PALAMU : जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के सड़मा में स्थित रॉयल इनफील्ड शोरूम के सामने गुरूवार को गलत दिशा से आ रहे ईंट लदे ट्रैक्टर (जेएच 03 एएफ 8160) ने सामने से आ रही बाइक (जेएच 03 एजी 4283) को धक्का मारते हुए उसपर सवार दंपति को कुचल दिया। इससे उस पर सवार चार साल की बच्ची की मौत हो गयी, वहीं माता पिता गंभीर रूप से जख्मी हो गए। बाइक सवार चिरु पंचायत के पटखाही के अब्दुल्लाह अंसारी (33) और उनकी पत्नी खुशनाज खातून (28) बताए गए हैं।

उनकी चार वर्षीय पुत्री रोशनी परवीन की मौत हो गई, जबकि दो वर्षीय बच्ची अनाया परवीन बाल बाल बच गई। जिस समय दुर्घटना हुई, उसी दौरान हुसैनाबाद के एसडीएम अपनी गाड़ी से डालटनगंज जा रहे थे। उन्होंने मानवता का परिचय देते हुए घायल दंपत्ति को अपने वाहन से अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने रोशनी को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल पति-पत्नी का प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि अब्दुल्लाह पत्नी के साथ चेगौना गांव स्थित ससुराल से एक बाइक पर सवार होकर पटखाही घर लौट रहे थे। छतरपुर की ओर से गलत लेन पकड़ कर आ रहे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में धक्का मारते हुए तीनों को कुचल दिया। गनीमत रही कि दो वर्षीय अनाया सड़क पर दूर गिर गई, बावजूद उसे खरोंच तक नहीं आई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने नेशनल हाईवे-139 को जाम कर दिया, लेकिन प्रशासन ने कुछ ही देर में जाम को हटाकर यातायात को सुचारू कराया। इधर, पुलिस दोनों वाहनों को जब्त कर थाना ले आई। मौके पर ट्रैक्टर मालिक और दुर्घटना में घायल अब्दुल्लाह के परिजनों के बीच समझौता की बात चल रही थी।

थाना में जब्त किया गया ट्रैक्टर व बाइक

खूंटी में लापता वृद्ध का शव कुएं से किया गया बरामद

KHUNTI : तोरपा थाना क्षेत्र के हुसीर गांव से लापता 73 वर्षीय वृद्ध मसीह दास गुड़िया का शव गुरुवार की सुबह गांव के ही एक कुंए से बरामद किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार, गुरुवार की सुबह मसीह दास गुड़िया का बेटा जय मसीह गुड़िया बैलों को चराने जा रहा था। इसी दौरान उसने एक कुंए के पानी की सतह पर कपड़ा तैरता देखा। करीब जाकर देखा तो वह कपड़ा उसके पिता मसीहदास गुड़िया का था। नीचे झांकने पर कुंए में उनका शव पानी में तैरता नजर आया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। बताया गया कि मसीह दास गुड़िया 28 अक्तूबर की सुबह घर से नाश्ता करने के बाद निकले थे, लेकिन उसके बाद वे वापस नहीं लौटे। परिवार और ग्रामीण लगातार उनकी खोजबीन में जुटे थे। परिजनों ने आसपास के रिश्तेदारों और इलाकों में भी खोज की, पर कोई पता नहीं चला। परिजन बताते हैं कि सोहराई पर्व के समय से ही मसीह दास गुड़िया मानसिक रूप से अस्वस्थ थे।

चलती बाइक पर गिरी पेड़ की डाली पुत्र की हुई मौत, माता-पिता घायल

AGENCY PALAMU : पलामू के हैदरनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुकही गांव से जपला रेलवे स्टेशन बाइक से जा रहे एक परिवार पर मुगलजान गांव के स्कूल के पास अचानक आम के पेड़ की डाली टूट कर गिर गई। घटना में बाइक चालक 32 वर्षीय सुरेंद्र मेहता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पिता सुरेश मेहता और माता कमला देवी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना गुरुवार सुबह हुई। ग्रामीणों ने सभी को अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया। चिकित्सकों ने सुरेंद्र मेहता को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल सुरेश मेहता और उनकी पत्नी कमला देवी का उपचार किया जा रहा है। मुखिया रेणु देवी ने बताया कि सुरेश मेहता और कमला देवी को बरवाडीह - डेहरी पैसेंजर ट्रेन से डेहरी ऑन सोन जाना था। ट्रेन पकड़ने के लिए एक बाइक पर तीनों गांव से जपला रेलवे स्टेशन के लिए निकले थे। घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है, वहीं गांव में मातम सा माहौल है। सूचना मिलते ही हैदरनगर थाना पुलिस घटनास्थल पहुंच कर मामले की छानबीन में जुटी है। थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया कि चलती बाइक पर पेड़ की डाली गिरने से हादसा हुआ। एक की मौत हुई है। दो जख्मी हैं। घायलों का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जायेगा।

अस्पताल में जुटे मृतक के परिजन व अन्य

परियोजना बिरसानगर प्रधानमंत्री आवास योजना में सड़क का एस्टीमेट मंजूर, बिजली कनेक्शन का काम तेजी से शुरू

अगले साल लाभुकों को सुपुर्द किए जाएंगे पीएम आवास के 644 फ्लैट

MUJTABA RIZVI @ JSR : बिरसानगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभुकों को 644 फ्लैट नए साल में आवंटित कर दिए जाएंगे। जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) पूरी तैयारी के साथ कैंपस को रहने लायक बनाने में जुट गई है। यहां तकरीबन डेढ़ किमी सड़क निर्माण के लिए पथ निर्माण विभाग ने एस्टीमेट तैयार कर लिया है। इस एस्टीमेट को विभाग की मंजूरी मिल गई है। जल्द ही इस सड़क निर्माण का टेंडर कराया जाएगा। इसके अलावा, बिजली विभाग भी इन 644 फ्लैटों में बिजली का कनेक्शन देने की कवायद में जुटा है। जेएनएसी के अधिकारियों का कहना है कि यह सारे काम दिसंबर के अंत तक पूरे कर लिए जाएंगे और नए साल में लाभुकों का इन फ्लैट में गृह प्रवेश करा दिया जाएगा।

बिरसानगर स्थित निर्माणाधीन पीएम आवास ● फोटोन न्यूज

एक ब्लॉक में 8 ट्रांसफॉर्मर

फ्लैटों में बिजली आपूर्ति के लिए एक ब्लॉक में आठ ट्रांसफार्मर लगाया जाएगा। एक ट्रांसफार्मर 500 केवीए का होगा। इसके लिए बिजली विभाग से बात हो गई है। जल्द ही यहां ट्रांसफार्मर लगाने का काम शुरू होगा।

एक ब्लॉक के लिए चार लाख मिलियन लीटर पर डे की क्षमता का ओवरहेड टैंक बनाया गया है। इसे भरने के लिए हर ब्लॉक में दो-दो बोरिंग की गई है। पानी फ्लैट में चढ़ाने के लिए नीचे एक संप भी बनाया जा रहा है।

48 एकड़ में बनेंगे 9592 फ्लैट

गौरतलब है कि बिरसानगर में 48 एकड़ रकबे में 9592 फ्लैट बनाए जाने हैं। यह फ्लैट 23 ब्लॉक में बनाए जाने हैं। इनमें से दो ब्लॉक में ही निर्माण कार्य तेजी से कराया गया है। बाकी ब्लॉक में निर्माण कार्य सुस्त चल रहा है।

अब तक 5366 लोगों की हुई लॉटरी

तैयार हो चुके 644 फ्लैटों के आवंटन के लिए 5366 लोगों की लॉटरी की गई है। इनमें से 644 लोगों को चुना गया है। अब तक 300 लाभुक ही ऐसे हैं जिन्होंने चार लाख 31 हजार रुपये की किस्त जमा कर दी है। बाकी बाकी लाभुक किस्त अदा करने की प्रक्रिया में हैं। इनमें से लगभग 800 लोगों ने एक लाख 1500 रुपये की पहली किस्त दी है। 500 लोगों ने दो किस्तें, 400 लोगों ने तीन किस्तें जमा की हैं। इसके अलावा, 350 फाइलें बैंक में लोन की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। माना जा रहा है कि बैंकों की लापरवाही के चलते भी योजना में देरी हो रही है। अधिकारियों का कहना है कि बैंक लाभुकों को लोन देने से कतरा रहे हैं। लाभुक रोज लोन के लिए परेशान हो रहे हैं। बैंकों का चक्कर काट रहे हैं। मगर, बैंक कर्मी उन्हें आज कल आने की बात कह कर टरका रहे हैं।

ईसाई पुरोहित की फंदे पर लटकी मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

GUMLA : जारी थाना क्षेत्र के जरडा पंचायत अंतर्गत परसा पारिस में गुरुवार को 25 वर्षीय पुरोहित (ब्रदर) रिचर्ड खलखो की प्लास्टिक की रस्सी के सहारे खिड़की से फंदे पर लटकी लाश मिली। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना की जानकारी देते हुए पल्ली पुरोहित फादर फिलमोन एक्का ने बताया कि दोपहर तीन बजे स्कूल की छुट्टी के बाद जब सभी लोग आवास लौटे, तो ब्रदर रिचर्ड का कमरा बंद मिला। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने पर भी भीतर से कोई आवाज नहीं आई। इससे अनहोनी की आशंका हुई और तुरंत जारी के थाना प्रभारी आदित्य कुमार को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़ा गया। भीतर ब्रदर रिचर्ड को प्लास्टिक की रस्सी के सहारे खिड़की से लटका हुआ पाया गया। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। मृतक के पिता जस्टीन खलखो डुमरी थाना क्षेत्र के रजावाल पारिश के अम्बाटोली के निवासी हैं। मृतक के भाई अमल खलखो ने बताया कि रिचर्ड काफी मिलनसार स्वभाव के थे और परिवार के सबसे बड़े पुत्र थे। वे करीब 16 महीनों से परसा पारिस में अपनी धार्मिक सेवा दे रहे थे। उन्होंने कहा कि भाई ने आत्महत्या क्यों की, यह समझ से परे है, क्योंकि उन्होंने कभी किसी तरह का तनाव प्रकट नहीं किया था।

घटनास्थल पर मौजूद लोग

आपराधिक गिरोहों की काली कमाई पर झारखंड एटीएस की टेढ़ी नजर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में सक्रिय संगठित आपराधिक गिरोहों की काली कमाई पर झारखंड एटीएस की टेढ़ी नजर पड़ चुकी है। खौफ के बल पर अकूत संपत्ति अर्जित करने वाले अपराधियों के खाते पुलिस के रडार पर हैं। जांच के क्रम में कई चौंकाने वाले खुलासे भी हुए हैं। जिसमें सबसे बड़ा खुलासा ये है कि अपराधी बैंकों में करोड़ों रुपये नकद जमा कर रहे हैं। झारखंड के अपराध जगत में इन दिनों नकद का चलन जोरों पर है। बड़े अपराधी अपने करीबियों और रिश्तेदारों के खातों में अपनी काली कमाई नकद में जमा करवा रहे हैं। झारखंड के नामी गैंगस्टर्स के मनी ट्रेल की जांच कर एटीएस को यह चौंकाने वाली जानकारी मिली है। जिसके बाद अपराधियों की काली कमाई की जांच गहराई से की जा रही है। एटीएस एसपी ऋषभ झा ने बताया कि सभी नगद ट्रांजेक्शन की जांच शुरू कर दी गई है। एटीएस एसपी ऋषभ झा ने बताया कि झारखंड के संगठित आपराधिक गिरोहों के गैंग लीडर्स और उनके सगे-संबंधियों के खातों की बड़े लेवल पर जांच चल रही है। जांच के दौरान एटीएस ने वैसे खातों की जांच शुरू की है जिनमें बड़ी रकम नगद के रूप में खातों में जमा कराई गई और निकाली गई। जांच के दौरान हेवी कैश ट्रांजेक्शन और डिपॉजिट किए जाने से संबंधित जानकारी मिली है। हालांकि जिन बड़े अपराधियो के खातों में नकद जमा करने के साक्ष्य एटीएस को मिले हैं उनके नामों का खुलासा जांच प्रभावित होने की वजह से नहीं किया गया है, लेकिन बताया जा रहा है कि लगभग हर बड़े अपराधी ने अपने कारीबियों के खाते में बड़ी रकम जमा कराई है।

बैंकों में नकद जमा करवा रहे कई कुख्यात अपराधी, जांच के दौरान करोड़ों के ट्रांजेक्शन के मिले सबूत

खौफ के बल पर संपत्ति अर्जित करने वाले अपराधियों के खाते पुलिस के रडार पर, चौंकाने वाले हुए खुलासे

- अपने करीबियों और रिश्तेदारों के खातों में अपनी काली कमाई नकद करा रहे जमा
- आपराधिक गिरोहों के गैंग लीडर्स और उनके सगे-संबंधियों के खातों की बड़े लेवल पर चल रही जांच
- खातों में हेवी कैश ट्रांजेक्शन और डिपॉजिट किए जाने से संबंधित मिली है जानकारी
- जांच प्रभावित होने की वजह से नहीं किया गया नामों का खुलासा

दो दर्जन से ज्यादा लोगों की पहचान

अमन साव (अब मृत), सुजीत सिन्हा, प्रिंस खान, डब्लू सिंह, मयंक सिंह और विकास तिवारी जैसे गैंगस्टर्स की काली कमाई को कारोबार में लगाने वाले सफेदपोश, गैंगस्टर्स के करीबी और रिश्तेदार बड़े संकट में फंसने वाले हैं। झारखंड में सक्रिय संगठित अपराधी गिरोह पर लगाम लगाने के लिए झारखंड एटीएस के साथ-साथ कई एजेंसियां साथ में मिलकर काम कर रही हैं। इसी कड़ी में झारखंड एटीएस ने ऐसे दो दर्जन से ज्यादा लोगों की पहचान कर ली है जो झारखंड के संगठित आपराधिक गिरोहों की कमाई को बैंकों में नगद के रूप में जमा कर रहे थे। फिर उसी पैसे को विभिन्न तरह कारोबार में लगा रहे हैं और उसका मुनाफा अपराधियों तक पहुंचा रहे हैं। झारखंड के दुर्दांत अपराधियों की करोड़ों की संपत्ति का पता एटीएस को मिल चुका है। अब धीरे-धीरे संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू की जाएगी। इसके तहत जो संपत्ति अपराधियों के नाम पर है उसे सीधे तौर पर जब्त की जाएगी, जबकि जो संपत्ति उनके रिश्तेदारों के नाम पर हैं वैसे लोगों को नोटिस के जरिए ये बताना होगा की संपत्ति लीगल है या इलीगल।

पुख्ता सबूत नहीं देने पर जब्त की जाएगी संपत्ति, जाना होगा जेल : एटीएस एसपी

झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ झा ने बताया कि अपराधियों की काली कमाई का निवेश करने वाले लोगों की सूची बना कर उन्हें नोटिस किया जा रहा है। नोटिस मिलने के बाद चाहे गैंगस्टर के परिवार वाले हों या फिर उनके नजदीकी दोस्त या फिर बिजनेसमैन उन सब को खरीदी गई संपत्ति और किए गए निवेश को लेकर पुख्ता सबूत देने होंगे। अगर वे ऐसा नहीं कर पाते हैं तो नए कानून के हिसाब से तीन साल की सजा तो है ही साथ ही सारी संपत्ति भी जब्त कर ली जाएगी। एटीएस के अनुसार कुछ ऐसे खाते भी हैं, जो संगठित आपराधिक गिरोहों से संबंधित हैं। उन खातों में करोड़ों रुपये नगद जमा कराए गए हैं। करोड़ों रुपये जिन खातों में जमा हुए हैं वे खाते बड़े अपराधियों के हैं। ऐसे में हर खाते जांच की जा रही है। बड़े पैमाने पर बैंक स्टेटमेंट निकाले गए हैं। दरअसल, झारखंड के बड़े आपराधिक गिरोह एक्सटॉर्शन के जरिए करोड़ों की उगाही करते हैं। व्यापारी हो या कारोबारी जो अपराधियों के खौफ के आगे हार कर उन्हें पैसे देते हैं, वह नगद ही होता है। एक्सटॉर्शन के जरिए की गई कमाई ही अपराधी बैंकों में जमा कर रहे हैं।

BRIEF NEWS

पैतृक मैपिंग कार्य तेजी व त्रुटिरहित पूरी करने का निर्देश

RANCHI : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने गुरुवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को कम से कम दस्तावेज देने पड़ें, इसके लिए 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान मतदाताओं की पैतृक मैपिंग का कार्य तेजी और त्रुटिरहित ढंग से पूरी की जाए। के. रवि ने सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर और शहरी क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर विशेष कैंप आयोजित किए जाएं, जिनमें सभी बीएलओ अनिवार्य रूप से शामिल हों। बीएलओ को भौतिक सत्यापन के बाद सभी मतदाताओं का डेटा बीएलओ ऐप पर दर्ज करने को कहा गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कैंप स्थलों पर हाई स्पीड इंटरनेट और पर्याप्त कंप्यूटर ऑपरेटरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे पुनरीक्षण कार्य के लिए सटीक और अद्यतन डेटा उपलब्ध हो सकेगा। समीक्षा के दौरान के. रवि कुमार ने बुक ए कॉल विथ बीएलओ सुविधा की भी समीक्षा की और कहा कि इस सेवा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक मतदाता इसका लाभ उठा सकें।

प्रबंधन ने तेज कर दी है मैनपावर और टेस्टिंग बढ़ाने की प्रक्रिया

रिम्स के ऑन्कोलॉजी विभाग में जल्द शुरू होगी इमरजेंसी सर्विस

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स के ऑन्कोलॉजी विभाग में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अब इमरजेंसी सेवा शुरू करने की तैयारी है। इस दिशा में रिम्स प्रबंधन ने काम तेज कर दिया है। साथ ही विभाग में बेड की संख्या बढ़ाने और मैनपावर बढ़ाने के लिए भी कार्रवाई जारी है। इसके बाद एक ही छत के नीचे कैंसर मरीजों को सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। ऑन्कोलॉजी विभाग के वार्षिक आंकड़ों पर नजर डालें तो इस साल अब तक ओपीडी में 10,959 मरीज इलाज के लिए आए। इनडोर में 3,900 मरीजों का इलाज किया गया। 627 मरीजों के मेजर ऑपरेशन और 1,451 मरीजों के माइनर ऑपरेशन किए गए। इसके अलावा 118 सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत की गई हैं। यह आंकड़े बता रहे हैं कि रिम्स कैंसर के इलाज में अहम भूमिका निभा रहा हैं। विभाग में पैथोलॉजिकल परीक्षण, जैसे- इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और म्यूटेशन विश्लेषण (पैथोलॉजी एवं जेनेटिक्स एंड जीनोमिक्स विभाग के माध्यम से) शुरू करने की प्रक्रिया जारी है। रिम्स प्रबंधन का लक्ष्य है कि जल्द ही विभाग में 24 घंटे इमरजेंसी ऑन्कोलॉजी सेवा प्रारंभ की जाए, ताकि कैंसर मरीजों को किसी भी समय त्वरित इलाज उपलब्ध कराया जा सके।

इस साल अब तक ओपीडी में इलाज कराने आए 10,959 मरीज

कैंसर सर्जरी के लिए आवश्यक दवाएं और जरूरी चीजें भी उपलब्ध

रिम्स में कैंसर रोगियों को सामान्य कीमोथेरेपी दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। कैंसर सर्जरी के लिए आवश्यक दवाएं और जरूरी चीजें भी रिम्स ही उपलब्ध कराता है। वहीं मोनोक्लोनल एंटीबॉडी और इम्यूनोथेरेपी जैसी उन्नत दवाएं जो आयुष्मान भारत योजना में शामिल नहीं हैं, चुनिंदा मरीजों को केस-टू-केस आधार पर मुफ्त दी जा रही हैं। इसके अलावा कीमोथेरेपी से पहले की सभी टेस्ट रिम्स में ही की जाती हैं। जल्द ही रिम्स में पेट स्कैन और हायर मॉलिक्युलर एंटी बॉडीज या इम्यूनोहिस्टो केमिस्ट्री शुरू करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। रिम्स जीबी ने निर्णय लिया है कि पेट स्कैन सुविधा को पीपीपी मॉडल के तहत शुरू किया जाएगा।

मैनपावर से मरीजों को मिलेगी बेहतर सुविधा

वर्तमान में ऑन्कोलॉजी विभाग में चार फैकल्टी सदस्य कार्यरत हैं। इनमें दो रेडिएशन ऑन्कोलॉजी और दो सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ शामिल हैं। मेडिकल ऑन्कोलॉजी के लिए भी भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है और विज्ञापन जारी किया गया है। रिम्स प्रशासन का कहना है कि विशेषज्ञों की संख्या बढ़ने से कैंसर मरीजों को और बेहतर इलाज मिल सकेगा। बता दें कि रिम्स केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे पड़ोसी राज्यों के कैंसर मरीजों के लिए भी उपचार का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

NEWS BOX

वर्कशॉप में वक्फ संपत्तियों को 'उम्मीद' पोर्टल पर अपलोड करने की दी गई जानकारी

RANCHI : गुरुवार को मजलिस उलेमा झारखंड ने हाउस रांची में वक्फ संपत्तियों को 'उम्मीद' पोर्टल पर अपलोड करने के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया। इसमें औकाफ के मुतवल्ली ने भाग लिया। मजलिस उलेमा झारखंड के अध्यक्ष हजरत मौलाना साबिर हुसैन और मजलिस उलेमा झारखंड के महासचिव हजरत मौलाना मुफ्ती तल्हा नदवी ने बताया कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ संपत्तियों को 5 दिसंबर की समय सीमा तक 'उम्मीद पोर्टल' पर अपलोड करने का निर्देश दिया है। लोगों को प्रोजेक्टर के माध्यम से राईन मस्जिद को उम्मीद पोर्टल पर पंजीकृत करके दिखाया गया। उपस्थित लोगों को पोर्टल पर अपलोड करने के बारे में बताया गया। झारखंड वक्फ बोर्ड के मास्टर ट्रेनर और कंप्यूटर ऑपरेटर मुहम्मद वजीउल्लाह ने अपलोड कर संबंधित बातों की जानकारी दी। मुहम्मद फैजी, एडवोकेट एके रशीदी, एडवोकेट सरफराज, एडवोकेट सुल्तान, एडवोकेट सोहैब रजा ने लोगों के सवालों के जवाब दिए। इस वर्कशॉप में प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को प्रोजेक्टर पर 'उम्मीद पोर्टल' की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में झारखंड वक्फ बोर्ड की अहम भूमिका रही। मौके पर मौलाना साबिर हुसैन मजाहिरी, मुफ्ती तल्हा नदवी, मौलाना शरीफ अहसन मजाहिरी, हजरत कारी सोहैब अहमद, मौलाना जियाउल हुदा इस्लाही, मौलाना नजमुद्दीन, मुफ्ती मुहम्मद कमर आलम कासमी, हाजी फिरोज राइन, मेराज गद्दी, मौलाना आसिफुल्लाह, एडवोकेट एके रशीदी, एडवोकेट सरफराज, एडवोकेट सुल्तान, वजीहुल्लाह, मुहम्मद इस्लाम, वहाब दानिश, हाफिज हमजा अन्य लोग मौजूद थे।

सभी पर्यवेक्षक बीएलओ से प्रतिवेदन प्राप्त कर मतदाताओं के मैपिंग कार्य में लें भाग : एसडीओ

RANCHI : गुरुवार को रांची के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह एसडीओ उत्कर्ष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय (ब्लॉक ए) में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। बैठक में निर्वाचन कार्य से संबंधित दिशा-निर्देशों की समीक्षा की गई । साथ ही यह निर्देश दिया गया कि सभी पर्यवेक्षक अपने-अपने अधिनस्थ बीएलओ से प्रतिवेदन प्राप्त कर मतदाताओं की मैपिंग कार्य में सक्रिय रूप से भाग लें। राज्य निर्वाचन विभाग के निदेर्शानुसार सभी पंचायतों एवं वार्ड स्तर पर बीएलओ ऐप के माध्यम से मतदाताओं की ऑनलाइन मैपिंग कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने को कहा गया। इस संबंध में बीएलओ को 2003 के मतदाता सूची के अनुसार वर्ग ए, बी, सी, डी में मतदाताओं को वगीर्कृत कर डिजिटल रूप से मैपिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने कहा कि यह कार्य निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने क्षेत्र में मतदाताओं की मैपिंग एवं मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करें।

झारखंड गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर वृहद तरीके से मनेगा स्थापना दिवस, तैयारी तेज

RANCHI : झारखंड सरकार ने इस वर्ष राज्य स्थापना दिवस समारोह को लेकर व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। राज्य के सभी जिलों में 15 नवंबर को स्थापना दिवस का आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालयों से लेकर प्रखंड और पंचायत स्तर तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी और सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। झारखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरा होने के अवसर पर यह समारोह काफी वृहद रूप से मनाया जायेगा। समारोह का शुभारंभ 11 नवंबर को होगा, मुख्य कार्यक्रम 15 नवंबर व 16 नवंबर को समापन होगा। वहीं, इसी कड़ी में 18 से 28 नवंबर तक सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम पूरे राज्य में आयोजित किए जायेंगे। 29 नवंबर को रांची में नियुक्ति पत्र का वितरण समारोह भी आयोजित किया जाना है। इस बार झारखंड एट 25 थीम पर सभी स्कूलों एवं कॉजेज स्तर पर पेंटिंग, निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता होगी। 11 से 14 नवंबर तक तक शिक्षा विभाग, पर्यटन विभाग, कल्याण विभागों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

आदिवासी अधिकारों पर बढ़ते हमलों के खिलाफ देशव्यापी अभियान की बनेगी कार्ययोजना : जितेन

RANCHI : आदिवासी अधिकार राष्ट्रीय मंच की अखिल भारतीय समन्वय समिति की दो दिवसीय बैठक रांची में शुरू हुई। देश के 15 राज्यों से आए समिति सदस्य इस बैठक में भाग ले रहे हैं।बैठक का उद्घाटन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं त्रिपुरा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जितेन चौधरी ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि देश में आदिवासी समुदाय के संवैधानिक अधिकारों को सीमित करने और उनके जल, जंगल, जमीन व खनिज संसाधनों पर कॉरपोरेट कब्जे की कोशिशें तेज हुई हैं। उन्होंने घोषणा की कि मंच आने वाले महीनों में आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए देशव्यापी जनअभियान चलाएगा। स्वागत समिति के अध्यक्ष और झारखंड हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश रत्नाकर भेंगरा ने कहा कि आदिवासियों को अपनी भाषा, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए सजग रहना होगा। उन्होंने जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग पहचान के कॉलम की आवश्यकता पर बल दिया और संविधान की पांचवीं अनुसूची तथा सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णयों के संरक्षण पर प्रकाश डाला। बैठक को मंच के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व सांसद पुलिन बिहारी बास्की, उपाध्यक्ष बृंदा कारात, खेत मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव वेंकटेश के, संताल परगना संयोजक सुभाष हेम्ब्रम, छोटानागपुर संयोजक सुखनाथ लोहरा और आदिम जनजाति मंच के देवी सिंह पहाड़िया ने भी संबोधित किया।

आरपीएफ ने रेल की पटरी काट रहे दो लोगों को किया अरेस्ट, 5 फरार

PHOTON NEWS RANCHI : रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे संपत्ति की चोरी मामले में बड़ी कार्रवाई की है। आरपीएफ टीम ने 29 अक्टूबर को देर रात गुप्त सूचना के आधार पर जोन्हा और कीता रेलवे स्टेशन के बीच छापेमारी की। इस दौरान टीम ने दो व्यक्तियों को रेल लाइन की पटरी काटते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। वहीं उनके पांच साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सैफ अली खान और इमरान खान के रूप में हुई है। दोनों गोलपर रामगढ़ के रहने वाले हैं। मौके से आरपीएफ ने लगभग 7 मीटर रेलवे लाइन, गैस कटर, ऑक्सीजन और गैस सिलेंडर, टारपोलिन, एक पिकअप वाहन और स्विफ्ट कार बरामद की। दोनों को रेलवे संपत्ति (अनधिकृत कब्जा) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है।

पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला समेत सैकड़ों ने थामा कांग्रेस का दामन

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को कांग्रेस भवन रांची में पलामू जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव और पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर विशेष रूप से कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव भी उपस्थित थे। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने नये सदस्यों को कांग्रेस परिवार में माला पहनाकर और कांग्रेस का पट्टा देकर स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि जननायक राहुल गांधी के संघर्षों और देश में वोट चोरी को रोकने के लिए अब लोग जागरूक हो रहे है। यह उसी का परिणाम है कि नये और बिछड़े लोग भी कांग्रेस से जुड़ रहे हैं।

आदिवासी विरोधी कारनामों से भरा पड़ा है हेमंत सरकार का कार्यकाल : आरती

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर ने झारखंड की हेमंत सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य की गठबंधन सरकार आदिवासी समाज की दुश्मन है और पिछले 6 वर्षों में इस सरकार ने आदिवासी समुदाय के खिलाफ कई नीतियां बनाई हैं। उन्होंने 25 अक्टूबर को चाईबासा में हुई दिल दहला देने वाली घटना का उदाहरण दिया, जिसमें 5 आदिवासी बच्चों को एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने का मामला सामने आया। उन्होंने इसे इलाज के नाम पर हत्या बताया और कहा कि सरकार इसे रफा-दफा करना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि संथाल परगना में आदिवासी समाज के उभरते नेताओं की हत्याएं हुई हैं और सरकार की इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं है। उन्होंने आदिवासी जमीनों के अवैध कब्जे और घुसपैठियों की बढ़ती समस्या पर भी चिंता जताई।

रातू रोड फ्लाईओवर के नीचे गंदगी और मच्छर निकासी व्यवस्था फेल

RANCHI : राजधानी रांची को ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए शहर में कई फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं। इनसे लोगों को उम्मीद थी कि सड़क पर जाम से मुक्ति मिलेगी और आवाजाही आसान होगी। लेकिन इन फ्लाईओवरों की अधूरी और लापरवाहीपूर्ण फिनिशिंग अब खुद शहर के लिए नई समस्या बनती जा रही है। सबसे बड़ा उदाहरण रातू रोड फ्लाईओवर है, जहां निर्माण कार्य पूरा हो चुका है लेकिन ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था अधूरी छोड़ दी गई है। फ्लाईओवर के पिलरों में पानी की निकासी के लिए पाइप लगाए गए हैं, लेकिन इन पाइपों को सड़क किनारे की नालियों से नहीं जोड़ा गया है। इससे बारिश या सफाई के बाद फ्लाईओवर से गिरने वाला पानी नीचे पिलर के दोनों तरफ बने गड्ढों में जमा हो जाता है। इन गड्ढों की बनावट ऐसी है कि अब ये छोटे-छोटे टैंक बन गए हैं, जिनमें पानी हफ्तों तक भरा रहता है।

संकल्प — पार्टी को धारदार बनाने के लिए किए जा रहे उच्च स्तर के जमीनी प्रयास

संगठन में नई जान फूंकने को सक्रियता से आगे बढ़ रही कांग्रेस

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में कांग्रेस अपने संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय और जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। एक प्रकार से नई जान फूंकने की चौतरफा कोशिश चल रही है। पार्टी का संगठन सृजन अभियान अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस अभियान के तहत राज्यभर में पार्टी संरचना को नए सिरे से संगठित करने, बूथ स्तर तक संगठन को धारदार बनाने और कार्यकताओं को प्रशिक्षित करने की योजना बनाई गई है। इस दिशा में अब झारखंड कांग्रेस एक बड़ा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है, जिसमें सभी जिलाध्यक्षों, प्रखंड अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों और जिला ऑब्जर्वरों को राजनीतिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। बता दें कि कांग्रेस ने वर्ष 2025 को संगठन सृजन वर्ष घोषित किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य देशभर में पार्टी की जड़ों को मजबूत करना और हर स्तर पर संगठन को पुनर्गठित करना है। इसी क्रम में झारखंड कांग्रेस ने भी मंडल अध्यक्ष जैसी नई अवधारणा को अपनाया है, जिससे कार्यकताओं की भूमिका और जिम्मेदारी स्पष्ट हो सके। अब हर जिले से लेकर मंडल स्तर तक जिम्मेदारी तय की जा रही है, ताकि पार्टी का संदेश गांव-गांव और घर-घर तक पहुंच सके।

बूथ लेवल तक दल को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को मिल रही ट्रेनिंग

जिलाध्यक्षों, प्रखंड और मंडल अध्यक्षों को भी मिलेगा राजनीतिक प्रशिक्षण

पार्टी को मिलेगी नई ऊर्जा और दिशा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि संगठन सृजन अभियान का यह चरण पार्टी को नई ऊर्जा और दिशा देने वाला साबित होगा। उनके अनुसार, यह केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि विचारधारा, रणनीति और संगठनात्मक दक्षता का संगम होगा। हम चाहते हैं कि हमारे प्रत्येक कार्यकर्ता को न केवल कांग्रेस की नीतियों की गहरी समझ हो, बल्कि वह अपने क्षेत्र में प्रभावशाली नेतृत्व की भूमिका निभा सके।

10 से 19 नवंबर तक चलेगा प्रशिक्षण शिविर

रांची के कटहल मोड़ स्थित बैकेट हॉल में 10 नवंबर से 19 नवंबर तक यह विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम 10 दिनों तक चलेगा, जिसमें राज्य के सभी 24 जिलों से कार्यकर्ता और पदाधिकारी भाग लेंगे। प्रतिदिन तीन जिलों के प्रतिनिधियों को बुलाया जाएगा, जिन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से आए विशेषज्ञ ट्रेनर प्रशिक्षण देंगे। इस प्रशिक्षण में जिला कांग्रेस कमेटी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, मंडल प्रेसिडेंट और डीसीसी आब्जर्वर शामिल होंगे। प्रशिक्षण का उद्देश्य संगठन की कार्यप्रणाली, चुनावी रणनीति, जनसंपर्क कौशल, सोशल मीडिया की भूमिका और कांग्रेस की वैचारिक प्रतिबद्धता पर विस्तृत जानकारी देना है।

बड़े नेताओं की उपस्थिति में होगा कार्यक्रम

झारखंड कांग्रेस के इस प्रशिक्षण अभियान में शीर्ष नेतृत्व की भागीदारी रहेगी। झारखंड प्रभारी के. राजू, सह-प्रभारी बेला प्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव और उपनेता राजेश कच्छप कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में उपस्थित रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा संगठन सृजन अभियान के तहत प्रत्येक जिले में मंडल और बूथ स्तर तक जिम्मेदारियां तय की जा चुकी हैं। अब इन जिम्मेदार लोगों को व्यवहारिक और राजनीतिक प्रशिक्षण देकर उन्हें मजबूत बनाया जा रहा है ताकि आगामी चुनावों में कांग्रेस एक संगठित, अनुशासित और तैयार टीम के रूप में मैदान में उतर सके।

झामुमो ने निकाली भाजपा नेताओं की शवयात्रा, जलाए गए पुतले

चम्पाई सोरेन, मधु कोड़ा, गीता कोड़ा व नितिन गडकरी के खिलाफ हुई नारेबाजी

PHOTON NEWS CHAIBASA : झामुमो ने गुरुवार को भाजपा नेताओं की शवयात्रा निकाली, फिर उनके पुतले जलाए। जिन भाजपा नेताओं का पुतला दहन किया गया, उनमें पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन व मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी शामिल हैं। झामुमो ने घंटाघर से शवयात्रा निकालकर पोस्टऑफि स चौक पर पुतला दहन किया। इस मौके झामुमो के जिला अध्यक्ष सोनाराम देवगम ने कहा कि नो एंट्री और सड़क दुर्घटनाओं के मुद्दे को हथियार बनाकर भाजपा के उपरोक्त नेता एक सुनियोजित साजिश रच कर लोगों को मंत्री दीपक बिरुवा के खिलाफ भड़काने का काम कर रहे थे, ताकि मंत्री की छवि धूमिल की जा सके। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा

चाईबासा में पोस्ट ऑफिस चौक पर पुतला दहन करते झामुमो कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

4000 करोड़ के घोटाले में शामिल रहे हैं। आज भी वे गाड़ी पकड़ने और छोड़ने का खेल खेलकर खनन माफिया से कमीशन वसूली के धंधे में लिप्त हैं। सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त से भेंटवार्ता के दौरान एक सोची समझी रणनीति के तहत मधु कोड़ा ने जानबूझ कर उपायुक्त से उलझने का काम किया, ताकि मामला और ज्यादा उलझे और वे उसकी आग में अपनी राजनीतिक रोटी सेंक सकें। भाजपा कोल्हान को अशांत कर अपनी खोई हुई राजनीति चमकाना चाहती है। भाजपा नेताओं की गलत नीति के कारण ही हमारे भोले भाले आदिवासी कानून की जाल में फंस गए हैं, जो चिंता का विषय है। धरना-प्रदर्शन में झामुमो के जिला सचिव राहुल आदित्य, जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी, दीपक प्रधान, इकबाल अहमद, विश्वनाथ बाड़ा, डोमा मिंज, मनोज लागुरी, निसार हुसैन (डोगर), तहसीन अहमद, सोमनाथ चातर, मंगल तुबिद, नारायण तुबिद, दिनेश तुम्बलिया, सतीश सुंडी, मन्नाराम कुदादा समेत कई कार्यकर्ता व ग्रामीण शामिल थे।

लाठीचार्ज के दोषी अधिकारियों पर हो कार्रवाई : भाजपा

CHAIBASA : भाजपा के प्रेस प्रवक्ता जितेंद्र ओझा ने गुरुवार को कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिले में बाईपास सड़क पर लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु ग्रामीणों और आदिवासी संगठनों द्वारा नो-एंट्री लागू करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन किया जा रहा था। परंतु, प्रशासन ने रात के अंधेरे में आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे, जिससे अनेक लोग घायल हुए। 74 लोगों पर नामजद और 500 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया गया और 16 से अधिक निर्दोष ग्रामीणों को गिरफ्तार किया गया। यह झारखंड बनने के बाद आदिवासी समाज पर हुई सबसे गंभीर पुलिसिया कार्रवाई मानी जा रही है। पुलिस निर्दोष ग्रामीणों को तत्काल बिना शर्त रिहा करे, घायलों का मुफ्त इलाज कराए और लाठीचार्ज के दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

नीमडीह थाना क्षेत्र के चुनचुरिया गांव में हुआ हादसा

पत्नी को लाने ससुराल जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत, डंपर ने मारी टक्कर

चालक फरार, पुलिस ने वाहन नंबर किया ट्रेस

PHOTON NEWS JSR : सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह थाना अंतर्गत पारगामा पंचायत के चुनचुरिया गांव के जामडीह टोला में गुरुवार को एक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में एक बाइक सवार की जान चली गई। तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी थी। इससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम थाना क्षेत्र के बेलडीह गांव का निवासी धनंजय दास था। धनंजय अपनी पत्नी को लाने कुकडू की तरफ जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तालाब के पास बने एक घुमावदार मोड़ पर कुकडू की तरफ से आ रहे खाली डंपर ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि धनंजय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद डंपर चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

घटनास्थल पर शव के पास बिलखती पत्नी ● फोटोन न्यूज

कुकडू में धनंजय की पत्नी अपने दो बच्चों के साथ पति के आने की प्रतीक्षा कर रही थी। मोबाइल पर सूचना मिलते ही वह परिजनों के साथ मौके पर पहुंची। पति का शव देख कर वह बच्चों के साथ फफक-फफककर रोने लगी। वहां मौजूद लोगों की भी इस मंजर को देखकर आंखें नम हो गईं। सूचना मिलते ही नीमडीह के थाना प्रभारी संतन कुमार तिवारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि फरार डंपर का नंबर ट्रेस कर लिया गया है और वाहन का विवरण परिवहन विभाग से मंगाया जा रहा है। चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मृतक के परिजनों को मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है।

समाचार सार

डोबो पुल से नदी में कूदी छात्रा, मछुआरों ने बचाई जान

JAMSHEDPUR : सोनारी थाना अंतर्गत डोबो पुल से 13 वर्षीय छात्रा ने गुरुवार की सुबह स्वर्णरेखा नदी में छलांग लगा दी। हालांकि, उसे नीचे मछली पकड़ रहे मछुआरों ने बचा लिया। छात्रा कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में पढ़ती है। बताते हैं कि छठ पूजा की छुट्टियों के बाद छात्रा अपनी मां के साथ हॉस्टल लौट रही थी। रास्ते में उसकी मां ने किसी काम के लिए थोड़ी देर रुकने को कहा। तभी बच्ची अचानक पुल की तरफ बढ़ी और बिना कुछ कहे नदी में कूद गई। इससे वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। नदी के किनारे जाल डाल रहे मछुआरों ने बिना समय गंवाए पानी में छलांग लगा दी। कुछ ही देर में छात्रा को बाहर निकाल लिया। स्थानीय लोगों ने फौरन पुलिस को सूचना दी। सोनारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। बाद में उसे जरूरी प्रक्रिया पूरी कर चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि छात्रा तनाव में थी और हॉस्टल जाने को तैयार नहीं थी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर बच्ची हॉस्टल क्यों नहीं जाना चाहती थी और उसके तनाव की वजह क्या है। हॉस्टल प्रबंधन और बच्ची से संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है।

अक्षय नवमी पर टेल्को में महाप्रसाद वितरित

JAMSHEDPUR : टेल्को की आमबगान छठ पूजा समिति ने गुरुवार को आमबगान मैदान में अक्षय नवमी मनाया, फिर महाप्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर लोगों ने आंवला वृक्ष के नीचे महाप्रसाद ग्रहण किया। संजय सिंह हितैषी की अगुवाई में हुए कार्यक्रम में पूर्व विधायक अरविद उर्फ मलखान सिंह, झारखंड क्षत्रिय संघ के केंद्रीय अध्यक्ष शंभू सिंह, शिवशंकर सिंह, राजेश सिंह बम, जिला पार्षद डॉ. कविता परमार, मंजू सिंह, मुकेश राय, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष दिनेश कुमार, बिनोद सिंह, परितोष सिंह आदि भी मौजूद थे।

रोटरी फेमिना ने साकची मंडी में बांटा नाश्ता

JAMSHEDPUR : रोटरी क्लब फेमिना द्वारा संचालित अन्नपूर्णा प्रोजेक्ट के अंतर्गत गुरुवार को साकची की सब्जी मंडी में श्रमिकों के बीच नाश्ता वितरण किया गया। क्लब ने बताया कि इस सेवा कार्यक्रम में 250 श्रमिक लाभान्वित हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष डॉ. रेणुका चौधरी, सचिव वासंती रघुराम, पसम आडेसरा, मोनीदीपा दंडपात आदि सक्रिय रहीं।

बिष्टुपुर में चला नेत्रदान जागरूकता अभियान

JAMSHEDPUR : मारवाड़ी महिला मंच ने गुरुवार को बिष्टुपुर में नेत्रदान जागरूकता अभियान चलाया। पीएम मॉल में चले अभियान में मंच की मंजू खंडेलवाल, प्रभा पाड़िया, बीना खीरवाल, सुशीला खीरवाल, सुलभा अग्रवाल, सरस्वती अग्रवाल, सीमा चौधरी और मॉल के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

सीआईआई का सेफ्टी कॉन्फ्रेंस आज

JAMSHEDPUR : सीआईआई, झारखंड की ओर से 31 अक्टूबर व 1 नवंबर को सेफ्टी कॉन्फ्रेंस कराया जा रहा है। आदित्यपुर स्थित होटल क्रूज में सुबह 10 बजे से होने वाले सम्मेलन में विशेष रूप से औद्योगिक सुरक्षा पर चर्चा होगी।

कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ भागवत कथा यज्ञ

CHAIBASA : पश्चिमी जिले के चक्रधरपुर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर कलश यात्रा के साथ गुरुवार से सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा यज्ञ शुरू हो गया। यह अनुष्ठान 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक शहर के पोड़ाहाट स्टेडियम में चलेगा। भागवत कथा में ओड़िशा के प्रसिद्ध कथावाचक पं. जीतू दास महाराज प्रवचन देंगे, जबकि सांस्कृतिक संध्या में शाम 6 से रात 9 बजे तक प्रसिद्ध कलाकार नाट्यश्री देवराज क्षत्रिय महाराज के निर्देशन में कृष्णलीला की मनमोहक प्रस्तुति की जाएगी। गुरुवार को इसका शुभारंभ 1008 कलश यात्रा निकाल कर किया गया, जो थाना रोड स्थित मुक्तिनाथ घाट से निकाली गई। यज्ञ में यजमान के रूप में अशोक प्रधान और उनकी पत्नी ने संकल्प पूजा की।

भाजपा के कई वरिष्ठ नेता झामुमो में शामिल

रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ग्रहण कराई पार्टी की सदस्यता

PHOTON NEWS GHATSILA : घाटशिला विधानसभा के उपचुनाव की सियासत में बड़ा फेरबदल तब देखने को मिला, जब गुरुवार को भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और नेता झामुमो में शामिल हो गए। झामुमो की सदस्यता ग्रहण करने वालों में पूर्वी सिंहभूम जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) सह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सौरभ चक्रवर्ती, जिला परिषद सदस्य खगेन महतो, घाटशिला के भाजपा मंडल अध्यक्ष कौशिक कुमार, मुसाबनी के पूर्व मंडल अध्यक्ष तुषार पात्रो, भाजपा के मीडिया प्रभारी सुरेश महाली तथा जमशेदपुर के सुप्रसिद्ध जंबू अखाड़ा के अध्यक्ष बंटी सिंह सहित कई अन्य प्रमुख नेता शामिल हैं। इन सभी नेताओं ने झामुमो की सदस्यता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ग्रहण की। यह कदम पूर्वी सिंहभूम की राजनीति में नया समीकरण पैदा करने वाला माना जा रहा है। इस अवसर पर झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सह पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी एवं जिला परिषद की अध्यक्ष बारी मुर्मू भी उपस्थित रहीं।

रांची में मुख्यमंत्री आवास पर सीएम हेमंत सोरेन के साथ भाजपा से आए नेता ● फोटोन न्यूज

भाजपा ने चारों को किया पार्टी से निष्कासित

भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी है कि पूर्वी सिंहभूम जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) सह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सौरभ चक्रवर्ती, मुसाबनी के पूर्व मंडल अध्यक्ष तुषार पात्रो व भाजपा मीडिया प्रभारी सुरेश महाली को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। सिंह ने बताया कि जिला अध्यक्ष की अनुशंसा के आलोक में उपचुनाव-2025 में पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में संलिप्तता पाई गई है, जो अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार इन लोगों को पार्टी से निष्कासित किया गया है।

सारंडा में घायल सीआरपीएफ इंस्पेक्टर का हो गया निधन

CHAIBASA : नक्सलियों के प्रतिरोध सप्ताह के दौरान 10 अक्टूबर को सारंडा जंगल में आईईडी ब्लास्ट में घायल हुए सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा का गुरुवार को निधन हो गया। हमले में घायल होने के बाद उन्हें इलाज के लिए दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया था। वहां गुरुवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। कौशल कुमार मिश्रा बिहार के समस्तीपुर जिला अंतर्गत रहीमपुर गांव के निवासी थे। उनका पार्थिव शरीर वायु मार्ग से दिल्ली से दरभंगा एयरपोर्ट ले जाया गया। वहां से सड़क मार्ग से समस्तीपुर रवाना किया जाएगा। बता दें कि 10 अक्टूबर को जराईकेला थाना क्षेत्र के समठा और बाबूडेरा के जंगल में झारखंड पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर

कौशल कुमार मिश्रा की फाइल फोटो

- 10 अक्टूबर को सारंडा में घात लगाए नक्सलियों ने किया था आईईडी ब्लास्ट
- हवलदार महेंद्र लस्कर अगले दिन हो गए थे शहीद

दिया था। इस हमले में 60 बटालियन के इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा, सब इंस्पेक्टर रामकृष्ण गागराई और हवलदार महेंद्र लस्कर घायल हो गए थे। महेंद्र लस्कर की 11 अक्टूबर को इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घायल सब इंस्पेक्टर राम कृष्ण गागराई खरसावां के झामुमो विधायक दशरथ गागराई के भाई हैं।

कांड्रा में पत्थर से कूचकर किशोरी की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

घटनास्थल पर पड़ा शव ● फोटोन न्यूज

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत कांड्रा थाना क्षेत्र में बुरूडीह जंगल में गुरुवार को एक किशोरी की लाश मिली। उसकी पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गई है। बताया जाता है कि किशोरी घर से शौच के लिए निकली थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। नेहा नायक नामक किशोरी शिवपुर गांव के निरुद्ध नायक की बेटी थी। घटना की जानकारी मिलने पर कांड्रा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरायकेला के जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना कैसे हुई, इसका पता लगाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले की जांच तेजी से आगे बढ़ेगी। कांड्रा थाना की पुलिस मृतका के परिजनों से भी पूछताछ कर रही है। पता लगाया जा रहा है कि उनकी किसी से दुश्मनी तो नहीं थी। अन्य कई एंगल को भी ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

महिला की फंदे पर मिली लाश, प्रताड़ना का आरोप

JAMSHEDPUR : बिरसानगर थाना अंतर्गत आलमंड ब्लॉक स्थित आस्था ट्विन सिटी में एक महिला की लाश फंदे पर लटकी हुई मिली। मृतका का नाम बरखा अग्रवाल है। गुरुवार को एमजीएम मेडिकल कॉलेज में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बरखा अग्रवाल का विवाह वर्ष 2010 में मुकेश अग्रवाल से हुआ था। बरखा दो बच्चों के साथ जमशेदपुर में रहती थी। उसका पति सिंगापुर में नौकरी करता है और हाल ही में छुट्टी पर आया था। मृतका के भाई वरुण का कहना है कि ससुराल वालों ने बताया कि बुधवार की रात बरखा ने साड़ी के सहारे फांसी लगा ली है। जब वे मर्सी अस्पताल पहुंचे, तो वहां ससुराल पक्ष का कोई आदमी मौजूद नहीं था। परिजनों का इल्जाम है कि बरखा को लंबे समय से ससुराल में मानसिक प्रताड़ना दी जा रही थी। इसकी वजह से उसने यह कदम उठाया होगा। घटना के समय घर में कोई नहीं था। बताया जा रहा है कि शव को पड़ोसियों और जेठानी की मदद से उतारा गया और अस्पताल ले जाया गया था। फिलहाल, पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

कदमा में 20 लाख की डकैती के मामले में तीन हुए गिरफ्तार, भेजे गए जेल

9 अक्टूबर को रामनगर में हुई थी घटना, सभी आरोपी पूर्वी सिंहभूम जिले के निवासी

PHOTON NEWS JSR : कदमा थाना क्षेत्र के रामनगर में 9 अक्टूबर को दीपराज दास के घर में पड़ी डकैती के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेजा है। जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें परसुडीह थाना क्षेत्र की मछुआ बस्ती लोको कॉलोनी का रहने वाला गुड्डू पाजी उर्फ श्रवण कुमार निर्मलकर, बागबेड़ा थाना क्षेत्र के सोमायझोपड़ी का रहने वाला विजय उर्फ विशाल सवैयां और धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के नरसिंहगढ़ का रहने वाला शिवम कालिंदी शामिल है।

कदमा के थाना प्रभारी ने बताया कि दीपराज दास के घर पड़ी डकैती में बदमाश उनके घर से जेवर और नकदी समेत लगभग

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते थाना प्रभारी प्रवेशचंद्र सिन्हा

20 लाख रुपये का सामान लूट ले गए थे। इस मामले में 11 अक्टूबर को कदमा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एसपी ने मामले का खुलासा करने के लिए एसआईटी गठित की थी। टीम ने इस मामले का खुलासा करते हुए आरोपियों का पता लगाया और फिर छापेमारी कर गिरफ्तारी की। कदमा के थाना प्रभारी प्रवेशचंद्र सिन्हा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त बुलेट भी बरामद की गई है। इस घटना में लगभग आठ लोग शामिल थे। इस मामले में पुलिस पांच लोगों को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेज चुकी है।

नो एंट्री मामला पूर्व सीएम मधु कोड़ा ने जिला प्रशासन को दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

चाईबासा में 74 प्रदर्शनकारियों पर नामजद केस

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाईबासा में 'नो एंट्री' की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन में पुलिस ने 74 लोगों पर नामजद व 500 अज्ञात पर केस दर्ज किया है। वहीं, पुलिस पर पथराव करने के आरोप में 16 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इनमें 6 महिलाएं भी शामिल हैं।

चाईबासा सदर के अनुमंडल पदाधिकारी संदीप अनुराग टोपनो के बयान पर मुफस्सिल थाना में मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि 27 अक्टूबर को प्रदर्शनकारियों ने परिवहन मंत्री दीपक बिरूवा के आवास का घेराव करने जा रहे लोगों ने पुलिस पर पथराव किया था।

कोर्ट से आरोपियों को जेल ले जाती पुलिस ● फोटोन न्यूज

इधर प्रदर्शनकारियों की मांग है कि शहर में 'नो एंट्री' की व्यवस्था को लागू किया जाए और गिरफ्तार किए गए लोगों को बिना शर्त रिहा किया जाए। इस मामले में जिला पुलिस की कार्रवाई जारी है। बता दें कि चाईबासा में 'नो एंट्री' का समय निर्धारित कराने के लिए लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मौजूदा व्यवस्था में 24 घंटे भारी वाहन शहर से गुजर रहे हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं, जिसमें अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी समय लग रहा है।

'नो एंट्री' केस में पकड़े गए सभी आरोपियों को रिहा करने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। बुधवार को आदिवासी हो समाज और पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के नेतृत्व में उपायुक्त चंदन कुमार के साथ हुई बैठक में मामला और उलझ गया है। उपायुक्त के साथ हुई बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के साथ हुई तूतू-मैंमैं के बाद 24 घंटा के अंदर बिना शर्त सभी आंदोलनकारियों को रिहा करने और नो एंट्री लगाने की मांग की गई है। मधु कोड़ा ने कहा है कि प्रशासन ने उनकी मांगें नहीं मानीं, तो इससे भी बड़ा आंदोलन होगा।

साकची की तीन दुकानों में चोरी बैट्री-इन्वर्टर भी ले भागे बदमाश

घटनास्थल पर जांच करने पहुंचे पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : साकची थाना क्षेत्र में बंगाल क्लब से पुरानी किताब मार्केट जाने वाली रोड पर एसबीआई के सामने चाय की तीन दुकानों में चोरी हुई है। घटना बुधवार की रात की है। गुरुवार की सुबह दुकानदारों को घटना की जानकारी तब मिली, जब वे दुकान खोलने आए। पारडीह चौक के पास रहने वाले संदीप ने 6 महीने पहले सड़क किनारे चाय की दुकान खोली थी। उनकी टपरी का ताला तोड़कर चोर बैट्री-इनवर्टर, बर्तन सहित अन्य सामान चोर ले गए। संदीप के छोटे भाई अनुज ने बताया कि उनकी दुकान से लगभग 35,000 रुपये का सामान चोरी हुआ है। इसके साथ ही बगल में एक महिला की दुकान है। इस दुकान से भी चोर हजारों रुपये का सामान पार कर ले गए हैं। इसके अलावा, साकची में ही अमन की दुकान है। अमन की दुकान से भी हजारों रुपये के सामान चोरी हो गए हैं। घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है।

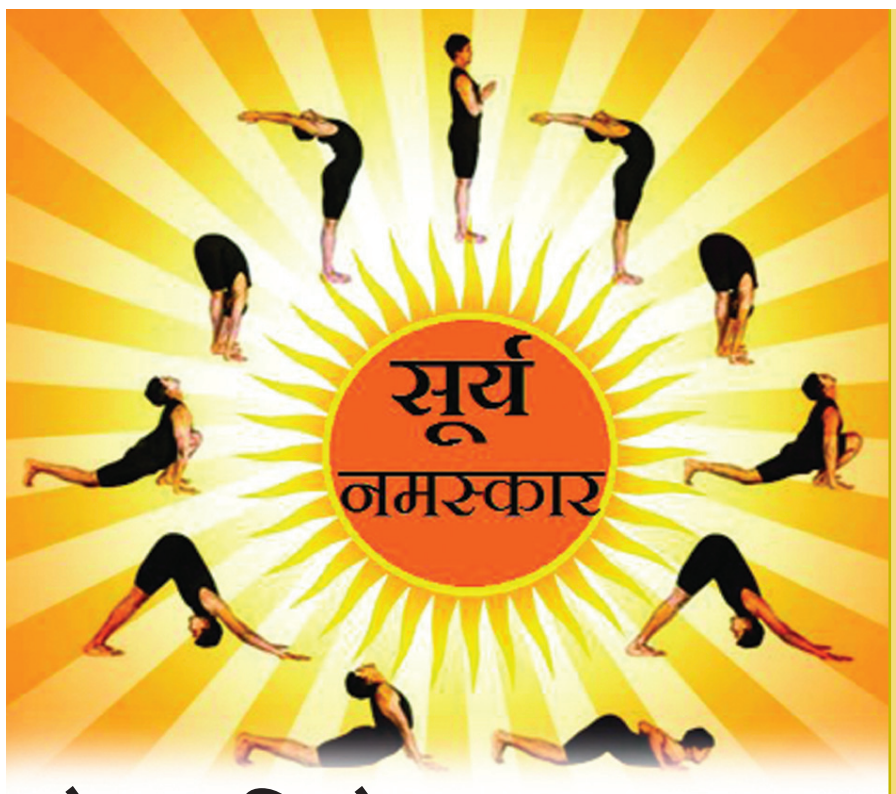

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है सूर्य नमस्कार

दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। जिस प्रकार 12 राशियां, 12 महीने होते हैं, उसी प्रकार सूर्य नमस्कार भी 12 स्थितियों से मिलकर बना है। कोविड महामारी के समय में आप सूर्य नमस्कार को अपना कर अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं-

सूर्य नमस्कार का अभ्यास इन 12 स्थितियों में किया जाता है, आइए जानें-

- दोनों हाथों को जोड़कर सीधे खड़े हों। नेत्र बंद करें। ध्यान 'आज्ञा चक्र' पर केंद्रित करके 'सूर्य भगवान' का आह्वान 'ॐ मित्राय नमः' मंत्र के द्वारा करें।
- श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर तानें तथा भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं। ध्यान को गर्दन के पीछे 'विशुद्धि चक्र' पर केन्द्रित करें।
- तीसरी स्थिति में श्वास को धीरे-धीरे बाहर निकालते हुए आगे की ओर झुकाएं। हाथ गर्दन के साथ, कानों से सटे हुए नीचे जाकर पैरों के दाएं-बाएं पृथ्वी का स्पर्श करें। घुटने सीधे रहें। माथा घुटनों का स्पर्श करता हुआ ध्यान नाभि के पीछे 'मणिपूरक चक्र' पर केन्द्रित करते हुए कुछ क्षण इसी स्थिति में रुकें। कमर एवं रीढ़ के दोष वाले साधक न करें।
- इसी स्थिति में श्वास को भरते हुए बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाएं। छाती को खींचकर आगे की ओर तानें। गर्दन को अधिक पीछे की ओर झुकाएं। टांग तनी हुई सीधी पीछे की ओर खिचाव और पैर का पंजा खड़ा हुआ। इस स्थिति में कुछ समय रुकें। ध्यान को 'स्वाधिष्ठान' अथवा 'विशुद्धि चक्र' पर ले जाएं। मुखाकृति सामान्य रखें।
- श्वास को धीरे-धीरे बाहर निष्कासित करते हुए दाएं पैर को भी पीछे ले जाएं। दोनों पैरों की एड़ियां परस्पर मिली हुई हों। पीछे की ओर शरीर को खिंचाव दें और एड़ियों को पृथ्वी पर मिलाने का प्रयास करें। नितम्बों को अधिक से अधिक ऊपर उठाएं। गर्दन को नीचे झुकाकर ठोड़ी को कण्ठकूप में लगाएं। ध्यान 'सहस्रार चक्र' पर केन्द्रित करने का अभ्यास करें।
- श्वास भरते हुए शरीर को पृथ्वी के समानांतर, सीधा साष्टांग दण्डवत करें और पहले घुटने, छाती और माथा पृथ्वी पर लगा दें। नितम्बों को थोड़ा ऊपर उठा दें। श्वास छोड़ दें। ध्यान को 'अनाहत चक्र' पर टिका दें। श्वास की गति सामान्य करें।
- इस स्थिति में धीरे-धीरे श्वास को भरते हुए छाती को आगे की ओर खींचते हुए हाथों को सीधे कर दें। गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं। घुटने पृथ्वी का स्पर्श करते हुए तथा पैरों के पंजे खड़े रहें। मूलाधार को खींचकर वहीं ध्यान को टिका दें।
- यह स्थिति - पांचवीं स्थिति के समान
- यह स्थिति - चौथी स्थिति के समान
- यह स्थिति- तीसरी स्थिति के समान
- यह स्थिति - दूसरी स्थिति के समान
- यह स्थिति - पहली स्थिति की भांति रहेगी।

सूर्य नमस्कार की उपरोक्त बारह स्थितियां हमारे शरीर को संपूर्ण अंगों की विकृतियों को दूर करके निरोग बना देती हैं। यह पूरी प्रक्रिया अत्यधिक लाभकारी है। इसके अभ्यासी के हाथों-पैरों के दर्द दूर होकर उनमें सबलता आ जाती है। गर्दन, फेफड़े तथा पसलियों की मांसपेशियां सशक्त हो जाती हैं, शरीर की फालतू चर्बी कम होकर शरीर हल्का-फुल्का हो जाता है। सूर्य नमस्कार के द्वारा त्वचा रोग समाप्त हो जाते हैं अथवा इनके होने की संभावना समाप्त हो जाती है। इस अभ्यास से कब्ज आदि उदर रोग समाप्त हो जाते हैं और पाचनतंत्र की क्रियाशीलता में वृद्धि हो जाती है। इस अभ्यास के द्वारा हमारे शरीर की छोटी-बड़ी सभी नस-नाड़ियां क्रियाशील हो जाती हैं, इसलिए आलस्य, अतिनिद्रा आदि विकार दूर हो जाते हैं।

मेडिटेशन को करें अपने रूटीन में शामिल और पाएं बेहतरीन फायदे

मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे -

- मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।
- अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।
- दि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।
- गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।
- निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।
- हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।
- मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।
- दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।
- शांति, सामर्थ्य, संतोष, शांति, विद्वत्ता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।
- चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस-पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।
- रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें। प्रात :काल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।
- ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।
- महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।

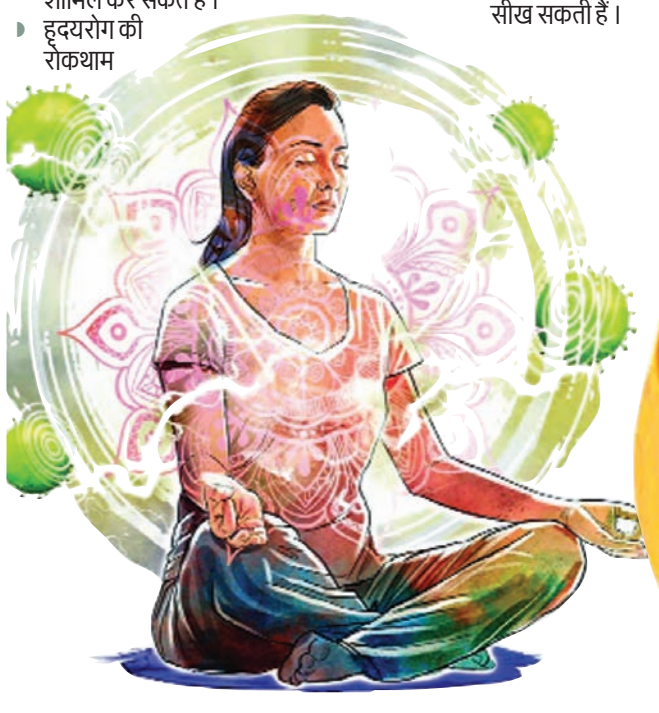

लाइफस्टाइल बदल डाली तो ऐसे बढ़ेगी इम्युनिटी

इम्युनिटी कमजोर होने में खराब जीवनशैली का बड़ा हाथ है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि शरीर पर बाहरी माइक्रोऑर्गेनिज्म के होने वाले हमलों के खिलाफ इम्यून सिस्टम पहली डिफेंस लाइन मानी जाती है। जितनी तगड़ी इम्युनिटी होगी उतने ही बीमारी पकड़ने के अवसर क्षीण होते जाएंगे। खराब जीवनशैली से इम्यून सिस्टम की डिफेंस में छेद होने लगता है।

खराब जीवनशैली

यदि आपके पास ठीक से खाना खाने और भरपूर नींद लेने का वक्त नहीं हो तो समझ लें कि आपकी जीवनशैली खराब है जो आपके इम्यून सिस्टम को तेजी से कमजोर कर रही है। यह ठीक है कि आधुनिक जीवनशैली में वर्क प्रेशर इतना अधिक है कि उसका शरीर पर खराब असर पड़ रहा है लेकिन प्रेशर रहने के बावजूद भी स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न किया जा सकता है।

कब हुई थीं सालाना जांचे?

30 साल की उम्र हो जाने के बाद शरीर की नियमित जांचें कराना बेहद जरूरी है। इन दिनों अत्यधिक तनाव झेलने के कारण कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर अथवा शुगर की बीमारियां जड़ पकड़ लेती हैं। यह देखा गया है कि शुरूआती जांचों में ही कई बार लंबी बीमारियों की जड़ पकड़ में आ जाती है।

टाइम निकालें

खुद के लिए समय निकालें। यदि काम के घंटे फिक्स नहीं हैं तो वर्क स्टेशन को ही वर्कआउट के लिए सेट कर लें। काम के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें और शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें। मसलन आप स्पॉट रनिंग कर सकते हैं, स्ट्रेचिंग कर सकते हैं, वाशरूम तक तेज गति से जाकर वापस आ सकते हैं। वर्क स्टेशन एक्सरसाइज के बारे में जानने के लिए कई वेबसाइट्स हैं जो कई तरह के सॉल्युशन्स उपलब्ध कराती हैं।

पानी कब पिया था?

क्या आपको याद कि अंतिम बार आपने पानी कब पिया था? पानी न सिर्फ हाईड्रेट रखता है बल्कि हाजमा और किडनी दोनों को तंदुरुस्त रखता है। इम्यून सिस्टम ठीक से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हाजमा ठीक रहे। मेटॉबॉलिक सिस्टम के बिगड़ते ही शरीर का हर अवयव और उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

ये बदलाव लाएं जीवनशैली में

लाइफस्टाइल को दुरूस्त कर लेना आपके लिए बिलकुल आसान है लेकिन इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। आपको केवल ठान लेना है बाकि सभी चीजें अपने आप ठीक होने लगती हैं। आप इतना तो कर ही सकते हैं कि सुबह जब भी आप उठते हैं, एक गिलास कुनकुना नींबू पानी पीकर दिन की शुरूआत कर सकते हैं। यदि आप रोज देर से उठ रहे हैं तो काम के घंटों के साथ एडजेस्ट कर सकते हैं। नींबू पानी के साथ ताजे आंवले का रस मिल सके तो पी लें नहीं तो बाजार से आंवले के रस का पैक भी खरीद कर रख सकते हैं। संतरे का रस अथवा आंवले के रस से विटामिन सी का तगड़ा डोज सुबह उठते ही मिल जाए तो दिन की अच्छी शुरूआत मानी जा सकती है। अपने भोजन में अदरक और हल्दी को विशेष रूप से शामिल करने का आग्रह करें। इससे असमय सोने के कारण होने वाली एसिडिसी एवं जलन से राहत मिल सकती है।

गोल्डन मिल्क

रात को सोते समय हल्दी मिला हुआ दूध जरूर पिएं। जो लोग रात को जागते रहकर काम करते हैं उन्हें यह दूध खासतौर पर पीना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें जागने के कारण होने वाली समस्याओं से निजात पाने में मदद मिलती है।

एंटीबायोटिक ज्यादा लेने से कमजोर हो सकती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

जब भी हमें छोटी-मोटी सेहत समस्या, हल्का सा दर्द व घाव आदि होता है तो हमारा शरीर उसे अपने आप ठीक करने में भी सक्षम होता है। लेकिन कई लोग जरा सी भी परेशानी होने पर अत्यधिक एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से है तो आइए, आपको बताते हैं कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर होने से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

- एंटीबायोटिक - हममें से कई लोगों की आदत होती है, एंटीबायोटिक्स दवाओं का अत्यधिक सेवन करना। लेकिन गैरजरूरी समय पर इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। अत्यधिक जरूरत के समय ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करें।
- औषधियां - जब भी आप वायरल या शारीरिक दर्द महसूस करें, ऐसी आयुर्वेदिक या घरेलू औषधि अपने साथ रखें जो प्रतिरोधकता बनाए रखती हैं।
- नींद - पर्याप्त नींद न होना आपके दिमाग और शरीर को बेवजह थकावट देता है और आपकी प्रतिरोधकता भी कम होती है। हर दिन 8 घंटे की नींद आपको स्वस्थ और खुशगवार रखने में सहायक है।
- शुगर - शकर खाने से मनाही नहीं है, लेकिन अतिरिक्त शर्करा से भरे खाद्य पदार्थ जैसे सोडा, एनर्जी ड्रिंक, जूस व अन्य पदार्थों से दूरी बनाएं। यह आपकी सेहत का पूरा हिसाब गड़बड़ कर देंगे, और प्रतिरोधकता में कमी भी।
- धूप है जरूरी - त्वचा को अगर धूप से बचाते हैं, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। बल्कि धूप लेना प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए पर्याप्त धूप लेने का नियम बनाएं।
- जिंक - जिंक की पर्याप्त मात्रा का सेवन भी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने का एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए अलग से जिंक की गोलियां खाने के बजाए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जिनसे आपको नैचुरल जिंक प्राप्त हो।
- पत्तेदार सब्जियां - पत्तेदार सब्जियां या फिर सलाद जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन खूब करें। इनसे प्राप्त होने वाले एंजाइम्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करते हैं और हर तरह का पोषण प्रदान करते हैं, जिसकी आपको जरूरत है।

गर्म पानी के साथ लहसुन के फायदे

खाने के स्वाद को बढ़ाने तथा सब्जी व दाल में तड़का लगाने में लहसुन का प्रयोग आप खूब करते हैं। लहसुन जहां भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं। लहसुन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत रखता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। वहीं अगर हम लहसुन को गर्म पानी के साथ लें तो यह हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है और कई बीमारियों से निपटने की ताकत देता है।

कब्ज की समस्या से राहत

यदि आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ कच्ची लहसुन का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करता करेगा और कब्ज की समस्या दूर होगी।

एंटी बैक्टीरियल व एंटीवायरल से भरपूर

बदलते मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ता है, वहीं बारिश के दिनों में यदि आप गर्म पानी के साथ लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ-साथ लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया में वायरस मारने के गुण हैं। बारिश के दिनों में होने वाले फंगल संक्रमण, फ्लू और संक्रामक बीमारियों के खतरे से भी ये आपके शरीर को बचाए रखेंगे।

ब्लड सर्कुलेशन को करे मेंटेन

गर्म पानी के साथ कच्चे लहसुन का सेवन करने से दिल से जुड़ीं बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करके हृदयरोग के खतरे को भी कई गुना तक कम कर सकता है।

गले की खराश से राहत

लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करता है।

आम आदमी की उड़ान के 9 साल

आसमान में उड़ना हर किसी का सपना होता है। मनुष्य के पास उड़ने के लिए पंख भले न हों, लेकिन उसके पास उम्मीदों के पंख तो हैं ही और जब हौसलों का साथ हो, मन में उल्लास हो तो संसार को जीतना आसान हो जाता है। आकाश तक विकास की ऊंची छलांग तो लगाई ही जा सकती है। दीपावली की उमंग और उल्लास भरे पुनीत अवसर पर ही उड़ान योजना के नौ साल पूरे हो चुके। विमान सेवा को आम आदमी की पहुंच में लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 अक्टूबर 2016 को यह योजना शुरू की थी। हालांकि इस योजना के तहत पहली उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के लिए शुरू हुई थी। यह योजना 10 साल के लिए शुरू की गई थी, लेकिन अब इसकी अवधि दस साल और बढ़ा दी गई है। निश्चित ही इसका लाभ न केवल विमानन क्षेत्र को मिलेगा बल्कि मध्यमवर्गीय समाज भी इससे बहुत हद तक लाभान्वित हो सकेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 2025-26 के बजटीय भाषण पर गौर करें तो आगामी साल में इस योजना में 120 नए गंतव्य शामिल किए जाएंगे, जिससे 4 करोड़ अतिरिक्त यात्रियों को सस्ती हवाई सेवा का लाभ मिल सकेगा। इस निमित्त भले ही उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के लिए कुल परिव्यय का खुलासा नहीं किया लेकिन बजट में 2025-26 में उड़ान योजना के लिए 540 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा तो शुरू की ही थी। उड़ान योजना के तहत अब तक 625 उड़ान मार्ग चालू किए गए हैं, जो पूरे भारत में 90 हवाई अड्डों को जोड़ते हैं, जिनमें 2 जल हवाई अड्डे और 15 हेलीपोर्ट भी शामिल हैं। इस योजना से उड़ान के अंतर्गत 1.49 करोड़ से अधिक यात्री किफायती क्षेत्रीय हवाई यात्रा का लाभ उठा चुके हैं। भारत के हवाई अड्डा नेटवर्क पर विचार करें तो वर्ष 2014 तक देश में 74 हवाई अड्डे थे, जो बढ़कर 159 हो गए हैं। हवाई अड्डों तक पहुंच गया जो एक दशक में दोगुने से भी अधिक है। वंचित एवं दूरदराज के क्षेत्रों में वायु संपर्क बढ़ाने के लिए सरकार ने व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के रूप में 4,023.37 करोड़ रुपये बांटे हैं। उड़ान योजना से जाहिर तौर पर क्षेत्रीय पर्यटन को गति मिली है। स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ी है और व्यापार को मजबूती मिली है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में आर्थिक विकास में उछाल आई है। आकाश को छूना देश के अधिकांश लोगों का सपना हुआ करता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसमें अपना एक और सपना जोड़ दिया और वह सपना था कि हवाई सेवा इतनी सस्ती होनी चाहिए कि उसमें चप्पल पहनने वाला आम नागरिक भी सफर कर सके। 'उड़े देश का आम नागरिक' के स्लोगन के साथ जब यह योजना शुरू हुई तो उनके विरोधियों ने इसका उपहास भी किया, लेकिन जब नीति और नीयत साफ हो तो संकल्प अपनी सिद्धि को प्राप्त करता ही है। उड़ान योजना के साथ भी कमोबेश ऐसा ही कुछ हुआ। यह कहने में शायद ही किसी को संकोच हो कि इस योजना ने तब से अब तक भारत के क्षेत्रीय वायु संपर्क परिदृश्य को बदल दिया है। अनगिनत नागरिकों के लिए आसमान खोलना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। इसके लिए सरकार को काफी कुछ व्यय भार झेलना भी पड़ा। किफायती किराया सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइनों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करानी पड़ी हवाई किराये की सीमा निर्धारित करनी पड़ी। कम आकर्षक बाजारों में उड़ानें संचालित करने के लिए एयरलाइनों को आकर्षित करने की दिशा में भी सरकार को अनेक प्रयास करने पड़े। केंद्र सरकार ने प्रथम तीन सालों के लिए आरसीएस हवाई अड्डों पर खरीदे जाने वाले एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर उत्पाद शुल्क दो प्रतिशत तक सीमित किया। एयरलाइन्स को अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए कोड शेयरिंग समझौते के लिए प्रोत्साहित करने में वह पीछे नहीं रही। इस क्रम में राज्य सरकारों का सहयोग भी कमतर नहीं आंका जा सकता। राज्यों ने दस वर्षों के लिए एटीएफ पर वैट को एक प्रतिशत या उससे कम करने तथा सुरक्षा, अग्निशमन सेवाओं और उपयोगिता सेवाओं जैसी आवश्यक सेवाएं कम दरों पर उपलब्ध कराई। सहयोग की इस युति ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया है, जहां एयरलाइंस कंपनियां लंबे समय से उपेक्षित क्षेत्रों में भी सेवाएं प्रदान करने का साहस नहीं जुटा पाईं, वहां भी अब बदस्तूर फल-फूल रही हैं। योजना अपने प्रारंभ से विस्तार तक अनेक चरणों से गुजरी और हर चरण में उसने भारत के क्षेत्रीय हवाई संपर्क के दायरे में इजाफा ही किया है। पहली उड़ान 27 अप्रैल 2017 को (शिमला-दिल्ली) रवाना हुई। इसमें 5 एयरलाइन संचालकों को 70 हवाई अड्डों के लिए 128 मार्ग आवंटित किए गए इनमें 36 नये हवाई अड्डे भी शामिल रहे। उड़ान का दूसरा चरण साल 2018 में शुरू हुआ, जिसमें 73 कम जुड़ाव वाले और ऐसे क्षेत्र जिनसे जुड़ाव नहीं था, उन हवाई अड्डों को शामिल किया गया। यह पहला मौका था जब हेलीपैड भी उड़ान नेटवर्क का हिस्सा बने। उड़ान योजना की तीसरा चरण 2019 में शुरू हुआ जिसमें पर्यटन मंत्रालय से समन्वय स्थापित कर अनेक पर्यटन मार्ग शुरू किए गए। जल हवाई अड्डों को जोड़ने सस्ती और किफायती वायु सेवा से जोड़ने के लिए समुद्री विमान परिचालन का भी सहयोग लिया गया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के कई मार्गों को इस योजना से जोड़ा गया। जाहिर है, इस योजना से न केवल पर्यटन कारोबार में वृद्धि हुई। रोजगार के मौके भी बढ़े हैं। साल 2016 में जब यह योजना शुरू हुई थी तब 500 किमी की एक घंटे की यात्रा के लिए हवाई किराया 2500 रुपए तक सीमित किया गया था।

बिहार विधानसभा चुनाव और राजनीतिक साख का सवाल

ANALYSIS

मनोज कुमार मिश्र

राजग नीतीश कुमार की अगुवाई में चुनाव लड़ रहा है। भाजपा और जद(यू) बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरी तरफ महागठबंधन के सहयोगी दलों के उम्मीदवार दर्जन भर से ज्यादा सीटों पर आपस में ही लड़ रहे हैं। इतना ही नहीं, तमाम दावों के बावजूद चुनाव प्रचार जोड़ नहीं पकड़ रहा है। हर बार की तरह इस बार भी कई अन्य दलों के उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। वैसे उसके तीन उम्मीदवारों ने नाम वापस लेकर प्रशांत किशोर की परेशानी बढ़ा दी। वे इसके लिए विपक्षी दल पर आरोप लगा रहे हैं। बिहार के सबसे बड़े लोक महापर्व छठ के तुरंत बाद 06 और 11 नवंबर को मतदान होना है। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। माना जा रहा है कि छठ के लिए बड़ी तादाद में लोग अपने घर आते हैं, उनमें काफी बड़ी संख्या उन लोगों की है, जो प्रवासी होने के बावजूद अभी भी बिहार के मतदाता बने हुए हैं। इनके चलते इस बार वोट का औसत बढ़ सकता है। इस बार महागठबंधन के आपसी टकराव और सरकार के सकारात्मक काम से राजग का वोट औसत बढ़ने के आसार हैं। होना यही चाहिए था कि चुनाव मुद्दों पर लड़े जाएं। संभव है बाकी चुनावों की तरह इस चुनाव में भी कई गलत आरोप लग रहे हैं। हवाई दावे किए जा रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के शीर्ष पर पहुंचने से पहले ही राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस की अगुवाई वाला महागठबंधन बिखरने लगा। पहले भाजपा और जनता दल (यू) की अगुवाई वाले गठबंधन राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) में भी तनातनी हुई, लेकिन बड़े नेताओं ने फौरन हस्तक्षेप कर विवाद सुलझा लिया। अब सभी 243 सीटों पर राजग की तरफ से एक-एक उम्मीदवार ही चुनाव मैदान में हैं। इस गठबंधन के दलों का चुनाव प्रचार भी साझा चल रहा है। राजग नीतीश कुमार की अगुवाई में चुनाव लड़ रहा है। भाजपा और जद(यू) बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरी तरफ महागठबंधन के सहयोगी दलों के उम्मीदवार दर्जन भर से ज्यादा सीटों पर आपस में ही लड़ रहे हैं। इतना ही नहीं, तमाम दावों के बावजूद चुनाव प्रचार जोड़ नहीं पकड़ रहा है। हर बार की तरह इस बार भी कई अन्य दलों के उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। वैसे उसके तीन उम्मीदवारों ने नाम वापस लेकर प्रशांत किशोर की परेशानी बढ़ा दी। वे इसके लिए विपक्षी दल पर आरोप लगा रहे हैं। बिहार के सबसे बड़े लोक महापर्व छठ के तुरंत बाद 06 और 11 नवंबर को मतदान होना है। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। माना जा रहा है कि छठ के लिए बड़ी तादाद में लोग अपने घर आते हैं, उनमें काफी बड़ी संख्या उन लोगों की है, जो प्रवासी होने के बावजूद अभी भी बिहार के मतदाता बने हुए हैं। इनके चलते इस बार वोट का औसत बढ़ सकता है। इस बार महागठबंधन के आपसी टकराव और सरकार के सकारात्मक काम से राजग का वोट औसत बढ़ने के आसार हैं। होना यही चाहिए था कि चुनाव मुद्दों पर लड़े जाएं। संभव

है बाकी चुनावों की तरह इस चुनाव में भी कई गलत आरोप लग रहे हैं। हवाई दावे किए जा रहे हैं। भला यह कैसे संभव है कि चौदह करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के हर परिवार से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दे दी जाए। कुछ लाख परिवारों में सरकारी नौकरी है। बाकी सवा दो करोड़ परिवारों से एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी देना संभव ही नहीं। इसके बावजूद राजद नेता तेजस्वी यादव इसकी घोषणा कर चुके हैं। कुछ इसी तरह के भाजपा और राजग के घटक दलों ने भी कई वायदे किए, लेकिन उनका उनकी ठोस रणनीति से संबंध है। चुनाव आयोग की तमाम सख्ती के बावजूद हर चुनाव में धन-बल का भरपूर उपयोग होता है। चुनाव में वोट के लिए पैसे, शराब या सामान बांटने के मामले भी सामने आते रहे हैं। चुनाव आयोग हर चुनाव में भारी मात्रा में नकद, शराब आदि पकड़ता है और कार्रवाई करता है। राज्यसभा और विधान परिषद की भी सीटें बिकने की खबरें आती हैं। यह सभी अपने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में जंग लगने जैसे हैं। कुछ सालों से चुनावी व्यवस्था में और पतन होता जा रहा है। लोकसभा और विधानसभा आदि के टिकट बिकने की खबर आने लगी और बिहार चुनाव में तो सारे रिकार्ड ध्वस्त हो गए। टिकटों की बोली लगने का आरोप लग रहे हैं। अपने दल के विधायक से कई-कई करोड़ रुपए लेने के बाद भी दूसरे से ज्यादा पैसा लेकर टिकट बेचे जाने के दावे किए जा रहे हैं। राजद से मधुबन से टिकट पाने में असफल रहे मदन साह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी घर के बाहर अपने कपड़े फाड़े, दहाड़ मार कर रोते हुए कहा कि उसके 2.70 करोड़ रुपए लौटा दें। इस लेन-देन की होड़ में सारी मयार्दाएं तार-तार हो गई। पैसे की इसी होड़ में सुगौली से महागठबंधन ने अपने विधायक के बजाय सीट वीआईपी को दे दी। आरोप लगा कि कीमत बढ़ा कर फिर अपने विधायक को पकड़ा दिया। इसी उठापटक में उसका नामांकन ही रद्द हो गया। सासाराम से राजद ने अपने मौजूदा विधायक का टिकट काट कर आपराधिक छवि वाले को दे दिया, जो झारखंड के गढ़वा में एक डकैती में वांछित था। नामांकन भरते ही उसे झारखंड पुलिस पकड़ कर ले गई। टिकटों की जैसे मंडी सज गई। टिकट बंटवारे में जो सीट सहयोगी दल को गया, उसके चुनाव चिह्न पर पैसा लेने वाले बड़े दल के नेता ने टिकट दिलवा दिया। बिहार जैसे गरीब राज्य में टिकटों की इस मंडी में ज्यादातर दल शामिल हुए। कई सीटों पर टिकटों की घोषणा के बावजूद दूसरे को इसलिए टिकट दे दिया गया, क्योंकि उसने ज्यादा पैसे दे दिए। कई ऐसी सीट हैं, जिसपर सहयोगी दल के चुनाव चिन्ह पर भाजपा, राजद, कांग्रेस, जद (यू) के मौजूदा विधायक या नेता चुनाव लड़ रहे हैं। पहले पार्टी समर्थकों के विरोध के चलते टिकट बदले जाते थे या वापस किए जाते थे। अब तो बोली लग कर टिकटों पर फैसला होता है। हर चुनाव की तरह इस चुनाव में भी बड़ी मात्रा में काला धन लग रहा है। पहले चुनाव लड़ने के लिए गिनती के लोग कर्ज लेकर या जमीन आदि बेच कर पैसे लगाते थे। अब तो टिकट पाने के लिए पहले ही सबकुछ दांव पर लगाया गया है। पहले कहा जाता था कि लोग चुनाव लड़ते हैं प्रतिष्ठा पाने और समाज सेवा करने के लिए। आजादी के बाद के कुछ चुनाव छोड़ दें तो वास्तव में तब भी चुनाव में पैसा लगा कर लोग चुनाव जीतने के बाद सबसे पहले पैसा कमाने में ही सारी ताकत लगाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ाई से भाजपा में बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को कम से कम टिकट मिलता है और भाजपा ने बिहार में भी ऐसा ही किया। बाकी दलों में पैसे की तरह टिकट पाने की दूसरा बड़ा कारण बड़े नेताओं की रिश्तेदारी रही है। लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव तो उनके उत्तराधिकारी हैं, वे इस बार भी राघोपुर से चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के पुत्र बिहार के उप-मुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी तारापुर से चुनाव लड़ रहे हैं। दबंग मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा साहाब (राजद), पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता (रालोमो), पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्र के पुत्र नितीश मिश्र (भाजपा), केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पुत्रवधू दीपा मांझी (हम), पूर्व मुख्यमंत्री कपूर्री ठाकुर की पौत्री जागृति ठाकुर (जनसुराज), पूर्व सांसद गिरिधारी प्रसाद यादव के पुत्र चाणक्य प्रसाद यादव (राजद), सांसद वीणा देवी की पुत्री कोमल सिंह (लोजपा- आर), सांसद लवली आनंद के पुत्र चेतन आनंद (लोजपा-आर), शिवानंद तिवारी के पुत्र राहुल तिवारी (राजद), बाहुबली मुन्ना शुक्ला की पुत्री शिवानी शुक्ला (राजद), बाहुबली सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी (राजद), पूर्व सांसद विजय कुमार के पुत्र ऋषि मिश्र (कांग्रेस), नवीन किशोर सिन्हा के पुत्र नितिन नवीन (भाजपा), गंगा प्रसाद चौरसिया के पुत्र संजीव चौरसिया (भाजपा) और विशेश्वर ओझा के पुत्र राकेश ओझा इत्यादि उम्मीदवार हैं। यह सूची काफी लंबी है। यानी कई बड़े दलों के टिकट या तो बाहुबली और उसके परिवार को या पैसे वाले को या किसी बड़े नेता के रिश्तेदार को मिला। पार्टी के लिए दिन-रात काम करने वाला आम कार्यकर्ता को अब टिकट मिलना कठिन है। आने वाले चुनाव में यह और कठिन हो जाएगा। यह माना जा रहा है कि करीब 20 साल मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे नीतीश कुमार का यह आखिरी चुनाव है। वे खुद एक मजबूत पिछड़ी जाति से आते हैं। इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने पर उन पर एक भी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे।

उपभोक्ता बना आत्मनिर्भरता का शिल्पकार

दिवाली की इस बार की जगमगाहट दीपों तक सीमित नहीं रही है, उसने भारतीय अर्थव्यवस्था के हर कोने में आत्मनिर्भरता की लौ जलाई। बाजारों की रौनक और उपभोक्ताओं की उमंग में इस बार जो बात सबसे अधिक झलकी, वह है मेड इन इंडिया के प्रति अभूतपूर्व विश्वास। देश के व्यापारी, कारीगर और उपभोक्ता, तीनों एक साथ उस दिशा में चलते दिखाई दिए, जहां स्वदेशी विकल्प से अधिक प्राथमिकता बनता दिखा। वस्तुतः कन्फेडरेशन ऑफ इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ताजा रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को अंकों में पिरोकर सामने रखा है। त्योहारी सीजन में देशभर में लगभग 6.05 लाख करोड़ रुपए का कारोबार हुआ, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसमें सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि 87 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ताओं ने विदेशी वस्तुओं के बजाय स्वदेशी उत्पादों को चुना। यह सीधे तौर पर भारत के आर्थिक उछाल का संकेत तो है ही साथ में आत्मनिर्भर भारत के विचार की वास्तविक विजय को भी दशार्ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया था, तब ध्यान में आया था कि पीएम देशवासियों के माध्यम से भारतीय अस्मिता और स्थानीय उत्पादन के पुनरुद्धार को नई दिशा देना चाहते हैं। आज परिणाम भी उसी अनुरूप आया है, जैसा वे चाहते हैं। इस बार दीपावली के बाजारों में चीनी उत्पादों की चमक लगभग गायब रही, वहीं भारतीय वस्तुओं की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज हुई। दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, अहमदाबाद और जयपुर जैसे प्रमुख शहरों के बाजारों में स्थानीय उत्पादों की बहार थी। हर स्टॉल पर, हर दुकान में यह विश्वास झलक रहा था कि भारत की मिट्टी में बने उत्पाद किसी भी अंतरराष्ट्रीय ब्रांड से कम नहीं। यही वह स्वदेशी चेतना है जो उपभोक्ता व्यवहार को बदल रही है। यहां इस सत्य को भी खुले मन से स्वीकार करना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उससे प्रेरित संगठनों ने वर्षों से इस स्व से जुड़ी स्वदेशी चेतना को जीवित रखा है। स्वदेशी खरीदो, देश बनाओ जैसे अभियानों ने इस वर्ष जनांदोलन का रूप ले लिया। संघ के आर्थिक दर्शन का मूल ही यह है कि आत्मनिर्भरता सिर्फ उद्योग तक सीमित नहीं है, यह राष्ट्र निर्माण का आधार है। यही कारण है कि इस बार दीपावली के उत्सवों में सांस्कृतिक भावना के साथ आर्थिक स्वराज का भाव भी उतना ही प्रबल दिखा है। आरएसएस से प्रेरित संगठनों ने स्वदेशी उत्सव और हस्तशिल्प मेले जैसे आयोजन कर यह संदेश दिया कि स्वदेशी केवल व्यापार नहीं, बल्कि विचार है। स्वदेशी जागरण मंच के अनुसार, यह दौर भारत की आर्थिक स्वराज यात्रा का नया अध्याय है। उनका मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति कुछ वर्षों तक निरंतर बनी रही, तो भारत न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि एक सशक्त निर्यातक राष्ट्र के रूप में भी दुनिया के सामने खड़ा होगा। मोदी सरकार की नीतियां भी इसी दिशा में गूंथी हुई हैं; प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया, वोकल फॉर लोकल, और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने स्वदेशी भावना को संस्थागत रूप दिया है। इन योजनाओं ने छोटे व्यापारियों और ग्रामीण उद्यमियों को सशक्त बनाया है, जो अब त्योहारी अर्थव्यवस्था के केंद्र में हैं। कैट ने बताया है कि कैसे छोटे व्यापारियों की ऐतिहासिक वापसी हुई है। इस वर्ष कुल बिक्री में 85 प्रतिशत योगदान गैर-कॉरपोरेट और पारंपरिक बाजारों से आया। दिल्ली के सदर बाजार, चांदनी चौक, शास्त्री नगर और लाजपत नगर जैसे इलाकों में पैर रखने की जगह नहीं थी। पहले जहां ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स बिक्री पर हावी रहते थे, इस बार उपभोक्ताओं ने स्थानीय दुकानों से खरीदारी का अनुभव फिर अपनाया। यह प्रवृत्ति बताती है कि डिजिटल युग में भी पारंपरिक बाजारों की आत्मा जीवित है। खरीदारी के आंकड़े भी इस बदलाव की गवाही देते हैं। किराना और एफएमसीजी उत्पादों ने कुल बिक्री में 12%, सोना-चांदी ने 10%, इलेक्ट्रॉनिक्स ने 8% और रेडीमेड परिधानों ने 7% योगदान दिया। यह विविधता बताती है कि भारतीय उपभोग शहरी सीमाओं को पार कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक फैल चुका है। इस वर्ष ग्रामीण और अर्ध-शहरी बाजारों ने 28 प्रतिशत भागीदारी दी। यह आंकड़ा ग्रामीण भारत की बढ़ती क्रयशक्ति और स्थानीय उत्पादन की सशक्तता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आरंभ की गई योजनाओं ने गांव-गांव में छोटे उद्योगों और स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया है। आज ग्रामीण महिलाएं दीपावली सजावट से लेकर मिठाई पैकेजिंग तक, अनेक उत्पाद तैयार कर रही हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित हुआ है और मांग-पूर्ति का पूरा चक्र अब स्वदेशी ढांचे में घूम रहा है। इस बार ट्रेडर कॉन्फिडेंस इंडेक्स 8.6 और कंज्यूमर कॉन्फिडेंस इंडेक्स 8.4 तक पहुंच गया, जो पिछले दशक का सर्वोच्च स्तर है। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि व्यापारी और उपभोक्ता दोनों भविष्य को लेकर आश्वस्त हैं। 72 प्रतिशत व्यापारियों ने माना है कि जीएसटी दरों के तर्कसंगत पुनर्गठन और डिजिटल भुगतान प्रोत्साहन ने इस उछाल में निर्णायक भूमिका निभाई। सरकार की पारदर्शी नीतियों ने व्यापार वातावरण में स्थिरता और विश्वास लौटाया है। त्योहारी सीजन में वस्तुओं के साथ सेवा क्षेत्र ने भी शानदार प्रदर्शन किया। पैकेजिंग, ट्रैवल, होटल, ईवेंट मैनेजमेंट और डिलीवरी नेटवर्क में लगभग 65 हजार करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। साथ ही लगभग 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए, जिनमें बड़ी संख्या में युवा और महिलाएँ शामिल थीं। इससे यह स्पष्ट हुआ कि आत्मनिर्भर भारत का भाव निर्माण तक सीमित नहीं रहा है, सेवा और सृजन दोनों में बराबर प्रवाहित है।

Social Media Corner

सच के हक में...

हरियाणा के अंबाला-कुरुक्षेत्र के ऊपर राफेल विमान में उड़ान भरने के दौरान अपना अनुभव साझा किया। राफेल की यह उड़ान मेरे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव है। इस आधुनिक विमान से आज मैं इस प्राचीन भूमि और ब्रह्मसरोवर को देख रही हूँ, जो हमारी सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक यात्रा का प्रतीक है। हमारी सैन्य क्षमता पर मेरा विश्वास और अधिक दृढ़ हो रहा है।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

राजद-कांग्रेस वाले जिस बेशर्मी से छठी मइया की पूजा को ड्रामा और नौटंकी बता रहे हैं, इसे बिहार के हमारे परिवारजन, विशेषकर हमारी माताएं-बहनें कभी भुला नहीं सकती हैं। इस अपमान के लिए वे उन्हें सजा देकर रहेंगी। बिहार आत्मनिर्भर भारत अभियान की धुरी बनने जा रहा है। मेरा सपना है कि दुनिया की हर रसोई में खाने का ऐसा कोई पैकेट जरूर हो, जो मेड इन बिहार हो। सामाजिक न्याय के नाम पर राजद-कांग्रेस ने सिर्फ धोखा दिया है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

ठाकुरगंज विधानसभा क्षेत्र में एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी श्री गोपाल अग्रवाल जी के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करने का मेरा कार्यक्रम प्रस्तावित था। किन्तु प्रतिकूल मौसम के कारण पटना एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर को उड़ान की अनुमति नहीं मिल सकी। इस वजह से मैं आज आपके बीच उपस्थित नहीं हो पा रहा हूं, जिसका मुझे खेद है। मैं ठाकुरगंज विधानसभा की देवतुल्य जनता से क्षमा प्रार्थी हूं और आप सभी से आग्रह करता हूं कि श्री गोपाल अग्रवाल जी को भारी मतों से विजयी बनाएं, और आदरणीय प्रधानमंत्री जी तथा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में पुनः सुशासन की सरकार बनायें।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

केंद्रीय विद्यालयों में अवकाश की दरिद्रता

दरिद्रता और समृद्धि ये दोनों शब्द सदा मां लक्ष्मी से जुड़े रहे हैं। जहां लक्ष्मी का वास होता है, वहां दरिद्रता का अस्तित्व नहीं टिक सकता। भारतीय संस्कृति में दीपावली को धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक प्रकाश का उत्सव कहां गया है। इस दिन भारत के हर कोने में दीपक जलते हैं, जो यह प्रतीक बनते हैं कि अंधकार कितना भी गहरा हो, प्रकाश अंततः विजय पाता है, परंतु यही दीपोत्सव जब भारत के केंद्रीय विद्यालयों तक पहुंचता है, तो उस प्रकाश के स्थान पर एक अजीब सी प्रशासनिक दरिद्रता दिखाई देती है। देशभर में जहां दीपावली पांच दिनों तक उल्लासपूर्वक मनाई जाती है, वहीं केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) में इसका अवकाश मात्र एक दिन तक सीमित है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब दीपावली भारत के हर घर, बाजार और संस्थान में उत्सव का कारण बनती है, तब शिक्षा मंत्रालय की यह उदासीनता क्यों क्या यह तर्कसंगत है कि बच्चे और शिक्षक रातभर पूजा-पाठ, रिश्तेदारों के आगमन और उत्सव की थकान के बाद अगले दिन प्रातः विद्यालय में उपस्थित हों नियम बनानेवाले ये कैसे भूल सकते हैं कि शिक्षा व्यवस्था केवल परीक्षा और पाठ्यक्रम का ढांचा नहीं होती, वह तो समाज की धड़कन से जुड़ी व्यवस्था है। जब वही व्यवस्था अपने विद्यार्थियों और शिक्षकों की सांस्कृतिक संवेदनाओं से कट जाए, तब शिक्षा मानव निर्माण के बजाय यांत्रिक प्रक्रिया बन जाती है। दीपावली का प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। दीपावली सीजन में भारत में उपभोक्ता व्यय पांच लाख करोड़ तक पहुंचता है, जिससे करीब 32 लाख करोड़ की जीडीपी सक्रियता उत्पन्न होती है। ई-कॉमर्स, खुदरा, परिवहन और पर्यटन क्षेत्र में इस दौरान 25-30 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज होती है अर्थात जब घर-घर में दीप जलते हैं, तब बाजार और रोजगार दोनों चमक उठते हैं। ऐसे में यह आश्चर्यजनक है कि देश की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा पर्व, जिसे विश्व अब समृद्धि का त्योहार कहने लगा है, उसी देश के केंद्रीय विद्यालयों के लिए साधारण दिन जैसा बना हुआ है। कहना होगा कि ये केंद्रीय विद्यालयों का एक दिन का अवकाश केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, वस्तुतः उस मानसिकता का प्रतीक है, जो शिक्षा और संस्कृति को दो विपरीत दिशाओं में देखती है। जब विद्यालय संस्कृति से कट जाते हैं, तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। शिक्षा विशेषज्ञ भी इस बात को मानते हैं कि तीन से पांच दिन का दीपावली अवकाश छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, परिवारिक जुड़ाव और सांस्कृतिक चेतना के लिए आवश्यक है। अध्ययन बताते हैं कि विश्राम और पारिवारिक समय बिताने के बाद छात्र अधिक केंद्रित, सृजनशील और ऊर्जावान होकर लौटते हैं। इसीलिए अवकाश को पढ़ाई का नुकसान नहीं, बल्कि शिक्षा में निवेश कहा गया है। यहां सबसे बड़ा प्रश्न केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से जुड़ा है। यदि वे भी भारतीय संस्कृति के तत्वों और ऊर्जा केंद्रों का ध्यान नहीं रखेंगे तो उम्मीद किससे की जाएगी, क्योंकि उनका जीवन तो छात्र शक्ति से राष्ट्र शक्ति तक का सतत प्रवाह है। एक ऐसा संगठन जिसने हमेशा भारतीय संस्कृति और शिक्षा के समन्वय का पक्ष लिया है। अभाविप का मूल विचार ही रहा है कि भारतीय शिक्षा भारतीयता के भाव से परिपूर्ण हो। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् में रहकर भारत के लिए जीने का व्रत उन्होंने लिया, तभी तो वे आज मोदी सरकार में अहम जिम्मेदारी पर हैं, यदि वे ही अपनी संस्कृति के लिए सजग नहीं रहेंगे तब सवाल यह है कि फिर इस बात के लिए कहां गुहार लगाई जाए। धर्मेंद्र प्रधान ने अपने राजनीतिक जीवन में कई बार कहा है कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा होना चाहिए। केंद्रीय विद्यालय में दीपोत्सव के अवसर पर कम से कम तीन से पांच दिवस का निरंतरता में अवकाश रखा जाना चाहिए। दीपावली केवल घरों में प्रकाश नहीं फैलाती, बल्कि मन, समाज और राष्ट्र की चेतना को भी आलोकित करती है।

मनमानापन की झलक

लोगों और विचारों की मुक्त आवाजाही भूमंडलीकृत दुनिया का अभिन्न अंग है। लेकिन, भारत ने इस मामले में परस्पर-विरोधी संकेत भेजना जारी रखा है। एक तरफ वह तकनीक, पूंजी और कौशल का दुनिया के सभी कोनों से स्वागत करना चाहता है, लेकिन दूसरी तरफ, वह अपने खिलाफ कथित वैश्विक साजिश को लेकर असुरक्षित महसूस करते हुए, खुद को एक खोल में बंद करने की कोशिश कर रहा है। लंदन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में प्रोफेसर एमेरिटा और हिंदी व दक्षिण एशियाई साहित्य की विदुषी फ्रांसेस्का ओर्सिनी को 20 अक्टूबर को दिल्ली से लौटाए (डिपोर्ट किए) जाने को इसी संदर्भ में देखना होगा। उनके पास वैध पांच वर्षीय ई-टूरिस्ट वीजा था, लेकिन वीजा की शर्तों के उल्लंघन के लिए उन्हें मार्च में काली सूची में डाल दिया गया। आरोप है कि ओर्सिनी अक्टूबर 2024 की अपनी यात्रा के दौरान अकादमिक गतिविधियों में शामिल थीं, जो तकनीकी रूप से उनके टूरिस्ट वीजा की शर्तों का उल्लंघन था। उनके प्रभावशाली काम, हिंदी का लोकवृत्त 1920-1940 : राष्ट्रवाद के युग में भाषा और साहित्य ने भारतीय साहित्यिक और सांस्कृतिक इतिहास को समझने में बड़ा योगदान दिया है। वह उन कई विदेशी विद्वानों में से एक हैं, जिन्होंने भारत के विभिन्न पहलुओं पर शोध और लेखन के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। उल्लंघनों के बारे में दलील सही हो सकती है, लेकिन डिपोर्टेशन के निर्णयों में मनमानापन भी साफ दिख रहा है। आए दिन भारत की यात्रा करने वाले विदेशी कारोबारी सरकारी की तारीफ करते हुए राजनीतिक बयान देते हैं, जिसे वीजा की शर्तों का उल्लंघन कहा जा सकता है। जो खुद को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का निगहबान मानते हैं, उन्हें देश में अंतरराष्ट्रीय विद्वानों का प्रवेश सीमित करने की कीमत और फायदों पर संजीदगी से सोचना चाहिए। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक ईकोसिस्टम से जुड़े कई लोग मानते हैं कि भारतीयों की सोच प्रभावित करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय साजिश चल रही है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Rebuild bridges across the Ladakh fault

Like most others, I was astonished to see arson, tear gas and police firing in Leh on September 24. That this most peaceful of Indian regions should be pushed to violence, even if only for the most fleeting of moments, was baffling. The response of the Ladakh administration and mainstream media was even more baffling. Over 70 protesters arrested, noted environmentalist Sonam Wangchuk charged with threatening national security, curfew—what was going on?How or why a peaceful demonstration turned violent will be probed by a judicial enquiry. However, a cursory view of the footage suggests a handful of young men broke away from the demonstration to set fire to the Leh BJP office and a police vehicle, and the police fired upon demonstrators, killing four, including a retired trooper, and injuring 80. Ladakh's director-general of police justified the police firing, saying that if they had not, the entire city of Leh would have "burned to the ground". Since when did setting an office and a vehicle on fire become burning an entire city? Why were 70-plus people arrested when the footage showed only four or five arsonists? How can the non-violent Wangchuk, who was on hunger strike, be accused of endangering national security on the farcical ground of attending a UN conference in Pakistan at which he praised Prime Minister Narendra Modi?

Indications are that the Union Home Ministry recognises the disproportionate nature of the administration's response, though it has not yet released Wangchuk or the 30 others who remain in custody. Calm prevails in Ladakh, the curfew has been lifted, and a fresh round of talks between the Union Home Ministry, the Leh Apex Body of the People's Movement for the Sixth Schedule (LAB) and the Kargil Democratic Alliance (KDA) took place on October 22.Much now depends on how the talks progress. Ladakhis originally welcomed the grant of Union Territory status in 2019, but their jubilation was soon tempered by experience. In August 2020, Leh's elected councillors complained that the Lieutenant-Governor's office was taking unilateral decisions on matters that had been the prerogative of the hill councils, such as fund allocation. In September, the Leh council passed a resolution demanding self-administration either under Article 371 of the Constitution, which grants varied autonomies to ten states, including Nagaland, or under the Sixth Schedule, which grants autonomous councils the rights to legislate on land, agriculture, forests, education, public health, judicial and executive powers, and allows funding from the consolidated fund of India. Ladakh's hill councils, by contrast, lacked legislative powers.Between 2020 and 2022, two remarkable alliances coalesced around these demands—among political parties and civil society, and amongst Buddhistmajority Leh, Shia-majority Kargil, and a sizable Sunni minority. Leh and Kargil had not agreed on joint demands until this point. In August 2021, the LAB and the KDA agreed on four demands: statehood for Ladakh, constitutional safeguards, under either Article 371 or the Sixth Schedule, four Lok and Rajya Sabha seats (two Leh, two Kargil), along with filling vacant administrative posts, pending since 2019.Talks began with the Union Home Ministry in 2022. Though some progress was made—Ladakhis were granted protection of their land and domicile rights along with reservation in government jobs—implementation was slow. In 2023- 2024, graduate unemployment was 26.8 percent; government plans for infrastructure development threatened Ladakh's fragile ecology. The two core demands remained deadlocked. It was in this context that Wangchuk went on hunger strike in 2023 to demand inclusion in the Sixth Schedule; his hunger strike sparked a non-violent movement that gathered steam when the Union Home Ministry stonewalled over five rounds of talks.

Durrani, Pakistan's 'General Shanti'

He tried his best for a peaceful resolution to one of the most difficult conflicts in the world

PEACE-BUILDING has never been for the faint-hearted, especially not when the two sides are India and Pakistan. Major Gen Mahmud Ali Durrani (retd) was a soldier of the Pakistani Army, but he wore his 'peacenik' badge with pride, and the accusation of being 'pro-India' with equanimity.PEACE-BUILDING has never been for the faint-hearted, especially not when the two sides are India and Pakistan. Major Gen Mahmud Ali Durrani (retd) was a soldier of the Pakistani Army, but he wore his 'peacenik' badge with pride, and the accusation of being 'pro-India' with equanimity.For many years after his retirement from the army, Durrani lived with the optimism that he could succeed in convincing military and political leaders, and even the aam janta of his country that there was no alternative to building bridges with the "humsaya dushman". By the time he died of a heart attack last week at the age of 84, Durrani had come to terms with a statement oft-repeated by generations of people on either side of the border: "Peace won't come in our lifetime".

The situation had not seemed so hopeless just over 20 years earlier, around the turn of the century, when Durrani first dived into his role as peacemaker on a 'track two' channel, even though relations between the two countries gave no room for such optimism in those years either. The terrorism in Kashmir, the tit-for-tat nuclear tests, Kargil, the hijacking of IC814, the Jaish attack on Parliament, the failed Agra summit, all took place at the time, giving little hope that the two countries could normalise.

Still in service as the head of the Pakistan Ordnance Factories Board, Durrani was roped in to the track-two group called BALUSA, put together by the Indian-born Pakistani-American academic-diplomat Shirin Tahir-Kheli.It seems astonishing in 2025, when India has staked its relationship with the US on its unwavering denial of President Donald Trump's claimed role as the broker of the Operation Sindoor ceasefire, that back then, a mid-level State department official could seek and obtain the permission of prime ministers Nawaz Sharif and Atal Bihari Vajpayee to explore normalisation of India-Pak ties through informal channels.On the Indian side, former Air Force Chief, Air Chief Marshal SK Kaul (retd), was the opposite number to Durrani in BALUSA, the name reportedly derived from two villages in Pakistan's Punjab province. As this early track-two effort gained traction in the public space — senior politicians from the BJP and the Congress, high-profile bureaucrats and journalists from both countries were participants — the former soldier, who became a frequent flyer to Delhi, shot to prominence on both sides of the border. Not least because he also had the ear of Gen Pervez Musharraf, who became the military ruler of Pakistan in 1999.

Gen Musharraf would eventually appoint him Ambassador to the US in 2005. That was when a joint British-American effort had begun, aimed at building a working relationship between former Pakistan PM Benazir Bhutto and Musharraf so that the Western world could ease its conscience and keep the General in check by forcing him to accept Bhutto as his regime's democratic face. When Bhutto met Durrani at a dinner hosted by a Pakistani in Washington in 2007 weeks before her departure for Pakistan, she remarked that he should be serving the country's security in a more substantial role. After she was assassinated later that year in Rawalpindi, and Asif Ali Zardari became President in 2008, he asked Durrani to be NSA, apparently "fulfilling a promise that Benazir had never made".It was in this capacity that Durrani came

face to face with the reality checks of peacemaking with India. He would have certainly joined the dots between a civilian government taking charge in Pakistan, and the increasing frequency of violations by the Pakistani Army of the 2003 ceasefire. Soon after becoming NSA, he travelled to India to deliver the RK Mishra Memorial lecture at the Observer Research Foundation, where he declared that "my commitment to peace, for the good of the people of our two countries, is total".Durrani's first real shock as 'General Shanti', as he was dubbed in India, was the bombing of the Indian embassy in Kabul in July 2008 with the ISI's fingerprints all over it. His visit to Delhi in October that year may have been his first in which the warmth of the past was replaced with steely vibes and some official plain-speaking. But Durrani believed he and his interlocutors in Delhi — India's NSA MK Narayanan and Foreign Secretary Shivshankar Menon — had managed to turn the tide.

He would tell Richard Boucher, then US Assistant Secretary of State for South and Central Asia, that he was received in Delhi "as a friend with open arms" and that his meetings had gone "unusually well". He would have been unprepared for the second shock, just weeks after his Delhi trip. In November 2008, Mumbai was held hostage for around 60 hours by 10 terrorists from Pakistan. Durrani was sacked in January 2009 as NSA for telling CNN-IBN that Ajmal Kasab, the lone terrorist to be caught alive, was indeed a Pakistani.

Writing in the Dawn newspaper, columnist Ardeshir Cowasjee said Durrani, like the good cavalry man he was, had "shot from the hip" and was being accused of "having 'tarnished' the national image, which is already in need of a good scrub and buff". He also wrote that Zardari had apologised to Durrani for this treatment. For a country in denial about 26/11, that was Durrani's last brush with officialdom. But it did not stop him from reiterating what he had said then at a seminar at the Institute for Defence Studies and Analyses (IDSA) in New Delhi in 2017 — perhaps his last public visit to India — though he was also quick to add that he was "110 per cent sure" that the ISI was behind the Mumbai attacks.For many years, he continued to be involved in efforts to resuscitate the India-Pakistan relationship from the lows to which 26/11 had sunk it. In an interview to Pakistan's Herald magazine in 2016, he had said: "As a Pakistani and as a realist, I say it is in our interest to have stability in our relations with India because all this tension has kept us behind the West. If we had spent the same money and thoughts we spend on India on development, on improving governance, on improving the justice system and on improving our political system, we may have been better off. That is why I joined this bandwagon of peace."As bilateral ties continued to deteriorate steadily over Pak-sponsored terror attacks and India escalated its responses — from Uri to Pulwama to Pahalgam — Durrani continued to keep in touch with a few friends in India, though his voice was heard less publicly. He seemed to know that his goal had receded. Durrani will go down in history as a soldier who tried his best for a peaceful resolution to one of the most difficult conflicts in the world, and was not afraid to do so.

Kurnool bus fire: Oversight asleep at the wheel of safety

The Kurnool vehicle—reportedly modified without approval—turned into a death trap, while, the authorities' response followed the familiar scripta

Every so often, a tragedy jolts us out of our collective slumber—but only for a while. The bus accident in Kurnool district of Andhra Pradesh on October 24, in which 19 people were charred to death, is a grim reminder of how little changes despite the recurring horror. The Bengaluru-bound bus from Hyderabad, owned by a private operator, hit a bike and caught fire. Within minutes, the bus turned into a fireball—yet another statistic in India's endless catalogue of preventable road disasters.In the last decade, over a hundred people have died in similar bus accidents across the country—from Maharashtra to Tamil Nadu, from Rajasthan to Andhra. Days before the Kurnool tragedy, a similar inferno in Rajasthan claimed 20 lives. Most of these accidents involve private buses, exposing glaring regulatory lapses and a deep-rooted nexus between transport authorities and operators. In Kurnool's case, the bus had all its 'valid documents' on paper—registered in Daman and Diu, with a fitness certificate and a tourist permit from Odisha—but that, in itself, tells a story. The maze of registrations across distant

states, driven by lower fees and laxer scrutiny, allows operators to bypass local enforcement.

Equally worrying is the reckless tinkering with vehicles. Automotive industry standards prescribe safety measures such as multiple exits and structural endurance tests, but these are routinely ignored. A seater bus becomes a sleeper overnight. The Kurnool vehicle, too—reportedly modified without approval—turned into a death trap. The authorities' response has followed the familiar script: arrest the driver, seize the vehicle, order a probe, promise strict action. The real question remains unaddressed: who allowed such vehicles on the road in the first place?

Telangana and Andhra Pradesh have now proposed talks with Karnataka to plug cross-border loopholes. That may help, but what India urgently needs is a unified, nationwide road transport code—a level playing field in registration fees, standardised certification for body builders, rigorous vehicle fitness tests, and genuine oversight of driver professionalism, including rest and work conditions. Speed governors, surveillance, and digital fitness tagging must become the norm, not the exception.Unless the chain of responsibility extends beyond the driver's seat to the desks of negligent officials and profiteering operators, nothing will change. The Kurnool tragedy is not an accident; it is the outcome of institutional indifference.

The cough syrup catastrophe

India's failure to stop the deadly cough syrups reflects a deeper problem—a policy mindset that prioritises industrial growth over regulation. To prevent such tragedies, independent funding, stronger inspections and transparent governance are needed

The recent spate of child deaths in India from contaminated cough syrups starkly exposes a grave systemic failure in the nation's pharmaceutical regulation. In early October 2025, at least twenty-four children in Madhya Pradesh's Chhindwara district died of acute kidney failure after consuming Coldrif syrup—a medicine prescribed for the common cold. Three more fatalities in Rajasthan's Sikar and Bharatpur districts, linked to another dextromethorphan-based syrup from Kaysons Pharma, brought the toll to twenty-seven.

Most victims, all under five, showed symptoms of diethylene glycol (DEG) poisoning—vomiting, abdominal pain and inability to urinate. On October 13, the World Health Organization (WHO) confirmed DEG levels as high as 48.6 percent in Coldrif batches, exposing a criminal disregard for human life.In legitimate formulations, safe solvents such as propylene glycol or glycerin dissolve active ingredients. Unscrupulous manufacturers, however, replace these with cheaper, toxic DEG or ethylene glycol to cut costs. Once ingested, these chemicals destroy the kidneys and nervous system, and are often fatal to children.

This tragedy repeats a grim pattern, mocking India's image as the 'pharmacy of the world'. In 2022, Indian-made syrups contaminated with DEG killed 66 children in The Gambia and eighteen in Uzbekistan. Similar poisonings in Indonesia and Cameroon, linked to firms such as Maiden Pharmaceuticals and Marion Biotech, claimed hundreds of lives. Under global pressure, India tightened export scrutiny. Yet, its domestic market remains a regulatory Wild West where untested

potions circulate freely. The double standard is unconscionable. Exports are policed, while poor Indians relying on cheap generics remain unprotected.India's top drug regulator, Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO), has failed its mandate. Tasked with overseeing a $50 billion industry, it remains consistently understaffed, underfunded and compromised. Nationwide inspections began only after the October deaths. At Tamil Nadu's Sresan Pharmaceuticals, investigators found abandoned premises, falsified records, and no evidence of batch testing. Two inspectors were suspended, scapegoats in a corrupt system. WHO and UN experts call the contamination criminal.The recent spate of child deaths in India from contaminated cough syrups starkly exposes a grave systemic failure in the nation's pharmaceutical regulation. In early October 2025, at least twenty-four children in Madhya Pradesh's Chhindwara district died of acute kidney failure after consuming Coldrif syrup—a medicine prescribed for the common cold. Three more fatalities in Rajasthan's Sikar and Bharatpur districts, linked to another dextromethorphan-based syrup from Kaysons Pharma, brought the toll to twenty-seven.

Most victims, all under five, showed symptoms of diethylene glycol (DEG) poisoning—vomiting, abdominal pain and inability to urinate. On October 13, the World Health Organization (WHO) confirmed DEG levels as high as 48.6 percent in Coldrif batches, exposing a criminal disregard for human life.In legitimate formulations, safe solvents such as propylene glycol or glycerin dissolve active ingredients. Unscrupulous manufacturers, however, replace these with cheaper, toxic DEG or ethylene glycol to cut costs. Once ingested, these chemicals destroy the kidneys and nervous system, and are often fatal to children.

This tragedy repeats a grim pattern, mocking India's image as the 'pharmacy of the world'. In 2022, Indian-made syrups contaminated with DEG killed 66 children in The Gambia and eighteen in Uzbekistan. Similar poisonings in Indonesia and Cameroon, linked to firms such as Maiden Pharmaceuticals and Marion Biotech, claimed hundreds of lives. Under global pressure, India tightened export scrutiny. Yet, its domestic market remains a regulatory Wild West where untested potions circulate freely. The double standard is unconscionable. Exports are policed, while poor Indians relying on cheap generics remain unprotected.India's top drug regulator, Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO), has failed its mandate. Tasked with overseeing a $50 billion industry, it remains consistently understaffed, underfunded and compromised. Nationwide inspections began only after the October deaths. At Tamil Nadu's Sresan Pharmaceuticals, investigators found abandoned premises, falsified records, and no evidence of batch testing. Two inspectors were suspended, scapegoats in a corrupt system. WHO and UN experts call the contamination criminal.

ITR deadline for audit cases extended till December 10. Who benefits and what next

New Delhi.(Agency)

The government has given major relief to taxpayers and companies who were racing against the clock to meet the income tax return (ITR) filing deadline.

The Central Board of Direct Taxes (CBDT) has extended the due date for filing ITRs for the Assessment Year (AY) 2025–26 from October 31 to December 10, 2025, for all taxpayers whose accounts require an audit.

WHO BENEFITS FROM THIS EXTENSION

The extension mainly helps companies, partnership firms, and proprietorships whose accounts need to be audited before filing their tax returns. These taxpayers generally face more compliance requirements compared to individuals or Hindu Undivided Families (HUFs).

WHY THE DEADLINE WAS EXTENDED

Tax professionals and industry bodies had been urging the government for more time, citing challenges such as heavy monsoon rains, floods, and disruptions in several parts of the country. These factors delayed audit and accounting work for many businesses.The government had earlier responded by pushing the audit report filing date from September 30 to October 31. Now, with this new notification, businesses have been given one more month to complete the process.

Gold, silver rate today: Has US Fed rate cut impacted precious metal prices

New Delhi. (Agency)

Gold prices moved higher on Thursday after the US Federal Reserve announced a 25-basis point rate cut, a decision that slightly weakened the dollar and lifted demand for the yellow metal.

Spot gold was up 0.4% at $3,942.97 per ounce. However, US gold futures for December delivery slipped 1.1% to $3,955 per ounce, indicating some profit booking after the recent gains as of 00:50 GMT.The US central bank reduced its benchmark overnight rate by a quarter of a percentage point for the second time this year, setting it in a target range of 3.75% to 4.00%. This decision was in line with market expectations.Fed Chair Jerome Powell said officials are still divided about the path ahead for monetary policy and advised markets not to assume another rate cut will happen at the end of the year. His comments suggested that future rate moves will depend on how the economy performs in the coming months.

LOWER RATES SUPPORT GOLD DEMAND

Gold is often seen as a safe investment during uncertain times and when interest rates are low. Since gold does not pay interest, lower rates make it more attractive compared to fixed-income assets like bonds.The dollar index slipped 0.2% after touching a two-week high in the previous session, making gold cheaper for buyers using other currencies. A weaker dollar typically supports gold prices as it increases the metal's appeal for international investors.

Market attention has now turned to the meeting between US President Donald Trump and Chinese President Xi Jinping in South Korea later in the day. Both leaders are expected to discuss trade issues that have strained relations between the two countries.US negotiators have indicated they are seeking to revive a fragile truce in the trade conflict, but tensions remain high. Longer-term trade challenges and policy differences between the two major economies are likely to continue.Meanwhile, Trump and South Korean President Lee Jae Myung finalised key parts of their trade deal during a summit in South Korea. Trump also sounded optimistic about his meeting with Xi Jinping, raising hopes for some easing in global trade tensions.

Adani Energy Solutions Q2 FY26: Profit jumps; brokerage maintains Buy rating on share

Kolkata .(Agency)

Adani Energy Solutions Limited (AESL) has declared superb September quarter (Q2FY26) results. Income and profit have increased year by year in the second quarter of the current financial year. The special thing is that the company's transmission business and smart meter segment is moving fast. Brokerage firm ICICI Securities has maintained the BUY rating on shares.

Buy shares of Adani Energy Solutions: ICICI Securities

Brokerage firm ICICI Securities has retained the BUY rating on AESL's stock. According to the report, the company's transmission and smart meter segment can take the company's earnings to new heights in the coming years. The firm has fixed the target price of the share at Rs 1127 based on the Sum-of-the-Parts (SoTP) valuation.n the last one month, the company's shares have seen an increase of more than 9 percent. The stocks' 52-week high is Rs 1090. Analysts believe that strong pipelines, frequent project commissioning and entry into new business will make AESL a major player in India's power infrastructure sector.

Adani Energy Solutions Q2 Results

Adani Energy Solutions' income increased by two percent to Rs 6300 crore in the September quarter of FY26. The company's EBITDA (operating profit) jumped by 14% to Rs 1,950 crore, while the adjusted profit increased by 20 percent to Rs 530 million.The company's underlying operating income and EBITDA increased by 8% and 10% respectively, which was possible due to increased income from new transmission projects and increased smart meter installations.However, the long rains in Mumbai and the sale of the Dahanu plant last year had an impact on the distribution business.

Adani Energy Solutions transmission business

AESL's transmission network is its strongest pillar. The company's execution pipeline has now reached Rs 60,000 crore, which is 3.5 times more than last year. In addition, the company is involved in the bidding process of about 1 lakh crore rupees.

Russian oil taps turned off. What it means for Indian refiners

India's cheap Russian oil phase is fading as sanctions tighten. Refiners are shifting to costlier US and Middle Eastern grades, raising import costs and likely putting eventual pressure on fuel prices.

CHENNAI.(Agency)

Indian refiners are entering a more expensive operating cycle. After nearly three years of relying on discounted Russian crude to lower input costs and maintain fuel price stability, sourcing patterns are shifting again as US sanctions tighten on key Russian suppliers.

The recalibration is already affecting refinery run rates, import bills and procurement strategies across the sector.

India imports about 86% of the crude it processes. Since mid-2022, Russia became the largest supplier, frequently accounting for nearly one-third of India's crude inflows. At its peak, India was sourcing around 1.75 million barrels per day from Russia, largely from Rosneft and Lukoil.The reason was discounts of $8–$12 per barrel over Middle Eastern benchmarks, plus flexible payment arrangements routed through intermediaries. But those advantages have narrowed.The latest round of US sanctions now directly targets the shipping, insurance and trading networks that enabled Indian refiners to tap Russian barrels at scale. Banks have also become more cautious with settlement channels.

The combined effect has raised transaction risk and narrowed discounts to the point where the economics no longer justify heavy dependence.This shift aligns with broader market volatility. Rahul Kalantri, VP Commodities at Mehta Equities, noted that oil markets are already in a delicate balance. "Fresh US sanctions on Russian producers Rosneft and Lukoil have added uncertainty to global supply chains. Crude prices are likely to remain volatile," he said.The data reflects this shift. Russian oil's share in India's import basket has slipped to about 34% this fiscal from roughly 36% in the previous two years. Meanwhile, import costs are about

$5 per barrel higher than the Dubai-linked averages. US crude imports into India rose to approximately 575,000 barrels per day in October—the highest since 2022—signalling a deliberate pivot.

The operational impact is already visible. Crude processing in September fell to its lowest level in nearly 19 months. Public disclosures cite maintenance shutdowns, but refiners privately concede that the flexibility earlier provided by cheaper Russian blends is diminishing, requiring tighter planning of run rates and margins.

HOW ARE INDIAN REFINERS ADJUSTING?

Refiners are adjusting. Reliance Industries has stopped new purchases tied to Rosneft and diversified toward spot-market cargoes. Indian Oil Corporation has paused new Russian contracts. Bharat Petroleum and Mangalore Refinery have increased sourcing from the US and the Gulf.Nayara Energy—with Rosneft influence in its shareholding—faces the most constraints, with fewer viable substitutes in the short term.The macroeconomic implications are not small. Vinod Nair, Head of Research at Geojit Investments, warned that the price environment could spill over into broader financial stability.Crude oil prices surged sharply following fresh sanctions on Russian oil majors, sparking tightening supply fears and renewed inflation concerns. This could negatively impact India, as elevated crude prices may widen the fiscal deficit and strain the import bill," he said in his weekly outlook on October 24.

Why India's IPO boom isn't always a sign of growth. Explains expert

India's IPO market may be buzzing with record fundraising and investor enthusiasm, yet experts say much of the money raised isn't going into new projects or job creation.

New Delhi. (Agency)

Initial Public Offerings (IPOs) have always created excitement among Indian investors. Quick profits, listing gains, and market hype often make them look like the easiest way to make money. But CA Abhishek Walia, co-founder, Zactor Money, says the reality is quite different, and not as rosy as it seems.

THE HYPE VERSUS THE REALITY

He wrote on LinkedIn, "Are IPOs really the easiest way to make money in the stock market?" a client once asked me recently.""Let's be honest," he says, "few things excite investors as much as an IPO. Quick profits. Listing gains. Market buzz. It looks like the perfect recipe for wealth creation. But it's not always the case."Walia further wrote, "Over the last 5 years, Indian IPOs have raised more than Rs 5 lakh crore. A record. But do you know where most

of that money went?

WHERE THE MONEY REALLY GOES

According to Walia, around Rs 3.3 lakh crore of the total raised didn't fund new projects or factories. Instead, it went straight to promoters and private equity investors, who used IPOs as an exit route."Of every Rs 100 raised in IPOs," he notes, "only Rs 19 was used for plant and machinery, Rs 19 went for working capital, and about a third was used to repay old debt. That's it."So while headlines may celebrate "record-breaking IPO demand," the truth is that a large share of IPO money simply allows insiders to cash out, not companies to grow.

THE DATA TELLS A DIFFERENT STORY

Even the Reserve Bank of India (RBI) has pointed this out. Its latest bulletin mentioned a "tepid investment outlook" in project finance, despite a booming stock market.This gap between stock market enthusiasm and actual industrial investment highlights a deeper problem — IPOs are being used more as an exit opportunity than a growth driver.

Sensex, Nifty fall despite US Fed rate cut; all eyes on Trump-Xi meeting

Mumbai . (Agency)

Benchmark stock market indices opened lower on Thursday, even as the US Federal Reserve carried out a widely expected rate cut. Investor sentiment remained cautious ahead of a scheduled meeting between US President Donald Trump and Chinese President Xi Jinping, with markets closely watching for progress on a potential trade deal.The S&P BSE Sensex fell 251.52 points to 84,745.61 at 9:23 am, while the NSE Nifty50 slipped 81.55 points to 25,972.35. Broader markets also edged lower on a combination of caution and profit booking.L&T, Tata Motors Passenger Vehicles (TMPV), Eternal and UltraTech Cement were among the top gainers on the Sensex, while Sun Pharma, Bharti Airtel and ITC were trading weak.According to Prashanth Tapse, Senior VP (Research) at Mehta Ltd, the soft opening reflects foreign investor activity. He said FIIs turned net sellers in the previous session,

while comments from Fed Chair Jerome Powell dampened expectations of another rate cut in December.However, he added that Nifty holding above the 26,000 mark signals underlying domestic strength ahead of key earnings from companies like ITC, Cipla, Maruti and Pidilite.

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, said the market's attention now shifts to the Trump-Xi meeting. He noted that a breakthrough could signal the end of the trade war and boost global sentiment.On the domestic front, he pointed to the Chief Economic Adviser's remark that GDP growth could touch 7% as a positive sentiment driver, supported by strong consumption and signs of a pick-up in capex, reflected in L&T's recent order wins. He said the overall market structure suggests potential for a mild rally and possible new highs, but not a runaway surge.Technically, the Nifty continues to maintain a sideways-to-bullish bias as long as it stays above the 25,900–26,000 support zone, according to analysts. Resistance lies at 26,100–26,200, and a breakout could push the index toward 26,300–26,400.Bank Nifty has support at 58,100–58,200 and resistance at 58,600–58,700, with a move above the latter opening room toward 59,000.

This Sebi proposal may benefit your mutual fund investment

New Delhi. (Agency)

The Securities and Exchange Board of India (Sebi), has proposed a major change to how mutual fund fees are charged. The plan aims to make the system simpler, more transparent, and cheaper for investors.The proposals include revising the expense ratio structure, removing extra charges, tightening brokerage limits, and excluding government taxes from the total expense ratio cap.In its consultation paper released on Tuesday, Sebi said the goal is to ensure that investors benefit more directly from the growing size of India's Rs 75.6 lakh crore mutual fund industry. The regulator has invited public comments on the proposal until November 17.

WHAT SEBI PLANS TO CHANGE

At present, mutual fund houses are allowed to charge investors a range of fees and expenses under the Total Expense Ratio (TER), which includes management fees, distribution costs, and other charges. Sebi now wants to simplify this system.Puneet Singhania at Director of Master Trust Group, said that Sebi's recent decision to reduce the Total Expense Ratio (TER) is a constructive step toward enhancing investor value and fostering greater cost efficiency within the mutual fund industry."Lower expenses will directly improve net returns for investors, reinforcing confidence in mutual fund products as a long-term wealth creation avenue," he added.Under the new proposal, Sebi plans to remove the additional 5 basis points (bps) that fund houses were earlier allowed to charge across schemes. This extra charge was introduced in 2012 when the exit load system was modified and was meant to cover distribution costs. The regulator has said this was a temporary measure and is no longer needed.To reduce the impact of removing this charge, Sebi has suggested increasing the first two slabs of the expense ratio structure by 5 bps. This adjustment will allow mutual fund houses some flexibility while still lowering overall costs for investors.

Sebi also plans to exclude statutory levies such as Securities Transaction Tax (STT), Goods and Services Tax (GST), Commodity Transaction Tax (CTT), and stamp duty from the expense ratio cap. This means that any changes in government taxes will be directly passed on to investors instead of being included in fund expenses.

LOWER BROKERAGE AND TRANSACTION CHARGES

The regulator has also proposed to tighten limits on brokerage and transaction charges that mutual funds can pass on to investors. Currently, mutual funds can charge up to 12 bps for cash transactions and 5 bps for derivatives trades.

End of big workforces What Amazon's mass layoff really signals

Amazon's mass layoffs aren't about cutting costs; they signal a shift in how work is organised. AI is taking over tasks, but the real battle is about how companies value people.

New Delhi.(Agency)

Amazon's latest plan to cut about 14,000 corporate jobs has renewed debate over whether large workforces are becoming redundant in an age increasingly shaped by artificial intelligence (AI) and automation.The company is not shrinking its business. It is accelerating investment in cloud and AI infrastructure, expanding data centre capacity, and building a USD 10 billion AI-focused campus in North Carolina.The cuts instead target internal layers of management and coordination roles that once formed the backbone of corporate operations.According to Sonica Aron, Founder and Managing Partner at Marching Sheep, the shift is less about headcount and more about efficiency.

"Corporate efficiency being prioritised over the size of the workforce is not a new idea. What has changed is the speed at which it is happening, driven by the most transformative wave of technology since the internet," she said.She explained that the roles being reduced are often the ones built around repetitive processes and slow administrative steps. Automation and AI tools are rapidly taking over tasks that previously required teams and supervisory layers."When Amazon or any large organisation reduces layers of management and streamlines corporate processes, they are primarily restructuring and streamlining to reduce roles with repetitive tasks, bureaucracy, slow, linear steps that human hands and minds used to manage," Aron said.BIG WORKFORCES AREN'T DISAPPEARING

But she cautions against assuming that layoffs indicate a demise of the big workforces."Consumption is growing and changing, and there will always be a need for more and different products and services. And there will always be a need for people to deliver those in organisations. It is about the right matching of skills, knowledge,

application and attitude," she noted.Aron has worked closely with organisations undergoing restructuring and cultural shifts. She argued that layoffs today are not simply reactions to financial pressure or advances in AI. They reflect a more complex recalibration.

"The equation between technology, productivity and people is changing," she said. "Cost, efficiency and agility are being given more weight than tenure or continuity. That may make financial sense, but it can create a vacuum in trust and psychological safety unless handled with transparency and empathy."

REDEFINING ROLES

As companies redefine their operating models, the shape of work is set to evolve. Aron says the first shift will be in how roles are defined. Work will move away from task-based job descriptions to roles that are flexible and problem-solving in nature. "This is not about doing more with less. It is about doing things differently, with purpose," she said.The second shift concerns skills. Technical competence will remain important, but the skills that determine success in modern workplaces are increasingly human-oriented. Aron called these "survival skills" rather than soft skills. Emotional intelligence, adaptability, and the ability to collaborate across diverse teams will determine who thrives.

Top court clears railway ticket checker 37 years after Rs 50 bribery charge

Nearly 37 years after being accused of taking bribes, a Railway TTE has been cleared by the Supreme Court, which ruled the charges unproven and ordered pension benefits for his family.

Agency New Delhi.

Nearly 37 years after a Railway Travelling Ticket Examiner (TTE) was accused of demanding bribes from passengers, the Supreme Court has exonerated him, ruling that the charges were not conclusively proven.The apex court noted that the incident dated back to May 31, 1988, and that the employee had passed away during the long course of proceedings. Setting aside his dismissal, the court directed that all consequential monetary and pensionary benefits be released to his legal heirs within three months.

A bench of Justice Sanjay Karol and Justice Prashant Kumar Mishra observed that the Central Administrative Tribunal (CAT) had rightly interfered with the dismissal order. The court held that the High Court failed to consider that the findings of the Enquiry Officer were perverse and based on misleading materials.

"The CAT was fully justified in setting aside the order of penalty," the bench said, adding that all the charges were not conclusively proved against the employee.Regarding the allegation that the TTE had demanded Rs 50 from three passengers for allotting berths, the court noted that one passenger was never examined, while the other two did not support the charges.The Supreme Court set aside the Bombay High Court's 2017 judgment, which had reversed the CAT's 2002 order that quashed the TTE's dismissal and directed his reinstatement.

The appellant was serving as a Travelling Ticket Examiner in the Central Railway, Nagpur, when a Railway vigilance team conducted a surprise check on May 31, 1988. He was accused of demanding illegal gratification from three passengers and found in possession of excess cash of Rs 1,254. He was also charged with forging a duty card pass by extending its validity without authorization.

Based on the vigilance report, a charge sheet was issued against him in 1989 under the Railway Services (Conduct) Rules. The departmental enquiry found the charges proved, and in 1996, the Disciplinary Authority dismissed him from service.The CAT in 2002 quashed his dismissal and ordered his reinstatement with all consequential benefits. The Railways challenged this before the Bombay High Court. During the pendency of the case, the appellant passed away, and his legal heirs were brought on record.In 2017, the High Court set aside the CAT's order, holding that the charges were supported by evidence. The Supreme Court has now overturned that decision, finally clearing the deceased TTE's name after nearly four decades.

Union minister Kiren Rijiju hails Urdu as 'most beautiful language', lauds Jamia for inclusivity

Agency New Delhi.

Minority Affairs Minister Kiren Rijiju on Wednesday described Urdu as "the most beautiful language in the world" and stressed that harmony between Hindus and Muslims is vital for the nation's progress and unity.

Speaking at the 105th Foundation Day celebrations of Jamia Millia Islamia, the minister lauded the university for embodying India's composite culture, democratic spirit, and inclusive values."The university's motto song beautifully reflects the values of our nation. I would like to remind you that Mahatma Gandhi and great luminaries such as Sarojini Naidu supported this university when it was being established," he said.

Rijiju praised the implementation of the National Education Policy (NEP) at Jamia and said he was "highly impressed" with the university's academic record and its commitment to national rethinking.

Emphasising the importance of open debate in a democracy, he remarked that though discussions in Parliament can often be heated, they remain essential to India's vibrant democracy. "In our democracy, people express their views aggressively, which sometimes creates polarization. But that is not necessarily bad as long as it does not harm the country," he said.

As Parliamentary Affairs Minister, Rijiju said that even though managing disruptions in Parliament can be difficult, the passage of crucial legislation ultimately reflects the strength of India's democratic institutions.He also highlighted India's constitutional strength and diversity, asserting that the Constitution ensures safety and unity by addressing every aspect of national life.

Delhi wetlands shrink by 9 per cent in 30 years, 97 per cent loss in south Delhi: DU study

Agency New Delhi.

Delhi's once-thriving wetlands are fast disappearing. A new study by Delhi University along with private firms including HCLTech, and Terna Global Business School shows that the capital has lost nearly nine per cent of these crucial ecosystems over the last three decades- a decline driven largely by relentless construction and surging population growth.

Some districts, including South Delhi, have seen a drop of almost 97 per cent in their wetland area, the study also found. Published in the journal Research in Ecology in June 2025, the study examined satellite data from 1991, 2001, 2011 and 2021 to track how water bodies have changed over time.Researchers including a Delhi University student named Grinedge Yadav from the department of continuing education said the total wetland area in the national capital fell by around nine per cent from 32.9 square kilometres in 2000 to 30.2 sq km in 2022.

During the same period, the city's built-up area grew from 485.6 sq km to 825.6 sq km, an increase of more than 70 per cent. The study said the expansion of residential colonies, roads and industries had led to the steady loss of natural water systems. Wetlands, which once helped recharge groundwater and store rainwater, are now being reclaimed or polluted.East Delhi also recorded a major fall, from 0.39 per cent to 0.016 per cent, while North Delhi dropped from 0.27 per cent to 0.001 percent.

Meanwhile, Central Delhi managed to retain most of its water bodies, falling only slightly from 3.72 per cent to 3.26 per cent, helped by its proximity to the Yamuna River and government-protected zones. North East Delhi also maintained better coverage due to its floodplains and conservation work, it said.

Staff take Delhi govt to Central Administrative Tribunal against shut down order of 121 mohalla clinics

Agency New Delhi.

The abrupt decision to shut down 121 mohalla clinics across the capital has been challenged by the Mohalla Clinic Staff Union, which claimed that Chief Minister Rekha Gupta-led government violated a Central Administrative Tribunal (CAT) order that had stayed any termination of mohalla clinic staff till March 2026.

The staff union said a miscellaneous application has been submitted to a CAT's bench that was hearing the case of 31 mohalla clinics shut by the Delhi government in August, this year.

"When the CAT has already given a relief to Mohalla Clinics employees from termination till March 2036, the decision to terminate 500 more employees by shutting 121 clinics further is a violation of the Tribunal's order," said Jitender Kumar, president of the Mohalla Clinic Staff Union.

According to the Mohalla Clinic Staff Union, the move has left hundreds of contractual doctors, pharmacists, and assistants jobless overnight. The employees claimed that they were promised job security and assured of being absorbed into the newly rebranded Ayushman Arogya Mandirs, but no such step was taken before the closures began.

"We were assured by Chief Minister Rekha Gupta during the Janata Darbar held on October 16 that all existing Mohalla Clinic staff would be adjusted in Ayushman Arogya Mandirs. However, the government has started shutting down more clinics without providing jobs to existing employees," said Kumar. Kumar also alleged that the administration was coercing employees to hand over clinic inventories despite the CAT's interim order.

"No assurance has been given regarding absorption and we are being branded as AAP workers for simply demanding our rights. The staff are being threatened to surrender clinic materials by CDMO and state programme officers," he said.The government has decided to shut down 121 mohalla clinics running in portal cabins.The health department is yet to issue an official clarification on the matter.

Regime-change operation: Delhi Police's explosive charge in 2020 riots case

Agency New Delhi.

The Delhi Police has prepared an affidavit to be filed in the Supreme Court opposing bail for Umar Khalid, Sharjeel Imam, Meeran Haider, Gulfisha Fatima and others accused in the 2020 Delhi riots conspiracy case. The police claim the violence was part of a planned "regime-change operation."

According to the police, the riots were not spontaneous. In the affidavit, the police have said that it was a carefully planned effort to disturb peace in the country and harm India's image globally.This development comes after the Delhi High Court denied bail to Khalid and others in the UAPA case related to the 2020 violence.

The police said they have collected witness statements, documents, and technical evidence linking the accused to a "deep-rooted conspiracy engineered on communal lines."

The police maintain that the unrest was "designed to strike at the sovereignty and integrity of India" by weaponising dissent against the Citizenship (Amendment) Act (CAA).

NOT SPONTANEOUS PROTEST

The Delhi Police said that the violence was timed to coincide with US President Donald Trump's visit to India during his first term in office, in a bid to attract international attention and portray the country negatively.The CAA issue was "carefully chosen to serve as a radicalising catalyst camouflaged as peaceful protest," the police said.

DELIBERATE DELAY

The Delhi Police have accused the petitioners, including Umar Khalid, Sharjeel Imam, Meeran Haider, and Gulfisha Fatima, of systematically delaying trial proceedings through what it calls "frivolous applications" and "coordinated non-cooperation."

According to the affidavit, the accused engaged in a "brazen abuse of process" to prevent the lower court from framing charges and commencing trial. The police will argue that the delay in proceedings was attributable to the accused themselves, not to investigative agencies.

Ex-Top Court Judge Takes Swipe At PM's Adviser Over Viksit Bharat Remark

Agency New Delhi.

Every citizen has the right to offer constructive criticism of the judiciary but must establish that orders passed by courts have interfered with development work and are in violation of the Constitution, former Supreme Court judge Justice Abhay S Oka has said. His remarks came days after Prime Minister's Economic Advisory Council member Sanjeev Sanyal courted controversy through his statement that the judiciary is the "single biggest hurdle" to India becoming a developed nation.

"This learned man should have given instances of those judicial orders which, according to him, obstructed and hindered the Viksit Bharat," Justice Oka said, in an apparent reference to

Sanyal.

"He should have given particulars of those orders. If he had, his criticism would have become constructive criticism, which would be most welcome. Every citizen of India has the right to offer constructive criticism of the judiciary and orders of the judiciary. And at any cost, we must support that right," he added.

He was speaking at the Supreme Court Bar Association (SCBA) lecture series on the topic 'Clean Air, Climate Justice, and We - Together for a Sustainable Future' on Wednesday.

Justice Oka said one can criticise judicial orders, "provided somebody establishes that these are the orders which violated the constitution and did not allow development work within the framework of the Constitution."

'Investigation Itself Suspicious': In Satara Doctor Suicide Case, Brother's Red Flag

Agency New Delhi.

The family of the Maharashtra doctor who died by suicide last week – after accusing a policeman of raping her four times in five months and a MP of harassing her to issue fake medical fitness certificates – has raised concerns over the recorded time of death.The correct time of death – 11.50 am according to her brother – was "deliberately not recorded", he said. Instead, she was recorded as having died a full 12 hours later, at 11.50 pm, he said.Pointing out the contradiction in having the police investigate a cop accused of such a serious crime, he also called for a special team be set up under the control of a High Court judge."The investigation itself is suspicious… the police officers themselves are the accused in this case. Therefore a SIT,

(i.e., a Special Investigation Team) is necessary," the brother reasoned."When we went to Satara (where the young doctor died), the investigating officer, Deputy Superintendent Vishal Khambe, showed us the autopsy report. When I saw it, it only mentioned 'asphyxia (i.e., a condition in which the body is deprived of oxygen due to hanging."

"But that is immediately clear on seeing the body," he said, "The main reason for a forensic expert performing the autopsy is to determine time of death. We requested this."

However, the brother said, that detail was missing in the initial report shown to the family. "… the report didn't mention it at the time. I asked about it and they said 'we will tell you in two days'.""… it took six days for this report to arrive. And even then why were you only able to tell us what we already knew (i.e., the doctor died of asphyxia)? And why isn't time of death mentioned?"The doctor's family has also claimed that someone unlocked her mobile phone after her death to delete vital information. They also claimed her WhatsApp account was listed as 'active' even after her death, leading to suspicion that someone.

Major surge in pollution levels in Delhi as cloud seeding goes up in smoke

Delhi AQI: Delhi's air quality hovered around the 'very poor' and 'severe' categories on Thursday as cloud seeding trials came a cropper. The capital's overall Air Quality Index (AQI) stood at 352.

Agency New Delhi.

Delhi woke up to a blanket of thick smog on Thursday, with the city's air quality deteriorating sharply overnight, plunging into the 'very poor' category, as the much-hyped cloud seeding experiment to spur artificial rain flopped.According to the Central Pollution Control Board (CPCB) data, the capital's overall Air Quality Index (AQI) stood at 352, an 80-point spike compared to Tuesday's AQI average.

The satellite cities of Noida, Ghaziabad and Gurgaon also saw air quality dip to the 'very poor' category. However, the weather department has predicted light rainfall across Noida, Dadri, Greater Noida, Faridabad and parts of Haryana later in the day.

DELHI AIR QUALITY DIPS

Data showed that 32 out of the 38 monitoring stations across the national capital recorded air quality in the 'very poor' range, with key pockets seeing the AQI dip to the 'severe' category.Among the worst-affected areas were Vivek Vihar (AQI 415) and Anand Vihar (AQI 409) - both falling in the 'severe' category. Wazirpur also recorded alarming pollution levels with an AQI of 394.

An AQI between 0 and 50 is considered 'good', 51 to 100 'satisfactory', 101 to 200 'moderate', 201 to 300 'poor', 301 to 400 'very poor', and 401 to 500 'severe'.

CLOUD SEEDING COMES A CROPPER

The drop in air quality saw hazy skies and reduced visibility in several parts of the city, two days after the Delhi government, in collaboration with IIT Kanpur, carried out two rounds of cloud seeding trials to spur artificial rain in an

attempt to wash away the pollutants.

However, the attempt - the first in Delhi in over five decades - was not successful as not a single drop of rain fell. The IIT Kanpur team said that a lack of moisture in the air prevented the experiment from succeeding.On Tuesday, when the trials were conducted, the moisture content in the clouds was around 10-15%. A minimum of 50-60% humidity is needed for cloud seeding to work.

With Delhi's AQI hovering between 300 and 400, which is nearly 20 times the acceptable limit, over the past two weeks, the authorities have already implemented GRAP II measures, which include, among other things, curbs on construction activities.Non-BS-VI compliant commercial vehicles have also been banned from entering Delhi from November 1.

NEWS BOX

Young Americans Hesitate To Have Children Over Climate Change Fears: Study

World . (Agency)

Amanda Porretto isn't sure she'll ever have children. At 27, she is the average age of new mothers in the United States, according to the Centers for Disease Control and Prevention. She's feeling the pressure as an only child. Her father wants to be a grandfather and her mother, before she died, always told Porretto that she would eventually want to be a mom.

"Some people think it's a bad thing" not to have a child, said Porretto, who works in advertising. "I just don't think I need to bring more people into (the world) when there's so much here currently that we need to fix."Younger generations of Americans are increasingly citing climate change as making them reticent to have children, according to several studies. They are worried about bringing children into a world with increasing and more intense extreme weather events, a result of climate change, which is caused by the release of greenhouse gases like carbon dioxide when oil, gas coal are burned. And they are concerned about the impact their offspring will have on the planet.In a 2024 Lancet study of people 16 to 25 years old, the majority of respondents were "very" or "extremely" worried about climate change. The study also found that 52% said they were hesitant to have children because of climate change. Adults under 50 years old without children were four times more likely than adults over 50 without children to say that climate plays a factor in their decision, according to a Pew Research Center report published last year. And a study published this year in the Proceedings of the National Academy of Sciences found more than half of respondents said "yes" or "maybe" to whether climate change made them question having children.

Parenthood and climate change are related not just because of fears for a child's well-being, but also by concern for the planet's well-being.

Sudan's paramilitary forces killed hundreds at a hospital in Darfur, residents and aid workers say

CAIRO.(Agency)

Sudan's paramilitary forces killed hundreds of people at a hospital, including patients, after they seized the provincial capital of North Darfur over the weekend, according to the UN, displaced residents and aid workers, who described harrowing details of the atrocities.The 460 patients and their companions were reportedly killed Tuesday at Saudi Hospital by fighters from the Rapid Support Forces in the city of el-Fasher, said Tedros Adhanom Ghebreyesus, the director-general of the World Health Organization.

As part of their assault on el-Fasher, RSF fighters also went from house to house, beating and shooting at people, including women and children, witnesses told The Associated Press. Many died of gunshot wounds in the streets, some while trying to flee to safety, witnesses said.Two years of fighting for control of Sudan has killed over 40,000 people — a figure rights groups consider a significant undercount — and has created the world's worst humanitarian crisis with over 14 million displaced.

The capture of el-Fasher by the powerful Arab-led force raises fears that Africa's third-largest nation may split again, nearly 15 years after oil-rich South Sudan gained independence following years of civil war.Sudanese residents and aid workers revealed harrowing details of atrocities by the RSF after it seized the army's last stronghold in Darfur following more than 500 days of siege.Fighters from the RSF "cold-bloodedly killed everyone they found inside the Saudi Hospital, including patients, their companions, and anyone else present in the wards," according to the Sudan Doctors Network, a medical group tracking the war.

Two Suspects Admit Involvement In $102 Million Louvre Jewel Heist

world .(Agency) :

Two suspects in the Louvre jewel heist on Wednesday were handed preliminary charges of criminal conspiracy and theft committed by an organised gang, according to the Paris prosecutor's office. The prosecutor said they admitted their involvement.

Prosecutor Laure Beccuau told a news conference that the two are believed to be the men who forced their way into the world's most visited museum October 19, and that at least two other accomplices are at large. The jewels remain missing.The two were given preliminary charges and ordered held in custody pending further investigation, the prosecutor's office said in a statement.They have "partially" admitted their participation in the robbery, Beccuau said. She declined to provide details about the suspects' statements to investigators because she said accomplices may listen.It took thieves less than eight minutes to steal the jewels valued at 88 million euros ($102 million) on October 19, shocking the world. The robbers forced open a window, cut into cases with power tools and fled with eight pieces of the French crown jewels.The two men arrested on Saturday night "are suspected of being the ones who broke into the Apollo Gallery to steal the jewels," Beccuau said.One is a 34-year-old Algerian national who has been living in France since 2010, Beccuau said. He was arrested at Charles de Gaulle airport as he was about to fly to Algeria with no return ticket. He was living in a suburb north of Paris, Aubervilliers, and was known to police mostly for road traffic offenses. His DNA was found on one of the scooters used by robbers to leave the scene, she said.The other suspect, 39, was arrested at his home in Aubervilliers. "There is no evidence to suggest that he was about to leave the country," Beccuau said. The man was known to police for several thefts, and his DNA was found on one of the glass cases where the jewels were displayed and on items the thieves left behind, she added.

As Russia advances on Kupiansk, Ukrainians fear second occupation

Russian soldiers dressed in civilian clothes have been infiltrating its streets in attacks from the north, Ukraine's military has conceded. Moscow claims to have the city encircled.

BORIVSKE, UKRAINE . (Agency)

Devastated by years of Russian attacks, the nine-storey buildings that dot the skyline of Kupiansk in northeast Ukraine now "stand like black candles", local Vitaly Bardas recalled.Captured by Russia on the first day of its 2022 invasion, then retaken by Ukraine in a stunning counter-offensive months later, the logistics hub is once again in Moscow's crosshairs.Russian soldiers dressed in civilian clothes have been infiltrating its streets in attacks from the north, Ukraine's military has conceded. Moscow claims to have the city encircled.Locals like Bardas -- a 50-year old municipal worker who AFP met at a displacement centre -- fear what could happen if Russia captures the city again.As in most places they seized, Moscow's forces hunted and then tortured dozens of civilians suspected of supporting Kyiv, according to testimonies collected by rights groups and Ukrainian authorities.They were looking for those who fought in 2014, they were looking very hard," said Bardas, who stayed in the city through the seven-month Russian occupation."They beat them severely. I heard this, I know this. Because I had a couple of friends there. I don't even want to think about it," he said with evident fear in his eyes.Ukraine recaptured Kupiansk in a counter-offensive in autumn 2022, embarrassing the Kremlin and winning plaudits from Kyiv's Western backers.

But, three years later, Russia's forces are at its gates once more."I didn't think it would be lost again," Bardas said, dejected.

Until early October, he was among an estimated 760 civilians staying in the ruins of the city.He lived there his whole life, but struggled to recall how it was before the Russian invasion."After these three years, it's hard to remember. Mostly, only the bad things come to mind now."

Facing Russia's approaching army and with an onslaught of new deadly tethered drones -- hard to detect and impossible to jam as they run on fibre-optic cables -- he packed his bags and left.The devices have transformed the front into a 15-kilometre (nine-mile) deep "kill zone."To escape, Vitaly's neighbour drove him through fields -- safer than the roads, where drones lay in ambush to chase and explode into cars.With no mobile connection to the city, Vitaly has not heard from the neighbour since he was dropped off.

'Dirty Russian'

Not far from Kupiansk, Vadim, a soldier, felt uneasy as he prepared to cross the kill zone to resupply troops at the front.

His hands shaking, he said he took each mission "as if it were the last".

The city holds both strategic and symbolic importance to Moscow."Kupiansk will become a logistics hub for them if they capture it," said Ukrainian drone commander Dandy."It is also a political target because it has already been occupied. They now need to show some kind of victory," he added.In a Ukrainian command centre behind the fighting, large screens relay footage from a dozen drones buzzing over the city, razed to little more than a pile of smoking ruins.

Google's Alphabet Reports First-Ever $100 Billion Quarterly Revenue Due To AI

United States. (Agency)

Google parent Alphabet reported its first-ever $100 billion quarterly revenue on Wednesday, powered by strong growth across its core search business and rapidly expanding cloud division that was buoyed by artificial intelligence.The tech giant's revenues jumped 16 percent year-on-year to $102.3 billion in the third quarter, beating analyst expectations and marking a milestone for the company founded by Larry Page and Sergey Brin in 1998."Alphabet had a terrific quarter, with double-digit growth across every major part of our business," said CEO Sundar Pichai in a statement.Net income surged 33 percent to $35 billion, with the company pointing to its ability to capitalize on the artificial intelligence boom that is reshaping the tech landscape.READ: Google Says Claims About Gmail Security Breach Impacting Millions Of Users "False"Google's core search and advertising business remained the primary revenue driver, generating $56.6 billion, up from $49.4 billion a year earlier.YouTube advertising revenues also grew strongly to $10.3 billion from $8.9 billion.But it was Google Cloud that stole the spotlight, with revenues soaring 34 percent to $15.2 billion.

The cloud division, which competes with Amazon Web Services and Microsoft Azure, has become a key growth engine for Alphabet.The company's ambitious approach to offering AI "is delivering strong momentum and we're shipping at speed," Pichai said, highlighting the global rollout of AI features in Google Search and the company's Gemini AI models.The company said its Gemini App now boasts over 650 million monthly active users and that a growing amount of users were using the company's AI Mode for search queries.However, the results were partially overshadowed by a $3.5 billion fine imposed by the European Commission in September for competition law violations in its ad tech business.

Excluding this penalty, operating income would have increased 22 percent instead of the reported nine percent, the company said.The strong performance comes as Alphabet ramps up capital spending to meet surging demand for AI infrastructure.The company now expects 2025 capital expenditures of between $91-$93 billion, reflecting massive investments in data centers and computing power to fulfill its AI ambitions.

US ends automatic work permit extensions for certain immigrants: What does it mean for Indians

World. (Agency)

The United States Department of Homeland Security (DHS) has ended the automatic extension of Employment Authorisation Documents (EADs) for immigrants who file renewal applications, effective for submissions made on or after October 30, 2025.

The change, issued as an interim final rule through the US Citizenship and Immigration Services (USCIS), marks a shift from the earlier policy that automatically granted 180-day extensions while renewal requests were pending.The new rule will impact non-citizens whose EADs are based on categories such as asylum status, adjustment of status, or dependents of H-1B (H-4) or L-1 (L-2) visa holders — provided those categories were previously eligible for automatic extensions. This could particularly affect Indian dependents of H-1B or L-1 visa holders, many of whom rely on EADs to maintain their employment.

According to DHS, the move is intended to tighten background screening and vetting before employment authorisations are renewed."With this rule, DHS prioritizes the proper screening and vetting of aliens before extending the validity of their employment authorizations," the department said in an official statement.Ending automatic extensions of EADs results in more frequent vetting of aliens who apply for employment authorization to work in the United States, the DHS added.The department has advised applicants to file renewal applications up to 180 days before their current EAD expires to avoid lapses in work authorisation, warning that delays could result in temporary job interruptions. However, EADs that were automatically extended before 30 October 30, 2025 will remain valid until their extended expiration date.USCIS has urged timely renewals to prevent disruptions as the new vetting process takes effect.

USCIS Director Joseph Edlow said the change restores focus on security."USCIS is placing a renewed emphasis on robust alien screening and vetting, eliminating policies the former administration implemented that prioritized aliens' convenience ahead of Americans' safety and security," Edlow said.

"It's a commonsense measure to ensure appropriate vetting and screening has been completed before an alien's employment authorization or documentation is extended. All aliens must remember that working in the United States is a privilege, not a right," Edlow added.There are limited exceptions to the new rule, including extensions provided by law or through a Federal Register notice for Temporary Protected Status (TPS)-related employment documentation.What is an EAD and who needs it?

An Employment Authorization Document (EAD) — often called a work permit — is a card issued by the US government (Form I-766) that grants non-citizens temporary permission to work in the country.

Hurricane Melissa Made 4 Times More Likely Due To Climate Change: Study

United States.(Agency)

Hurricane Melissa, which struck Jamaica as one of the most powerful storms ever recorded, was made four times more likely because of human-caused climate change, a rapid analysis said Wednesday.Warming caused mainly by burning fossil fuels increased both the likelihood and intensity of the devastating Category 5 hurricane, the study by scientists at Imperial College London found.

"Jamaica had plenty of time and experience to prepare for this storm, but there are limits to how countries can prepare and adapt," said Ralf Toumi, director of Imperial College's Grantham Institute, whic was responsible for the paper.READ: Influencer Faces Backlash For Vacationing In Jamaica During Devastating Hurricane Melissa"Adaptation to climate change is vital but it is not a sufficient response to global warming. The emission of greenhouse gases also has to stop."Using a peer-reviewed model that maps out millions of theoretical storm paths under different climate conditions, the team found that in a cooler world, a Melissa-type hurricane would make landfall in Jamaica around every 8,100 years, but that figure has now gone down to every 1,700 years.The world has so far

warmed by roughly 1.3C (2.3F) compared to the pre-industrial era -- dangerously close to the 1.5C limit scientists say the planet must avoid to keep the most destructive effects of climate destabilization at bay.

Even if such an extreme storm somehow still occurred without global warming, it would have been a bit weaker, the analysis found -- with current warming of 1.3C increasing wind speeds by 19 kilometers (12 miles) per hour, or seven percent. In a world that is 2C hotter, wind speed would rise to 26 kph.Melissa lashed the Caribbean island with as much as 76 centimeters (30 inches) of rainfall and sustained winds reaching 295 kph (185 mph).

"Man-made climate change clearly made Hurricane Melissa stronger and more destructive," said Toumi. "These storms will become even more devastating in the future if we continue overheating the planet by burning fossil fuels."That being said, the destruction of the island was so complete that more intense conditions would have likely only created limited additional damage, the analysis said.AD: Hurricane Melissa, Jamaica's Strongest Storm In 174 Years, Makes LandfallThe researchers ould not, however, examine the impact of climate change on rainfall, because the US government shutdown prevented them from accessing the relevant satellite data.Preliminary analysis by Enki Research has placed direct damage to infrastructure at around $7.7 Billion, or around 40 percent of GDP, which the group said "will take at least a decade to recover from."

Trump meets 'tough negotiator' Xi in South Korea amid US-China trade tensions

world . (Agency)

Chinese President Xi Jinping on Thursday told US counterpart Donald Trump that while the two countries did not always see eye to eye, they should strive to be "partners and friends"."China and the US can jointly shoulder our responsibility as major countries and work together to accomplish more great and concrete things for the good of our two countries and the whole world," Xi said as talks kicked off in South Korea's Busan.Calling Xi a "tough negotiator," Trump said he expected a "very successful meeting" with the Chinese leader, adding that they would have a "fantastic relationship for a long time."The meeting is a high-stakes effort to stabilise relations between the world's two largest economies after months of escalating trade tensions.Trump's renewed tariff offensive since returning to the White House for a second term — and Beijing's retaliatory curbs on rare earth exports — have lent the meeting fresh urgency. Both sides recognise that a prolonged standoff could imperil the global economy and hurt their own growth prospects.

In the days leading up to the meeting, U.S. officials have signaled that Trump does not intend to make good on a recent threat to impose an additional 100% import tax on Chinese goods — and China has shown signs it is willing to relax its export controls on rare earths and also buy soybeans from America.Trump went further aboard Air Force One on his way to South Korea, telling reporters he may reduce tariffs that he placed on China earlier this year related to its role in making fentanyl."I expect to be lowering that because I believe that they're going to help us with the fentanyl situation," Trump said, later adding, "The relationship with China is very good."

The meeting will begin at 11 a.m. in Busan, South Korea, about 76 km south of Gyeongju, the main venue of the Asia-Pacific Economic Cooperation summit.At a dinner with fellow APEC leaders on Wednesday night, Trump was overheard saying that his meeting with Xi would last "three, four hours," after which he planned to return to Washington.Officials from both

countries met earlier this week in Kuala Lumpur to lay the groundwork for their leaders. Afterward, China's top trade negotiator Li Chenggang said they had reached a "preliminary consensus," a statement affirmed by U.S. Treasury Secretary Scott Bessent who said there was " a very successful framework."

Expectations of easing U.S.-China tensions have reassured investors and businesses, boosting U.S. markets on hopes the talks will lead to a new trade deal framework.

"The proposed deal on the table fits the pattern we've seen all year: short-term stabilization dressed up as strategic progress," said Craig Singleton, senior director of the China program at the Foundation for Defense of Democracies. "Both sides are managing volatility, calibrating just enough cooperation to avert crisis while the deeper rivalry endures."The U.S. and China have each shown they believe they have levers to pressure the other, and the past year has demonstrated that tentative steps forward can be short-lived.For Trump, that pressure comes from tariffs.Right now, China had faced new tariffs this year totaling 30%, of which 20% has been tied to its role in fentanyl production. But the tariff rates have been volatile. In April, he announced plans to jack the rate on Chinese goods to 145%, only to abandon those plans as markets recoiled.Xi has his own chokehold on the world economy because China is the top producer and processor of the rare earth minerals needed to make fighter jets, robots, electric vehicles and other high-tech products.China had tightened export restrictions on Oct. 9, repeating a cycle in which each nation jockeys for an edge only to back down after more trade talks.

NEWS BOX

Rishabh Pant wears Virat Kohli's No. 18 jersey on return to competitive action

New Delhi. (Agency)

India wicketkeeper-batter Rishabh Pant made a highly anticipated return to competitive cricket on Thursday, marking the end of a three-month injury layoff. Pant took the field for India A in the first four-day match against South Africa A at Bengaluru's Centre of Excellence, where his appearance drew immediate attention, not just for his comeback but for the jersey he was seen wearing.Pant, who captained the India A side, was spotted wearing Virat Kohli's iconic No. 18 jersey, a number that has been synonymous with the former India captain throughout his glittering international career. The sight of Pant in the same number sparked lively discussion on social media, with fans speculating whether the wicketkeeper-batter had switched from his usual No. 17.The 28-year-old's appearance marked an important step in his recovery after suffering a foot injury during the fourth Test against England in late July. The setback forced him to miss the Asia Cup and the home Test series against the West Indies, but the two-match series against South Africa A has provided the perfect opportunity to regain rhythm and confidence ahead of India's Test series

against world champions South Africa next month.Pant has been training extensively at the CoE over the past few weeks, focusing on both his batting and wicketkeeping in rigorous sessions under the supervision of the National Cricket Academy coaches. Expected to replace Dhruv Jurel in the senior squad, Pant's return is being viewed as a key boost for India's red-ball plans.The No. 18 jersey, however, became the talking point of the day. Since Virat Kohli retired from Test cricket in May, fans have regarded the number as a symbol of his legacy. Many even urged the BCCI to retire Kohli's number, as it had done for Sachin Tendulkar's No. 10 and MS Dhoni's No. 7, but the board has yet to take such a step.

Storm Alert: How India can clip Alyssa Healy's wings in the semis

New Delhi. (Agency)

Alyssa Healy doesn't recognise the word nerves. If anything, she's made a career out of transferring that feeling to her opponents - unsettling dugouts, dictating tempo, and turning matches into her personal stage.

At the Women's World Cup 2025, Healy has once again reminded everyone why she's one of the most feared names in world cricket. A quiet start gave way to an authoritative surge - the kind that only Healy can summon when it matters most.

On Thursday, India may not face a fully fit Healy, but even a 50 per cent version of her can be every bit as dangerous. The

Australian captain, recovering from a calf injury that ruled her out of the last two games, has a knack for rising on the big stage. And a World Cup semifinal at the DY Patil Stadium in Navi Mumbai is as big as it gets.Before the injury, Healy was in imperious touch - 294 runs from just four outings, including two hundreds, at an average of 98 and a strike rate soaring past 130. Both times she crossed fifty, she didn't stop until she reached three figures - classic Healy, ruthless and unrelenting.When she walks out on Thursday - whether limping or leaping - she'll carry the aura of a player who thrives under lights and pressure. The question is: can India find a way to douse the storm before it sweeps them away?

BOWL YOUR BEST DELIVERY

Like every great player, Healy has her share of vulnerabilities, though none of them have surfaced in this World Cup. Her form has been so commanding that she's barely given opponents a sniff. Yet, as former West Indies pacer and seasoned commentator Ian Bishop observed, even the best can be brought down by smart bowling and persistence.

Teenage Australian cricketer dies after being struck in the neck by a ball

Australian cricket was left in shock on Thursday following the death of a teenage player who was struck by a ball during training at his Melbourne club. Ben Austin, 17, was hit high on the neck by a delivery from a teammate while batting in the nets at Ferntree Gully Cricket Club on Tuesday, Cricket Victoria (CV) said in a statement.

New Delhi. (Agency)

A 17-year-old Australian cricketer has died after being struck in the neck by a ball during a practice session in Melbourne. Ben Austin was training in the nets at Ferntree Gully on Tuesday when he was hit by a delivery thrown from a hand-held device known as a "wanger."He was wearing a helmet but no neck guard at the time. Emergency services provided advanced life support before transporting him to Monash Medical Centre in critical condition. Despite their efforts, Ben was placed on life support and died on Thursday, leaving the local community and Australian cricket in shock.The loss has deeply affected Ben's family and the wider cricket fraternity. Ben's father, Jace Austin, said the family was "utterly devastated" by the passing of "our beautiful Ben." Cricket Victoria echoed the sentiment, saying the cricketing community across the country would be mourning the teenager's death. Tributes from friends, teammates, and local clubs have since poured in, reflecting the profound impact Ben had on those around him.Ben was a dedicated player for the Ferntree Gully Cricket Club and had also represented Mulgrave and Eildon Park cricket clubs. The club said it was "absolutely devastated," adding, "The impacts of his death will be felt by all in our cricket community." Condolences have flooded social media, with the club requesting privacy for the family during this difficult time.The teenager also played representative cricket for the Ferntree Gully and District Cricket Association. Its president, Arnie Walters, described Ben as "both talented and popular in local cricket," calling his passing "an enormous loss to our local community." Walters added, "We will provide any and all support we can to our clubs and cricket family," and appealed for privacy for everyone affected.

Further details indicate Ben collapsed immediately after being struck. Michael Finn, president of the Ringwood and District

Cricket Association, said, "Medical assistance was provided by people at the ground until paramedics arrived." Support is being extended to those affected, in partnership with Cricket Victoria. Reports confirm Ben was wearing a helmet at the time.Nick Cummins, chief executive officer of Cricket Victoria, referenced a similar tragedy a decade ago: "The ball hit him in the neck in a similar accident that Phil Hughes suffered 10 years ago," Cummins told the ABC. "The entire cricketing community in Victoria—and nationally—is mourning this loss, and it will stay with us for a long time. It is heartbreaking to see a young life cut so short while Ben was doing something he loved so much."Ben's family said in a statement, "For Tracey and I, Ben was an adored son, deeply loved brother to Cooper and Zach, and a shining light in the lives of our family and friends." His father expressed appreciation for the support they've received, noting, "This tragedy has taken Ben from us, but we find some comfort that he was doing something he did for so many summers—going down to the nets with mates to play cricket." The family also acknowledged the impact on the teammate who was bowling, saying, "This accident has impacted two young men and our thoughts are with him and his family as well." Jace Austin also thanked first responders and medical staff for their efforts.Tributes for Ben have extended well beyond the cricket pitch. Ferntree Gully Cricket Club encouraged the community to "put your bats out for Benny" in remembrance—a gesture echoing the tribute made for Phillip Hughes ten years ago.

Getting better every day: Shreyas Iyer's first message after spleen injury horror

CHENNAI. **(Agency)**

India's ODI vice-captain Shreyas Iyer has shared a positive update on his recovery after suffering a serious rib injury during the third ODI against Australia in Sydney. The 29-year-old batter, who was admitted to the ICU following internal bleeding caused by a spleen laceration, took to social media to thank fans for their support and assured them that he is making steady progress.Taking to X, Iyer wrote, "I'm currently in the recovery process and getting better, every passing day. I'm deeply grateful to see all the kind wishes and support I've received - it truly means a lot. Thank you for keeping me in your thoughts."Iyer sustained the injury while attempting a difficult running catch to dismiss Alex Carey off Harshit Rana's bowling. Though he initially managed to walk off the field with the physio's assistance, his condition worsened soon after as his vital parameters dropped, prompting immediate hospitalisation. Subsequent medical examinations revealed internal bleeding due to a laceration in his spleen, leading to his admission to the ICU for close monitoring.In an official statement, the BCCI confirmed that Iyer's condition had stabilized: "The injury was

promptly identified, and the bleeding was immediately arrested. His condition is now stable, and he continues to be under observation. A repeat scan done on Tuesday, 28th October, has shown significant improvement, and Shreyas is on the road to recovery. The BCCI Medical Team, in consultation with specialists in Sydney and India, will continue to monitor his progress."India's T20I captain Suryakumar Yadav, speaking on the eve of the series opener against Australia in Canberra, said the team was relieved to know that Iyer was recovering well. "Now see, we are not doctors. When we saw from outside, when the catch was taken (by Shreyas), it looked like it was normal," Suryakumar said. "But none of us were there, only those who were there can tell what actually happened. So they said after going inside it was felt you will have to pay good attention (to him). Then he was rushed to the specialist, and we were told about what happened."After that we talked to him, when he was talking normally, we felt that it is a little better now, because doctors and physios told us that it was an unfortunate incident, which happens rarely. But sometimes rare incidents happen to rare talent."The spleen neds at least 6–12 weeks to heal completely. During this period, doctors strictly advise avoiding any physical contact, impact, or heavy activity, because another hit to the same area could cause the injury to reopen and start bleeding again.

League Cup: Arsenal face Crystal Palace, Cardiff City vs Chelsea in quarter-finals

New Delhi. (Agency)

Arsenal will take on London rivals Crystal Palace in an all-capital clash in the Carabao Cup quarterfinals, while League One side Cardiff City have been rewarded for its giant-killing run with a home tie against Chelsea in the Welsh capital.Manchester City will meet fellow Premier League outfit Brentford after coming from behind to beat Swansea City in the fourth round, while defending champions Newcastle United will host Fulham at St. James' Park as they continue their quest for back-to-back EFL Cup titles.Half of the remaining sides — Fulham, Cardiff, Crystal Palace and Brentford — have never won the competition before, ensuring a mix of fresh storylines and familiar ambitions as the tournament reaches its business end.Premier League leaders Arsenal registered their eighth straight win in all competitions to move a step closer to ending their 32-year wait for the League Cup trophy. Second-half goals from

Ethan Nwaneri and Bukayo Saka helped the Gunners past Liverpool, who have now lost six of their last seven games across competitions.

It was also a record-breaking night for Arsenal's academy talent Max Dowman, who became the youngest player ever to start a competitive match for the club at just 15 years and 302 days.

CITY SURVIVE SCARE

Pep Guardiola's Manchester City were briefly stunned in Wales when Swansea's Goncalo Franco opened the scoring with a long-range stunner. However, City soon turned it around, equalising through a deflected Jeremy Doku effort before Omar Marmoush struck his first goal for the club to seal a 2–1 win and a last-eight spot.

CHELSEA HOLD OFF WOLVES

Chelsea continued their resugence with a 3–2 win over Wolverhampton Wanderers, though they ended the match with 10 men after Liam Delap was sent off on his return.

Cricket Australia posts USD 7 million loss despite bumper Ro-Ko comeback series

MILAN.(Agency)

Cricket Australia (CA) has reported a net deficit of 11.3 million Australian dollars (7.34 million dollars) for the 2024-25 financial year, despite a substantial surge in revenue from hosting the much-hyped Border-Gavaskar Trophy featuring the celebrated Ro-Ko (Rohit-Kohli) comeback series against India.At its annual general meeting (AGM) on Thursday, CA revealed that total revenue climbed by A$49.2 million from the previous year to 453.7 million Australian dollars, largely fuelled by a new domestic media deal and robust match receipts from the five-Test blockbuster against India.However, the increased earnings were offset by a steep rise in expenditure - up 24.1 million Australian dollars- primarily due to marketing costs surrounding the India series and funding an additional 70 days of international tours for the national teams.Distributions to CA's member states and territories showed minimal movement, increasing by just 800,000 dollars from the

previous year to 120.9 million Australian dollars.Cricket Victoria (CV) sharply criticised the board for failing to translate record revenues into profitability.

"For another year, CA is presenting a financial loss with a balance sheet showing member funds in deficit," CV chairman Ross Hepburn said at the AGM.

It is especially disappointing that since FY2019, Cricket Australia's accounts have shown significant cumulative loss, excluding COVID-related impacts and World Cup revenue."CA Chief Executive Todd Greenberg maintained a positive outlook for the next financial cycle, pointing to the upcoming Ashes series against England, which begins in Perth on November 21, 2025. He said CA expected a strong rebound in commercial and sponsorship revenue, projected to rise from 69 million Australian dollars to 86 million Australian dollars in 2025-26."The Ashes and India white-ball content in FY26 is expected to deliver significant profit to CA and enable us to rebuild our net assets and cash reserves for the next cycle," said CA Chief Financial Officer Sarah Pragnell.

Sai Sudharsan shares Gautam Gambhir's advice that ended his run-drought: You will play

Sai Sudharsan has opened up about Gautam Gambhir's reassuring message that helped him overcome a lean patch. The young India batter says the chat changed his mindset and restored his confidence at the crease.

New Delhi. (Agency)

India batter B Sai Sudharsan has credited India head coach Gautam Gambhir for helping him overcome a tough start to his Test career. The young Tamil Nadu batter said a heart-to-heart conversation with Gambhir during the West Indies series served as a turning point, allowing him to reset mentally and rediscover his rhythm at the crease.While Sudharsan has shown flashes of promise since making his debut, consistency has been a work in progress. In five Tests so far, the left-hander has scored 273 runs at an average of 30.33, with two half-centuries to his name. His debut series in England yielded 140 runs at 23.33, and a low score in the first Test against West Indies in Ahmedabad added to the pressure. Speaking at a press conference ahead of the first unofficial four-day Test between India A and South Africa A in Bengaluru, Sudharsan revealed his chat with Gambhir and how it boosted his confidence.

"After the first game in Ahmedabad, we were practising at the Feroz Shah Kotla (Arun Jaitley stadium in Delhi) nets. As always, I was the last to come out of the nets," Sudharsan recalled. "GG sir called me and said, 'You are not getting desperate. You are one of the best players in the country. So do not think about anything else. Don't think that you have to score runs in this game or what will happen if you don't.'"Sudharsan said those words of reassurance gave him the confidence he had been missing and allowed him to focus on his game without external pressure.He told me, 'You will play.' The

way he said that gave me so much freedom and belief. When you hear it from the head coach, it changes your entire perspective. I stopped thinking about outcomes and started focusing on expressing myself. Even in that game, I wasn't batting just to get runs; I wanted to fight and win for the team."

That conversation bore immediate results. In the following Test in Delhi, Sudharsan produced scores of 87 and 39 to help India seal a 2-0 series win over West Indies. Those innings not only ended his lean patch but also showcased his ability to anchor an innings under pressure. However, the 23-year-old is aware that the journey has only just begun. He remains cautious about comparisons with India's legendary No. 3 batters, admitting that he is still adapting to the role after spending much of his domestic career as an opener for Tamil Nadu.

For now, Sudharsan's focus shifts to the India A assignment against South Africa A, where he will serve as Rishabh Pant's deputy. The 24-year-old will look to further refine his red-ball technique ahead of the senior team's upcoming two-Test series against the Proteas later this month. Having regained his confidence and rhythm, the young left-hander will aim to turn Gambhir's words into long-term consistency.

'Not Mine, But...'

Manushi Chhillar

Reacts To Controversial 'Leg Shot' In Diljit Dosanjh's Kufar

Manushi Chhillar recently turned heads in Diljit Dosanjh's song Kufar from his new album Aura. Now, the actress, along with the Punjabi singer, has been facing trolling for a particular scene showing a shot of legs while Diljit Dosanjh sings lyrics about "Jannat De Darwaze" (the doorway to heaven). The particular shot in the song has been called vulgar, and as the trolling grows, Manushi has reacted to it.Taking to X, Manushi shared, "Not mine #iykyk But can we please not disrespect the dancer who was simply doing her job ."

Diljit Dosanjh has also spoken about the viral scene. In a recent Instagram live, Diljit shared, "Bruh, mai ta othe khada si... aase paase pata ni ki challi janda si (Bro, I was just standing there... I didn't even know what was going on around me!)."

Recently, Manushi gave fans a behind-the-scenes glimpse of her latest project with actor and Punjabi musician Diljit Dosanjh. The Samrat Prithviraj actress shared a touching message about her experience filming the music video, describing it as "one of the most spontaneous and memorable moments" of her career.

Manushi Chhillar's Professional Front

Manushi Chhillar made her acting debut in 2022 with the role of Sanyogita in the historical drama Samrat Prithviraj. Since then, she has appeared in several movies, including The Great Indian Family, Bade Miyan Chote Miyan, Operation Valentine, and Maalik.

She was last seen in the action thriller Tehran, directed by Arun Gopalan and produced by Dinesh Vijan, Shobhna Yadav, and Sandeep Leyzell.

Diljit Dosanjh's Work Front

After the ground-breaking success of the Dil-Luminati Tour 2024, the actor-singer now gears up for the Aura Tour 2025, featuring some new tracks. However, the schedule for the new tour is yet to be announced.The previous tour, which included 40 shows across India, Europe, North America, and the Middle East, drew thousands of people, cementing Dosanjh's place among the world's top global touring artists.

On the film front, Diljit will next be seen in Border 2. Besides this, he also has director Anees Bazmee's next comedy sequel, No Entry 2. Backed by Boney Kapoor, the film also features Varun Dhawan and Arjun Kapoor in the lead roles.

Hina Khan

Channels Her Inner Poo Energy, Nails Kareena Kapoor's Iconic Kabhi Khushi Kabhie Gham Scene

Hina Khan, once the reigning queen of Indian television, continues to make headlines with her projects. After gaining the cult heroine status from Yeh Rishta Kya Kehlata and cementing her legacy with Bigg Boss 11, the actress recently appeared in the celebrity couple reality show, Pati Patni Aur Panga with her husband Rocky Jaiswal. The actress, known for her versatility and screen presence, never fails to entertain her fans both on and off screen.Recently, Hina shared a reel on Instagram where she recreated an iconic scene from Kabhi Khushi Kabhie Gham, transforming into the unforgettable Poo, originally played by Kareena Kapoor Khan. Hina nailed the scene and left fans in splits with the hilarious recreation.

Hina Khan Channels Her Inner Poo In Hilarious Instagram Post

Kabhi Khushi Kabhie Gham is a film that continues to be loved even today. Recreating one of its most iconic moments, Hina Khan, who looked breathtaking in a green shimmery short dress, channelled her inner Poo with full sass and style. In the reel, she recreated the viral scene where Poo says, "Parso ke din bhi yahi pehena tha na tumne?" followed by the iconic, "Tumhe kaafi suit karta hai."

The caption of the video read, "Poo vibes again. With my girls." The video has already notched more than 1 lakh likes.

Here's How The Netizens Reacted To Hina's Recreation

Fans appreciated the Bigg Boss season 11 runner-up in the comments section. A fan wrote, "So much positive vibes."Another wrote, "Hina as poo is such a cutie."

"Omg kitni pyaari ho yar aap nazar utarwa lena kyunki aap meri favourite ho or apne kareena ko fail

kardia."Hina's love for making fun and creative reels is no secret on social media. In another video, she was seen dancing to Sridevi's iconic song Hawa Hawai along with her team.The caption of the video read, "Hawahawaai with this mad duo. Kitna tang karte ho tum donu mujhe." The post had over 2.5 lakh likes and most of the comments on the video were lauding Hina for being strong. Hina Khan was diagnosed with Breast Cancer some time ago.

'Little Hooman Turns 372 Days': Nakuul Mehta, Jankee Parekh Have A Special Wish For Drashti Dhami's Daughter

Nakuul Mehta and Drashti Dhami share a bond that goes far beyond friendship; it's more like family. From vacations and parties to attending events together and supporting each other through every phase of life, their relationship is a true example of enduring friendship. Both stars are now proud parents. Nakuul recently welcomed his second child, a baby girl, while Drashti embraced motherhood last year with the birth of her daughter, Leela, on October 22.Last week, on the occasion of Leela's first birthday, which also marks Drashti's first year of motherhood, Nakuul penned the sweetest note for his best friend. Now, Nakuul and his wife, Jankee Parekh, joined Drashti for a cosy celebration, where they marked the special day by cutting an adorable belated birthday cake for the mother-daughter duo.

Nakuul Mehta and Jankee Parekh Celebrate 372 Days Of Drashti Dhami's Daughter

On October 28, Nakuul, Jankee, and Drashti got together at a restaurant in Juhu to celebrate little Leela's birthday, which had been a week earlier. For them, it wasn't about the date but about celebrating the joy of their children. They marked the moment with a small chocolate cake, as sweet and adorable as the birthday girl herself.The Ishqbaaz actor took to his Instagram Story to share a glimpse from the evening, featuring Jankee, their son Sufi, Drashti, and her little sunshine, Leela. Nakuul stayed behind the camera, capturing the joyful moment as the mothers and their children posed with big smiles. Leela's face was covered with a red heart emoji, but her adorable gestures stole the spotlight.In the caption Nakuul wrote, "Celebrating the little hooman turning 372 days."

Nakuul Mehta's Post On Drashti Dhami's Daughter's Birthday

Nakuul not only celebrated Leela's first birthday but also gave a shout-out to Drashti for completing one year of motherhood in his signature witty style. Taking to his Instagram Story, he shared a picture with Drashti and wrote, "Happiest birthday to the mothership of Leelz @dhamidhrashti."

Ibrahim Ali Khan On Constant Comparison With Saif Ali Khan: 'When You're Fed That, It Becomes Standard'

Ibrahim Ali Khan opened up about being constantly compared to his father Saif Ali Khan, saying such remarks set a standard for him and push him to be more like his dad.

Ibrahim Ali Khan has been in the headlines ever since his debut film was released. After Nadaaniyan came out, Ibrahim faced severe criticism as movie buffs didn't like the film. Now, in a recent interview, the actor has opened up about being constantly compared to his father and ace actor Saif Ali Khan.In conversation with Esquire India, Ibrahim opened up about facing constant comparison to his dad and shared, "For years, I've been told I look just like my father. 'Oh my god, you're just like him, you're just like him, you're just like him. Oh my god, you're just like Saif.' When you're constantly fed something like that, that becomes a standard for you. You want to be more and more like him."

He further continued, and while calling Saif an amazing actor, shared, "I think my dad is an amazing actor. What I really like about him is that there were a lot of people who doubted him in the beginning. He took quite a few films to find his feet and become the versatile performer he is now."

Ibrahim made his debut earlier this year with Nadaaniyan, a Netflix film directed by Shauna Gautam. The film also featured Mahima Chaudhry, Suniel Shetty, Dia Mirza, and Jugal Hansraj but failed to impress critics, earning only a 12% rating on Rotten Tomatoes. His second outing, Sarzameen, released four months later and faced a similar fate despite a strong ensemble cast including Kajol and Prithviraj Sukumaran.

The 23-year-old actor, son of Saif Ali Khan and Amrita Singh, and grandson of Sharmila Tagore, said his illustrious family keeps him grounded and motivated. "I usually always have self-doubt. Whenever I feel unsure, all this (lineage) is a reminder of who's at home. 'You're Saif Ali Khan's kid. Bebo's (stepmom Kareena Kapoor) in your family. You should be able to do it. You should be smashing it, man,'" he added.

Despite a rocky start, Ibrahim is determined to make his mark. He will next be seen in Diler, a sports drama directed by Kunal Deshmukh, also starring Sreeleela. The film, said to revolve around a marathon runner, is expected to hit screens in 2026.